नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 178 | नई दिल्ली, रविवार 25 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

वॉर 2 में कमांडो फाइट करती दिखेंगी कियारा? पेज-12

एक नजर

भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन 26 को

नई दिल्ली। भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) का दूसरा दौर 26 अगस्त को सिंगापुर में आयोजित किया जाएगा। आईएसएमआर भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय संबंधों को एजेंडा देने का तंत्र है।

इसमें वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल, सूचना और प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव शामिल होंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार अपनी यात्रा के दौरान मंत्री अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे और सिंगापुर के नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। यह बैठक दोनों पक्षों को अपनी रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने और इसे और आगे बढ़ाने तथा व्यापक बनाने के लिए नए रास्ते तलाशने में सक्षम बनाएगी। उल्लेखनीय है कि आईएसएमआर की उद्घाटन बैठक सितंबर 2022 में नई दिल्ली में हुई थी।

आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाना न्याय नहीं बर्बरता: खडगे-प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपराध के बदले घर पर बुलडोजर चला कर परिवार को छत विहीन करने को अन्याय और बर्बरता करार देते हुए कहा है कि यह अमानवीयता और इसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

श्रीमती वाड्रा ने कहा कि किसी अपराधी को सजा देने के लिए उसके घर पर बुलडोजर चलाने को न्याय नहीं कहा जा सकता है। किसी भी सभ्य समाज में अपराध के बदले आरोपी के परिवार को बुलडोजर से उनकी छत तोड़कर सजा नहीं दी जा सकती। यह न्याय नहीं अन्याय है और कानून की अवधारणा है इसलिए इसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए। श्री खड़गे ने कहा, किसी का घर तोड़ना और उसके परिवार को बेघर करना अमानवीय भी है और अन्यायपूर्ण भी। भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाना परेशान करने वाला है। कानून के समाज में ऐसे कार्य स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इसे अमानवीय कार्रवाई करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और कहा कांग्रेस इसे संविधान की घोर अवहेलना तथा नागरिकों में भय पैदा करने की रणनीति मानती है और आरोपी के घर को तोड़ने के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल के लिए भाजपा सरकारों की कड़ी निंदा करती है। अराजकता प्राकृतिक न्याय का स्थान नहीं ले सकती-अपराधों का फैसला राज्य प्रायोजित व्यवस्था से नहीं बल्कि अदालतों में होना चाहिए।

श्रीमती वाड्रा ने कहा, अगर कोई किसी अपराध का आरोपी है तो उसका अपराध और उसकी सजा सिर्फ अदालत तय कर सकती है, लेकिन आरोप लगते ही आरोपी के परिवार को सजा देना, उनके सिर से छत छीन लेना, कानून का पालन न करना, अदालत की अवहेलना करना, आरोप लगते ही आरोपी का घर ढहा देना- यह न्याय नहीं है। यह बर्बरता और अन्याय की पराकाष्ठा है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, कानून बनाने वाले, कानून के रखवाले और कानून तोड़ने वाले में फर्क होना चाहिए। सरकारें अपराधी की तरह व्यवहार नहीं कर सकतीं।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम को केंद्र की मंजूरी

10 साल बाद नौकरी छोड़ी तो हर महीने मिलेंगे 10 हजार

- 25 वर्ष सेवा देने वाले कर्मियों को 50 फीसद सुनिश्चित पेंशन मिलेगा
- परिवार को सुनिश्चित पेंशन का 60 फीसद हिस्सा बतौर पेंशन मिलेगा

नई दिल्ली। सरकार ने वर्ष 2004 के बाद सेवा में आने वाले केन्द्रीय कर्मचारियों के लिये लागू नयी पेंशन योजना (एनपीएस) के विकल्प के रूप में शनिवार को एक नयी एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लाने का फैसला किया है जिसमें कर्मचारियों को सेवानिवृत्त के बाद आखिरी वेतन की करीब 50 प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आज यहां हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी। रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उनके साथ भावी कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन भी थे जिन्होंने यूपीएस को तैयार करने में केन्द्रीय भूमिका निभायी थी। एकीकृत पेंशन योजना एक अप्रैल 2025 से लागू होगी।

श्री वैष्णव ने कहा कि यूपीएस में कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। यूपीएस के लिये कर्मचारियों के अंशदान को एनपीएस की मौजूदा व्यवस्था के 10 प्रतिशत के बराबर ही रखा गया है जबकि सरकार ने अपने अंशदान को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस पेंशन योजना में पारिवारिक पेंशन, गारंटी शुदा न्यूनतम पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद एकमुश्त भुगतान के भी प्रावधान किये गये हैं। उन्होंने कहा कि यूपीएस लागू करने से एरियर के रूप में चालू वित्त वर्ष में सरकार को करीब 800 करोड़ रुपए व्यय करने पड़ेंगे जबकि यूपीएस के लिए लगभग 6250 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

यूपीएस कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगी: पीएम मोदी

यूपीएस के ऐलान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की प्रगति के लिए कठिन परिश्रम करने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों पर हमें गर्व है. यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) इन कर्मचारियों की गरिमा और आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाली है. यह कदम उनके कल्याण और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है.

पीएम मोदी ने बताया गर्व

इस घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर सरकारी कर्मचारियों पर गर्व जताया। उन्होंने कहा, 'देश की प्रगति के लिए कठिन परिश्रम करने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों पर हमें गर्व है। यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) इन कर्मचारियों की गरिमा और आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाली है। यह कदम उनके कल्याण और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।'

जानें क्या है यूनिफाइड पेंशन स्कीम?

इस योजना की कुछ मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- कम से कम 25 साल तक नौकरी करने वाले को रिटायरमेंट से पहले पिछले 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 फीसदी पेंशन के रूप में दिया जाएगा।
- इस पेंशन के हकदार वही होंगे जो कम से कम 10 साल नौकरी करेंगे।
- 10 साल की नौकरी के बाद अगर कोई नौकरी छोड़ता है तो उसे कम से कम 10 हजार रुपये पेंशन के तौर पर मिलेंगे।
- कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसकी पेंशन की 60 फीसदी रकम परिवार को मिलेगी।
- रिटायर होने पर ग्रेच्युटी के अलावा एकमुश्त भुगतान भी किया जाएगा।
- महंगाई इंडेक्सेशन का लाभ भी मिलेगा।
- कर्मचारियों को अंशदान करने की जरूरत नहीं होगी। सरकार अपनी तरफ से कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 18.5 फीसदी वहन करेगी।
- हर छह महीने की सेवा के बदले मासिक वेतन (वेतन + डीए) का दसवां हिस्सा जुड़ कर रिटायरमेंट पर मिलेगा

ऐसे लागू की गई स्कीम

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमने केंद्र सरकार के जॉइंट कंसल्टेटिव मैकेनिज्म (जेसीएम) के साथ कई बार मीटिंग की. इसके बाद दुनिया के कई देशों में किस तरह की स्कीम लागू हैं, इस पर भी विचार विमर्श किया. भारत की अर्थव्यवस्था और केंद्र सरकार के बजट को समझने के लिए आरबीआई के साथ मीटिंग की गईं. इसके बाद यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लागू किया गया. वैष्णव ने कहा कि कर्मचारियों की ओर से ये मांग की गई थी कि उन्हें सुनिश्चित पेंशन दी जाए. इस डिमांड पर हमने रिसर्च की और 50 फीसदी सुनिश्चित पेंशन इस योजना के तहत लेकर आए हैं.

श्री वैष्णव ने कहा कि इससे केन्द्र सरकार के 30 लाख से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा और और राज्य सरकारें यूपीएस को लागू करती हैं तो कुल 90 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा हो सकेगा। इस योजना से आने वाली पीढ़ियों पर पुरानी पेंशन योजना की भांति कोई वित्तीय भार नहीं पड़ेगा क्योंकि पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों का कोई योगदान नहीं होता था। उन्होंने कहा कि 2004 के बाद सेवा में आने वाले जितने कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं या एक अप्रैल 2025 तक सेवानिवृत्त होंगे, उन्हें भी इस विकल्प को चुनने का अवसर मिलेगा। ऐसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्ति लाभों की पुनः गणना करके बकाया का ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा।

भारत ने किया पहला पुन: प्रयोज्य हाइब्रिड रॉकेट रुमी का सफल प्रक्षेपण

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में मोबाइल लॉन्चपैड से देश का पहला पुनः प्रयोज्य हाइब्रिड रॉकेट रुमी का प्रक्षेपण शनिवार सुबह सफलतापूर्वक हुआ।

आज सुबह 07.07 बजे तीन क्यूब सैटेलाइट और 50 पिको सैटेलाइट ले जाने वाले रुमी रॉकेट का प्रक्षेपण ईसीआर पर चेंगलपेट के थिरुविदंधई तटीय गांव में मोबाइल लॉन्च पैड से हुआ जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

मिशन के लिए सरकार, नागरिक उड्डयन, आईएएफ तांबरम और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से सभी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद एक ट्रक पर लगे हाइड्रोलिक लॉन्चर का उपयोग करके प्रक्षेपण किया गया। तमिलनाडु की उभरती हुई एयरो-टेक कंपनी स्पेस जोन इंडिया ने मिशन रुमी 2024 को तैयार किया है जो भारतीय एयरोस्पेस उद्योग में अपनी तरह का पहला मील का पत्थर साबित हुआ है। इस मिशन के माध्यम से

कंपनी ने मोबाइल लॉन्चपैड पर भारत का पहला पुनः प्रयोज्य हाइब्रिड रॉकेट लॉन्च किया, जो दक्षता में सुधार और परिचालन लागत को कम करने के लिए तरल ऑक्सीडाइजर और ठोस ईंधन प्रणोदक प्रणालियों दोनों के लाभों को मिलाकर प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करेगा।

स्पेस जोन इंडिया के संस्थापक और सीईओ डॉ. आनंद मेगालिंगम ने कहा, ह्लयह मोबाइल लॉन्च सिस्टम हमें किसी भी स्थान से आसानी से विभिन्न लॉन्च परिदृश्यों के सटीक नियंत्रण की अनुमति देता है।'

अमेरिका ने दी भारत को 52.8 मिलियन डॉलर से विदेशी सैन्य बिक्री की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यात्रा के दौरान अमेरिका ने भारत को 52.8 मिलियन डॉलर से पनडुब्बी रोधी युद्ध सोनोबॉय और संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसका ऐलान वाशिंगटन डीसी के पेंटागन में अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद किया गया है। राजनाथ सिंह ने एक गोलमेज सम्मेलन में अग्रणी अमेरिकी रक्षा कंपनियों के साथ सार्थक बातचीत की है। साथ ही अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारजेक सुलिवन से मिलकर आपसी हित के प्रमुख रणनीतिक मामलों पर चर्चा की है।

अमेरिकी रक्षा विभाग की रक्षा

सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने एक बयान में कहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारत को 52.8 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर पनडुब्बी रोधी युद्ध सोनोबॉय और संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी है। भारत सरकार ने अमेरिका से हाई एल्टीट्यूड एंटी-सबमरीन वारफेयर सोनोबॉय और कई अन्य उपकरण खरीदने का अनुरोध किया है। डीएससीए के बयान में कहा गया है कि यह उपकरण भारतीय नौसेना की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

इसमें कहा गया है कि प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारत रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के साथ अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी, जो भारत-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति है। भारत और अमेरिका ने पिछले साल रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप को अपनाया था। इसका उद्देश्य हवाई युद्ध और भूमि गतिशीलता प्रणालियों, खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही, युद्ध सामग्री और समुद्री क्षेत्र सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी सहयोग और सह-उत्पादन को गति देना है।

यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायन्स की साझेदारी में 'हाइड्रोजन और भंडारण पर यूएस-भारत साझेदारी' पर एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया।

देश को मार्च 2026 तक नक्सल समस्या से मुक्त कर लेंगे : शाह

रायपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को नक्सलियों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वे अपना रास्ता नहीं बदलते हैं तो 'अंतिम प्रहार' होगा और हम देश को मार्च 2026 तक नक्सल समस्या से मुक्त कर लेंगे।

श्री शाह ने आज यहां नक्सल प्रभावित राज्यों की अंतर राज्यीय समन्वय समिति की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह चुनौती दी।

नक्सलियों को खुली चुनौती देते हुए श्री शाह ने कहा, 'यदि वे अपना रास्ता नहीं बदलते हैं तो 'अंतिम प्रहार' होगा। छत्तीसगढ़ समेत देश को मार्च 2026 तक नक्सल समस्या से मुक्त कर लेंगे।

उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवाद की वजह से लोग निरक्षर रह गए हैं उन्हें साक्षर बनाने राज्य सरकार और केंद्र सरकार पहल करेगी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की तर्ज पर एसआईए बनाएंगे। राज्य सरकार जल्द नई सरेंडर पॉलिसी की घोषणा करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने साय सरकार की तारीफ करते हुए कहा, नक्सल

मामले में छत्तीसगढ़ में बड़ी कामयाबी मिली है। उन्होंने कहा, पड़ोसी राज्यों का समन्वय जरूरी है। नक्सल वाद के खिलाफ रूथलेस रणनीति के साथ अंतिम प्रहार करने का वक्त आ गया है। हमारा मानना है कि वामपंथी उग्रवाद देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले चालीस सालों में करीब 17 हजार लोगों की जान गई है। जब से केंद्र में मोदी सरकार बनी इस समस्या को चैलेंज के रूप में स्वीकार किया।

श्री शाह ने कहा, जिनके हाथ में हथियार है उनके हाथ से हथियार छुड़ाना और जो नहीं छोड़ रहे हैं उन्हें इंगेज करने की दिशा में काम किया गया। इसके साथ ही वामपंथ उग्रवाद क्षेत्र का विकास करना भी प्राथमिकता रही है। कई एचीवमेंट रहा है। वर्ष 2022 में चार दशकों में मृत्यु का प्रतिशत सबसे कम रहा। टॉप 14 नक्सली लीडर को न्यूट्रालाइज किया गया। हमने दो उद्देश्यों को लेकर काम किया। पहला नक्सल क्षेत्रों में रूल ऑफ ला को इस्टेब्लिश करना और दूसरा उन इलाकों को विकसित करना।

उन्होंने कहा, बिहार, झारखंड, ओड़िशा, मध्यप्रदेश और कुछ हद तक महाराष्ट्र नक्सल समस्या से मुक्त हुआ है। वर्ष 2004 से 2014 तक 16 हजार घटनाएं हुई थी और 2014 के बाद से अब तक करीब सात हजार घटनाएं हुई है। करीब 53 फीसदी की कमी आई है। नागरिक सुरक्षा में 79 फीसदी का आंकड़ा रहा है। वर्ष 2010 में 96 नए 11 जिलों को मिलाकर 107 जिले नक्सल प्रभावित जिले थे। आज यह करीब 42 पर आ गए हैं। थानों की संख्या 171 तक सीमित हुई है। वर्ष 2019 से अब तक सीएपीए के दो सौ से ज्यादा कैंप बनाए गए। वामपंथ उग्रवाद के फाइनेंशियल सिस्टम पर करारा प्रहार किया गया है। इसमें ईडी की भी बड़ी भूमिका रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को धन्यवाद देता हूं कि नक्सल मामले में बड़ी कामयाबी मिली है। बड़ी संख्या में नक्सली न्यूट्रालाइज किया गया। नये कैंप खुले। हिड़मा के गांव में जाकर डिप्टी सीएम ग्रामीणों को आधार कार्ड देता है तो यह सब देखकर दिल्ली में हमें सुकून मिलता है। सुकमा के छह गांवों में आजादी के बाद पहली बार आदिवासियों ने मतदान का इस्तेमाल किया है। आज सुरक्षा बलों के जवान सुरक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास के लिए भी योगदान दे रहे हैं।

श्री शाह ने कहा कि बस्तर में 1500 से ज्यादा मोबाइल टावर लगाकर कनेक्टिविटी देने का काम किया है। सड़कों की कनेक्टिविटी को बेहतर किया गया है। हर तीन किलोमीटर में एक डाकघर खोला गया है। बैंक, एटीएम जैसी सुविधाएं पहली बार अंदूरूनी इलाको में पहुंचा है। कौशल विकास के लिए आईटीआई खोले गए हैं। इसके अलावा 164 एकलव्य विद्यालय खोले गए हैं।

श्री शाह ने कहा,ह्लअलग-अलग राज्य सरकारों के बीच जॉइंट टास्क फोर्स बनाया गया है। केंद्र सरकार की एजेंसियां कोआर्डिनेशन को बेहतर कर रही है। फर्जी मुठभेड़ के आरोपों पर श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस अपना काम कर रही है। हम अपना काम कर रहे हैं। नक्सलियों ने शांति वार्ता पर श्री शाह ने अपील करते हुए कहा कि नक्सली सरेंडर करें, हथियार छोड़े हम उनकी चिंता करेंगे।

गौरतलब है कि श्री शाह इन दिनों छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। उन्होंने आज वामपंथी उग्रवाद पर समीक्षा बैठक ली, जिसमें छत्तीसगढ़ समेत सात राज्यों के मुख्य सचिव और डीजीपी शामिल हुए।

वामपंथी उग्रवाद पर निर्णायक प्रहार का समय आ गया है: शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद पर 'निर्मम रणनीति' के साथ निर्णायक तरीके से प्रहार करने का समय आ गया है। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ के दो दिन के दौरे के पहले दिन यहां वामपंथी उग्रवाद के खात्मे के लिये आयोजित एक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ और उसके पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी शामिल थे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और केन्द्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। श्री शाह ने कहा कि आज की बैठक में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों में कल्याण और विकास की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में प्रगति और अवसंरचना विकास के कार्यों की समीक्षा भी की गयी।

पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा के बाद स्वदेश लौटे पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड और यूक्रेन की अपनी दो देशों की यात्रा पूरी करने के बाद शनिवार को स्वदेश लौट आए। पीएम मोदी 21 और 22 अगस्त को पीएम पोलैंड की यात्रा पर थे, जबकि 23 अगस्त को उन्होंने यूक्रेन का दौरा किया। पीएम मोदी का यह दौरा बेहद अहम रहा। बता दें कि पोलैंड की यात्रा पर 45 साल बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री गया। इससे पहले 1979 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने पोलैंड की यात्रा की थी।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन की यात्रा भी किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 1991 में रूस से यूक्रेन के अलग होने के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्वयूक्रेन की मेरी यात्रा ऐतिहासिक थी। मैं भारत-यूक्रेन मित्रता को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से इस महान देश में आया था।

राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ मेरी बातचीत सार्थक रही। भारत का दृढ़

विश्वास है कि शांति हमेशा बनी रहनी चाहिए। मैं यूक्रेन की सरकार और लोगों को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ मरियिंस्की पैलेस में द्विपक्षीय वार्ता की। इसके बाद उन्होंने रूस और यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों को बिना समय गंवाए बातचीत शुरू करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को एक साथ बैठना चाहिए और इस संकट से बाहर आने के रास्ते तलाशने चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दिनों जब मैं एक बैठक के लिए रूस गया तो मैंने वहां भी साफ-साफ शब्दों में कहा कि किसी भी समस्या का समाधान कभी भी रणभूमि में नहीं होता।

दोस्तों के साथ मिलकर मालिक की हत्या मास्टर माइंड को सूरत से धरा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की दरियागंज टीम ने एक नृशंस हत्यां मामले में पैरोल पर फरार चल रहे भगोड़े अपराधी को धरदबोचने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी की पहचान अजय कुमार महतो (30), सीतामढ़ी, बिहार के रूप में की गई है। उसने अपने 5 अन्या साथियों के साथ मिलकर दिल्लीं के निहाल विहार इलाके में साल 2013 में अपने अपने मालिक की मर्डर कर दिया था। इतना ही नहीं मृतक की पहचान नहीं हो सके, इसके लिए उसके चेहरे को पत्थरों से बुरी तरह से कुचल कर विकासपुरी के गंदे नाले में फेंक दिया था। आरोपी की गिरफ्तारी वरेली (सूरत, गुजरात) से की गई है। क्राइम ब्रांच (साइबर सेल) के डीसीपी राकेश पावरिया ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि दिल्लीा के निहाल विहार इलाके में साल 2013 में अजय कुमार महतो और उसके साथ?ियों ने एक शख्सब की निर्मम तरीके से हत्याक कर दी थी। निहाल विहार थाने में आईपीसी की अलग-अलग धाराओं में 302/120-बी/34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले के मुख्य आरोपी अजय कुमार महतो को सभी सह आरोपियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था। कोरोना महामारी के दौरान कोर्ट के आदेश पर आरोपी महतो को पैरोल दी गई थी लेकिन पैरोल अवधि समाप्त होने के बाद उसने सरेंडर नहीं किया। इसके बाद उसको कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया था। इसके चलते क्राइम ब्रांच आरोपी की तलाश में जुटी थी।

एसीपी पवन कुमार के समग्र पर्यवेक्षण और इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह की देखरेख में एक टीम का गठन किया गया। टीम को खुफिया इनपुट मिला कि निहाल विहार मर्डर मामले में शामिल एक फरार अपराधी अजय कुमार महतो गुजरात के सूरत में कहीं छिपा हुआ है और उसके खिलाफ छापेमारी की गई तो उसको पकड़ लिया जाएगा। इसके बाद टीम सूरत, गुजरात के लिए रवाना हुई और वहां पहुंचकर जमीनी स्त र पर कड़ी निगरानी की गई और टेक्नीसकल सर्विजलांस की मदद से आरोपी अजय कुमार महतो के ठिकाने का पता चला जोकि वल्लभ नगर, वरेली (सूरत, गुजरात) पाया गया। इसके बाद आरोपी को पकड़ने के लिए साइबर सेल टीम महादेव मंदिर, वरेली के पास पहुंची और वहां पूरा जाल बिछाया गया। आरोपी दोपहर बाद वहां पहुंचा तो उसको टीम ने धरदबोच लि?या। उस पर जिस वक्तप कड़ी निगरानी रखी जा रही थी उस समय लगातार बारिश हो रही थी। बाजवूद इसके पुलिस टीम ने बारिश की परवाह किए बिना अपना निशाना साधे रखा और उसकी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका जन्म बिहार के सीतामढ़ी जिले के पैतृक गांव मटियार में हुआ और 8वीं कक्षा तक की पढ़ाई की है। टेलरिंग के काम से पूरी नहीं हो रही थी जरूरतें: इसके बाद साल 2011 में दिल्ली आ गया था जहां कपड़े सिलने का काम करने लगा। उसका मालिक उसकी जरूरतों समय पर मजदूरी नहीं देता था। इस काम से होने वाली कमाई से वह अपनी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहा था। फिर उसने अपने साथी के साथ मिलकर एक खौफनाक साजिश रची और अपने मालिक की पत्थरों से मारकर हत्या कर दी। इस निर्मम हत्याश के मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन कोविड-19 के दौरान मिली पैरोल के बाद लगातार गिरफ्तारी और अदालती कार्यवाही से बचता रहा था। आरोपी शादीशुदा है और उसके 3 बच्चे हैं। आरोपी के खिलाफ पहले भी दिल्ली, हरियाणा व बिहार में हत्या, चोरी, एक्साइज एक्ट आदि के 5 मामलों में संलिप्तबता पायी गई है।

दक्षिण दिल्ली के किराए के घर में व्यक्ति मृत पाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के देवली गांव में 20 वर्षीय एक युवक अपने किराए के मकान में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। युवक सामान की आपूर्ति करने वाला एक प्रतिनिधि के रूप में काम करता था। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति की पहचान कुशल कुमार के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, शुक्रवार रात को एक व्यक्ति का फोन आया कि उसका दोस्त बेहोशी की हालत में मिला है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल ले गई जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि कुमार अपने दोस्तों के साथ किराए के मकान में रह रहा था। अधिकारी के अनुसार उसके दोस्तों ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात को उन्होंने शराब पी और करीब 10 बजे सो गए। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जब कुमार नहीं उठा तो उसके दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार उसके दोस्तों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और किसी गड़बड़ी की आशंका नहीं है। अधिकारी ने बताया, पोस्टमार्टम को हटा दिया जाएगा और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने कहा, पोस्टमार्टम किया जाना है और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त के साथ मिलकर की बहनोई की हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में साले ने अपने दोस्त के साथ मिलकर बहनोई की चाकूओं से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या के आरोप में आरोपी साला और उसके दोस्त को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया गया है। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि मृतक ने रक्षाबंधन पर साले के साथ गाली गलौज की थी। जिसको लेकर हुए विवाद में साले और उसके दोस्त ने मिलकर बहनोई की हत्या कर दी।

पूर्वी दिल्ली के डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिल्ली से सटे गाजियाबाद निवासी किशन और राहुल के तौर पर हुई है। डीसीपी ने बताया कि 20 अगस्त को शकरपुर थाना क्षेत्र के यमुना खादर में एक युवक का शव मिला था। युवक की चाकू से गोदकर हत्या की गई थी।

मृतक युवक की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी राहुल के तौर पर हुई। राहुल ई रिक्शा चलाता था। हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। हत्याकांड को सुलझाने के लिए स्पेशल स्टाफ की टीम गठित : इस हत्याकांड को सुलझाने के लिए, इंस्पेक्टर अजीत सिंह के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ के पुलिस अधिकारियों की एक टीम गठित की गई। जांच में पता चला कि मृतक की पत्नी लक्ष्मी का ममेरा भाई किशन रक्षाबंधन के लिए उनके घर आया था और मृतक आखरी बार उसके साथ गया था। इस जानकारी के बाद किशन के ठिकाने पर छापेमारी कर उसे गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। किशन से पूछताछ के बाद उसके साथी राहुल को भी पकड़ लिया गया। गाली देने से नाराज साले ने की हत्या : पूछताछ के दौरान, दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि वे रक्षा बंधन के लिए किशन की बहन लक्ष्मी के घर गए थे। जब वे घर में दाखिल हुए तो राहुल उर्फ काले (मृतक) ने उन्हें और उनकी बहन लक्ष्मी को गाली दी। उस रात, राहुल उर्फ काले उनके साथ यमुना खादर क्षेत्र, शराब पीने और धूम्रपान करने गया। यमुना खादर में, उनमें गरमागरम बहस हुई। राहुल उर्फ काले के पास चाकू था और उसने किशन उर्फ राजू पर हमला कर दिया। जवाब में, केशव ने काले को पकड़ लिया, जबकि किशन ने चाकू लेकर राहुल उर्फ काले के पेट और पीठ पर कई वार किए और उसे घटनास्थल पर ही छोड़ कर फरार हो गया।

डिलीवरी ब्वॉय की संदिग्ध हालात में मौत, मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। नेबसराय इलाके में शुक्रवार रात एक डिलीवरी ब्वॉय की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान संगम विहार निवासी 20 वर्षीय कौशल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने कौशल के साथ रह रहे दोस्तों के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नेबसराय थाने में शुक्रवार रात पीसीआर कॉल के माध्यम से एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली थी। कॉलर ने बताया कि उसके दोस्त ने गुरुवार रात उसके साथ बैठकर शराब पी थी, लेकिन सुबह वह उठा नहीं है। ऐसा लग रहा है कि वह मर गया है। पूछताछ में इसके दोस्तों ने पुलिस को बताया कि कौशल के साथ वे किराए के कमरे में रहते थे।

गुरुवार रात को उन्होंने साथ में शराब पी थी। इसके बाद रात करीब 10 बजे ये लोग सोने चले गए। अगले दिन सुबह करीब 10 बजे तक जब कौशल नहीं उठा तो दोस्तों ने उसे जगाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं जगा। इसके बाद उसे अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

25 अगस्ते से दिल्ली मेट्रो की टाइमिंग में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो वर्तमान में राजधानी में यातायात का सबसे सुगम साधन है। मेट्रो प्रबंधन भी लगातार यात्रियों की सुविधा अनुसार मेट्रो सेवाओं के समय में परिवर्तन करता रहता है। इसी कड़ी में डीएमआरसी ने रविवार से मेट्रो के कुछ रूटों पर सेवाएं सुबह जल्दी शुरू करने का फैसला किया है। ताकि यात्रियों और परीक्षार्थियों को यात्रा करने में किसी तरह की समस्या न हो। यह बदलाव हर रविवार को जारी रहेगा। डीएमआरसी से मिली जानकारी के मुताबिक, फेज-।।। कॉरिडोर पर रविवार को नियमित मेट्रो सेवाएं पहले प्रातः 8 बजे शुरू होती थी। इसमें 25 अगस्त 2024, रविवार से समय में बदलाव किया गया है। इस दिन दिलशाद गार्डन से शहीद स्थल (नया बस अड्डा) और नोएडा सिटी सेंटर से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, मुंडका से ब्रिगेडियर होशियार सिंह और बदरपुर बॉर्डर से राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) पर मेट्रो सेवाओं को सुबह 8 बजे के बजाए सुबह 6 बजे से शुरू किया जाएगा। वहीं, मजलिस पार्क से शिव विहार, बॉटनिकल गार्डन से जनकपुरी पश्चिम और ढांसा बस स्टैंड से द्वारका तक चलने वाली मेट्रो सेवाओं को सुबह 8 बजे के बजाए सुबह 7 बजे शुरू किया जायेगा। डीएमआरसी का मानना है कि रविवार को इन कॉरिडोर पर सेवा शुरू करने के समय में संशोधन होने से न केवल इन कॉरिडोर के यात्रियों को, बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को भी लाभ होगा। क्योंकि दिल्ली में रविवार को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन होता है। ऐसे में संशोधित समय से यात्रियों और परीक्षा प्रतियोगियों को दिल्ली एनसीआर में अपने गंतव्य-केंद्रों तक सहज और सुविधाजनक तरीके से पहुंचने में आसानी होगी।

पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली की 5वीं पुण्यतिथि पर भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व वित्त मंत्री स्व. अरुण जेटली की आज 24 अगस्तग को पुण्यतिथि है। इस अवसर पर उन्हें दिल्ली के भाजपा नेताओं ने याद कर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजति दी। पुण्यतिथि के अवसर पर नई दिल्ली के रोड जेटली पार्क में स्थित उनकी प्रतिमा पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज के साथ कई भाजपा नेताओं ने अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान स्व. अरुण जेटली की पत्नी उनके परिवार के लोग भी मौजूद रहे। इस दौरान दिल्ली के भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि, "आज स्वर्गीय अरुण जेटली की पूर्णयतिथि है। वह हम सभी कार्यकर्ताओ के लिए वह एक रोल मॉडल थे। उन्होंने हमेशा हमारा

उत्साहवर्धन किया। भले ही वह आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी कही हुई बातें हम लोगों को प्रेरणा देती हैं। और राष्ट्र के सतत उत्थान और समृद्धि के लिए उनके द्वारा जिस प्रकार निरंतर प्रयास किया गया वह सभी राष्ट्रसेवा की भावना रखने वालों के लिए अनंतकाल तक प्रेरणा रहेगा।"

भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, "आज बड़ी संख्या में भाजपा के नेताओं ने स्वर्गीय अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके जाने से दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ता उनकी कमी महसूस करते हैं। उनका स्वभाव ऐसा था कि वह हमेशी पार्टी कार्यकताओं की मुश्किलों के दिनों में खड़े रहते थे।"

अमित शाह और जेपी नड्डा ने भी दी श्रद्धांजलि बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा- महान नेता अरुण जेटली जी की पुण्यतिथि पर उन्हें मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। एक प्रतिष्ठित वकील और एक शानदार वक्ता, जेटली जी ने न केवल इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की, बल्कि कई ऐतिहासिक सुधारों में भी अपना योगदान दिया। उनकी स्थायी विरासत भविष्य की पीढ़ियों के नेताओं को प्रेरित करती रहेगी।"

सीयूईटी के बिना भी एमए में दाखिले के अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉ. बीआर अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली में एमए (हिंदी) के साथ ही विभिन्न विषयों में दाखिले के अवसर हैं। खास बात यह है कि जिन अभ्यर्थियों ने सीयूईटी की परीक्षा नहीं दी है, वह भी इसमें आवेदन कर सकते हैं। छात्र 25 अगस्त तक वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में हिंदी के प्राध्यापक महेंद्र प्रजापति का कहना है कि यहां पर विद्यार्थियों के लिए अनेक सुविधाएं हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा दी जाती है। साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी को उसके पिता की आय के अनुसार 50, 75 और 100 फीसदी फीस वापस होती है। प्रत्येक विद्यार्थी को खाने और स्टेशनरी का खर्च भी मिलता है। कक्षा में अच्छे नंबर लाने पर स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

दिल्ली शराब घोटाला: जिस हलफनामे के लिए समय मांगा वह सार्वजनिक कैसे हुई? आतिशी का सीबीआई पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की नेता व मंत्री आतिशी ने प्रेस कांफ्रेंस कर सीबीआई की भूमिका पर सवाल उठाएं हैं। उन्होंने कहा दिल्ली शराब घोटाले में सीबीआई के षड्यंत्र का प्रमाण पूरे देश के सामने आ गया है। आतिशी ने कहा शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की बेल की सुनवाई थी। उस सुनवाई में सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के सामने खड़े होकर बोला हमें इस मामले में हलफनामा फाइल करने के लिए समय चाहिए। आज सुनवाई मत करिए, हमें एक सप्ताह का समय दीजिए। आतिशी बोलीं सुप्रीम कोर्ट भी क्या करता, कोर्ट ने समय दे दिया और दो हफ्ते बाद की तारीख अरविंद केजरीवाल के केस की लगा दिया। लेकिन आज जिस एफिडेविट पर सीबीआई ने कहा हमें फाइल करने के लिए एक सप्ताह का समय चाहिए आज वह एफिडेविट देश के हर अखबार में छपा है।

अखबार में कैसे छपा एफिडेविट? आतिशी बोलीं इसका क्या मतलब? जो एफिडेविट सीबीआई कह रही थी, हमने तैयार नहीं किया, हमें समय चाहिए। वह आज अखबार में कैसे छप गया। इसका मतलब है एफिडेविट तैयार था। इसका मतलब है सुप्रीम कोर्ट को झूठ बोला गया। उन्होंने कहा पिछले दो सालों से आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ षडयंत्र किया जा रहा है। उन्हें डराया धमकाया जा रहा है। केजरीवाल के खिलाफ बयान देने के लिए, इतनी रेड के बाद एक रुपये का भ्रष्टाचार नहीं मिला है।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ साजिश- आतिशी

आतिशी ने कहा, लोकसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया, झूठे मुकदमे में और इस षड्यंत्र को देखने पर साफ-साफ भाजपा का षड्यंत्र नजर आता है कि किस तरह से भारतीय जनता पार्टी ईडी और सीबीआई का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करती हैं। बता दें कि गुरुवार को दिल्ली सरकर में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि बीजेपी की केंद्र सरकर के अधीन काम करने वाली सीबीआई दिल्ली के लोकप्रिया मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में रख सके इसलिए जवाब दायर करने में विलंब की और सुप्रीम कोर्ट से समय मांगा।

रेहड़ी लगाने के विवाद में मारपीट, छह लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैंट इलाके में मंगलवार को रेहड़ी लगाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इसमें दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान पर क्रॉस केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पहले पक्ष से अजय ने पुलिस को बताया कि वह परिवार के साथ दिल्ली कैंट में रहते हैं। उनका भाई राहुल दिल्ली कैंट के पास चिकन की रेहड़ी लगाता है। उनके पड़ोस में उनके चाचा का लड़का सुनील भी रेहड़ी लगाता है। पुलिस को दी शिकायत में अजय ने बताया कि 20 अगस्त को रेहड़ी लगाने को लेकर उनके भाई का चाचा के लड़के से झगड़ा हो गया। इसके बाद उनके भाई ने उन्हें कॉल कर-के घटना की जानकारी दी।

अजय ने मौके पर पहुंचकर चाचा के लड़के को समझाने की कोशिश की। अजय का आरोप है कि चाचा और उनके बेटे ने उनके साथ मरपीट की। झगड़े में उनका एक दांत टूट गया। घटना में उनके पिता जगदीश और भाई राहुल भी घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से सुनील ने पुलिस को बताया कि रेहड़ी लगाने और मकान के बंटवारे को लेकर उनका अपने ताऊ से विवाद चल रहा है।

एक नजर

नाबालिग के बलात्कार के दोषी को मिलेगी कठोर सजा : मनोज तिवारी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी आज विगत 13 अगस्त को करावल नगर थाना अंतर्गत एक पड़ोसी के द्वारा नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार की पीड़िता एवं उसके परिवार जनों से मिले और पूरी मदद का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि आनंद त्रिवेदी, मुकेश गोयल, जिला अध्यक्ष पूनम चौहान, महामंत्री राजकुमार झा, विधायक मोहन सिंह बिष्ट, निगम पार्षद मास्टर सतपाल सिंह, ठाकुर बृजेश सिंह, मंडल अध्यक्ष कुलदीप नैनवाल, कालीचरण शर्मा, भाजपा नेता जितेंद्र राणा, जितेंद्र बंसल, मनोज प्रधान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। परिजनों से मिलने के बाद सांसद मनोज तिवारी ने परिवार की तुरंत जरूरी आवश्यकता जानी और उन्हें पूरा करने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के निदेशक से बात कर पीड़िता के इलाज कराने का भरोसा दिलाया एवं उत्तर पूर्वी जिला की डीएम से बात कर तुरंत मिलने वाली अंतरिम सहायता के लिए निर्देश दिया मौके पर पहुंचे करावल नगर के थाना प्रभारी को परिवार की सुरक्षा का निर्देश भी सांसद मनोज तिवारी ने दिया उन्होंने कहा दोषी को कठोर सजा मिले इसके लिए जो भी जरूरी मदद होगी परिवार को दी जाएगी और परिवारजनों के साथ वह हमेशा मामले के निर्णय तक खड़े रहेंगे उसके बाद भी किसी प्रकार की दिक्कत परिवार को नहीं आने दी जाएगी।

अतिथि शिक्षकों ने वेतन बढ़ाने की मांग फिर से रखी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के अतिथि शिक्षकों ने वेतन बढ़ाने की मांग को फिर से दोहराया है। ऑल इंडिया गेस्ट टीचर्स एसोसिएशन के महासचिव शोएब राणा ने कहा कि अतिथि शिक्षकों के वेतन को बढ़े सात साल से ज्यादा का समय हो गया है। दिसंबर 2021 में वेतन बढ़ाने का आदेश जारी हुआ था। मगर, 30 महीने बाद वेतन बढ़ाने की फाइल को उच्च अधिकारियों ने लौटा दिया। अब फिर से वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों के पास प्रक्रियाधीन है। एसोसिएशन ने उच्च अधिकारियों से कहा है कि वह जल्द से जल्द अतिथि शिक्षकों के वेतन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव को पारित करके आदेश जारी करें।

ऑनलाइन जुए के अड्डे का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के स्पेशल स्टाफ की टीम ने प्रीत विहार थाना क्षेत्र के गुरु अंगद नगर चल रहे ऑनलाइन जुए के अड्डे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छापे मार कर मौके से ऑनलाइन जुआ खेल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुजरात के सूरत निवासी धर्मेश, पटेल पीयूष कुमार, चौधरी सुमित, बिहार के सिवान निवासी काशीनाथ कुमार, रजनीश कुमार और छत्तीसगढ़ निवासी अभय यादव के तौर पर हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक अभय यादव जुआ के अड्डे का संचालक था। मौके से 15 लाख मोबाइल, चार लैपटॉप, 25 एटीएम कार्ड, 11 चेक बुक व 10 पासबुक बरामद हुआ है।

हत्या के आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने डकैती के दौरान हत्या के एक आरोपी को जमानत पर फरार होने के चार साल बाद दबोचा है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी ने महरौली में वर्ष 2016 में वारदात को अंजाम दिया था। इसी मामले में इसे जेल भेजा गया था। कोविड के दौरान आरोपी को जमानत मिली थी। इसके बाद से वह फरार था। पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी की पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी विनोद साहनी के रूप में हुई है। वह पहले हौज खास थाने में भी शस्त्र अधिनियम के एक मामले में शामिल था। इसने वर्ष 2016 में 15 जून की रात अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर छतरपुर के डीएलएफ में एक घर में धावा बोला और हथियार के बल पर कीमती सामान लूट लिए।

साथ ही एक शख्स की हत्या भी कर दी थी। कोरोना महामारी के दौरान आरोपी विनोद सहनी को जून, 2020 में अंतरिम जमानत दी गई थी। जमानत अवधि समाप्त होने के बाद भी इसने आत्मसमर्पण नहीं किया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कार्यवाही की गई और उसे अदालत ने भगोड़ा घोषित कर दिया। पुलिस तभी से आरोपी की तलाश में जुटी थी। इस बीच क्राइम ब्रांच को पता चला कि डकैती और हत्या के मामले में आरोपी विनोद मुजफ्फरपुर के बाहरी इलाके में रह रहा है। यह भी पता चला कि वह बार-बार अपना मोबाइल नंबर और ठिकाने बदल रहा है। इसके बाद पुलिस ने इसे वहां से धर दबोचा।

जेल में रहकर केजरीवाल ने बुजुर्गों को पेंशन दिलाई: दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने बुजुर्गों की रुकी हुई पेंशन दिलाने के लिए केजरीवाल सरकार को धन्यवाद दिया है। आप विधायक दुर्गेश पाठक ने शनिवार को कहा कि जेल में रहते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुजुर्गों की पेंशन देने के लिए केंद्र सरकार को मजबूर कर दिया। इसी का नतीजा है कि पांच महीने बाद एक लाख से अधिक बुजुर्गों को पेंशन मिली है। दुर्गेश पाठक ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कराने के पीछे भाजपा का एकमात्र मकसद दिल्ली का काम रोककर लोगों को परेशान करना है। केजरीवाल को जेल भेजने के बाद भाजपा ने सबसे पहले बुजुर्गों की पेंशन रोक दी थी।

एलजी की निगरानी में ह्यनमो ड्रोन दीदी योजना शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की निगरानी में प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना ह्यनमो ड्रोन दीदी शुरू की गई है। उपराज्यपाल ने कहा कि ड्रोन दीदी योजना रोजगार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का सबसे अच्छा साधन है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मिशन का एक हिस्सा है। इसका उद्देश्य देशभर में ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन प्रौद्योगिकी के साथ सशक्त बनाना है। राजनिवास से जारी जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद उन्हें ड्रोन पायलट लाइसेंस दिया जाएगा। उन्हें किराए पर ड्रोन भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनका उपयोग वे विभिन्न गतिविधियों के लिए कर सकेंगी। राजधानी के उत्तरी जिले के सिंघोला और दक्षिणी पश्चिमी जिले के बडू सराय में आयोजित कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। दिल्ली में लगभग 200 महिलाओं को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक ड्रोन दीदी के प्रशिक्षण पर लगभग 25,000 रुपये खर्च किए जाएंगे। सर्वेक्षण, इवेंट शूट, फोटोग्राफी, बीजारोपण, कीटनाशक छिड़काव आदि के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकेगा।

बाइक सवार बदमाशों ने दुकान में चलाई गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम दिल्ली के तिलक नगर इलाके में शुक्रवार रात बाइक सवार बदमाशों ने सिंगला स्वीट्स की दुकान पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। बदमाश दुकान के शीशे पर गोलियां चला कर फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। घटना के बाद पुलिस ने छानबीन कर मामला दर्ज किया। पुलिस को मौके से चार खोखे मिले हैं। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की पहचान कर रही है। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार शुक्रवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि तिलक नगर स्थित मार्केट में बदमाशों ने गोली चलाई है। घटना में किसी को गोली नहीं लगी है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने में जुटी हुई है।

सलाम नमस्ते में हुनर टॉकीज का आयोजन

ऋषि तिवारी

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत हुनर टॉकीज का आयोजन हुआ। शनिवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बतौर अतिथि यामी शिक्षा समिति की को-फाउंडर मेधा वर्मा एवं हेल्दी फाई की निदेशिका सिनु संजीव ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। वहीं कार्यक्रम के दौरान रीयूज प्रोडक्ट भी पेश किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि हुनर टॉकीज हुनरमंद लोगों को पहचान दिलाने का उचित मंच है। ऐसे लोग जिनमें कुछ करने का जज्बा तो है, लेकिन किसी कारण वश उन्हें अपनी पहचान नहीं मिल पायी वे सभी रेडियो कार्यक्रम के साथ जुड़कर अपनी कहानी रेडियो की जुबानी लोगों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा इस कार्यक्रम से अब तक 100 से अधिक स्थानीय हुनरमंद लोगों को रेडियो के माध्यम से संयुक्त मंच प्रदान किया गया। जहां प्रतिभागियों ने रेडियों के जरिए अपने इनोवेटिव अंत्रप्रेनोर आइडिया को साझा किया। वहीं आज के कार्यक्रम के दौरान मेधा वर्मा ने कहा कि अधिकतर महिलाएं अपने हुनर को रूचि समझ कर नजरअंदाज कर देती हैं। उन्होंने कहा कि खासकर महिलाओं को अपने हुनर को पहचान बनाने के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। वहीं कार्यक्रम के दौरान यामी शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष गुरप्रीत कौर ने कहा कि हमारी संस्था संसाधनहीन महिलाओं के लिए कौशल विकास का कार्य करती है। हम पुराने कपड़े से सजावटी सामान, बैग एवं पोटली बनाने का कार्य करते है। हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक लोगों अपने साथ जोड़कर वेस्ट मैनेजमेंट के लिए जागरूक करें। वहीं सिनु संजीव ने कहा कि हेल्दी फाई संस्थान आम लोगों में तनावमुक्त जीवन के लिए काम करती है।

गाजियाबाद में नामी स्कूल की शिक्षिका को प्रेम जाल में फंसा कर धर्मांतरण के लिए किया मजबूर, आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के थाना कविनगर क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक स्कूल टीचर को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। बताया जा रहा है कि उसी स्कूल में काम करने वाले एचआर ने टीचर का माइंड वॉश कर उसे इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव के अनुसार, दिनांक 23 अगस्त 2024 को थाना कविनगर पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त गोविंदपुरम, थाना मसूरी, गाजियाबाद का निवासी है। आरोपी पर धर्म परिवर्तन कराने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।

पीड़िता के पति ने थाना कविनगर में एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने उनकी पत्नी के दिमाग का वशीकरण कर उसे इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस शिकायत के आधार पर थाना कविनगर में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के तहत मामला दर्ज किया गया, और पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गोविंदपुरम से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने शिक्षिका को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उसे इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया। इसके लिए उसने पीड़िता को एक मोबाइल भी दिया, जिससे वह नियमित रूप से उससे संपर्क करता था और धर्म परिवर्तन के संदेश भेजता था।

डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से किया निरीक्षण

ऋषि तिवारी

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निदेर्शानुसार डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा एसीपी 3 सेंट्रल नोएडा के साथ थाना सूरजपुर क्षेत्रांतर्गत यूपी पुलिस परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों का सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से भी निरीक्षण किया जा रहा है।

उनके द्वारा परीक्षा केन्द्र पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों को सतर्क होकर ड्यूटी करने व सभी अभ्यर्थियों से भर्ती परीक्षा बोर्ड द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन कराने हेतु निर्देशित किया गया। उनके द्वारा पुलिस फोर्स को बीफ्र करते हुए परीक्षा केन्द्र के आस-पास यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखने, अनावश्यक रूप से भीड़ को परीक्षा केन्द्र के आस-पास एकत्र न होने देने व परीक्षा को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

कंपनियों को निशाना बनाने वाले गैंग का पदार्फाश

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। पुलिस ने ग्रेटर नोएडा में कासना औद्योगिक क्षेत्र स्थित कंपनी में चोरी करने वाले गैंग का पदार्फाश किया है और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दे कि इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात सामने आई है। दरअसल, कंपनी का सिक्योरिटी गार्ड ही चोरी करवा रहा था। चार आरोपियों में वो भी शामिल है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी का माल और वारदात में प्रयुक्त कार व बाइक बरामद की गई है। बता दे कि पुलिस के मुताबिक प्रबंधन ने कंपनी के इलेक्ट्रॉनिक पैनल से माल चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। जांच में पता चला कि कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड अमित ने साथियों के साथ मिलकर चोरी की थी। जिसमें शुक्रवार शाम आरोपी सिक्योरिटी गार्ड अमित और उसके तीन साथियों हरेंद्र और दो सगे भाइयों प्रशांत व जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।

सुरक्षा गार्ड अमित, जितेंद्र और प्रशांत मैनपुरी के रहने वाले हैं, जबकि हरेंद्र दनकौर क्षेत्र के बागपुर गांव का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का माल बरामद कर लिया है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त वैगनआर कार और बाइक भी बरामद कर ली है। इस संबंध थाना कासना पुलिस का कहना है कि सिक्योरिटी अमित ही अपने साथियों के साथ मिलकर कंपनी का माल चोरी कर रहा था। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का माल भी बरामद कर लिया गया है।

इस्कॉन द्वारका में इस वर्ष भी जन्माष्टमी महोत्सव का होगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका इलाके स्थित इस्कॉन मंदिर में 26 अगस्त को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। इस बीच कई कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। इस्कॉन मंदिर प्रशासन के अनुसार जन्माष्टमी का यह कार्यक्रम 26 अगस्त को सुबह 4:30 बजे से श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश के दर्शन के साथ आरंभ होगा। इसके बाद सुबह आठ बजे वैष्णव स्वामी महाराज द्वारा कृष्ण कथा होगी। पूरे दिन मंदिर में कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस बीच कीर्तन के लिए प्रसिद्ध विश्व प्रसिद्ध कीर्तन कलाकार सचिनंदन गौर प्रभु अपनी टीम के साथ विशेष कीर्तन प्रस्तुत करेंगे।

वहीं जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर यानी 25 अगस्त की शाम को 500 से अधिक स्कूली बच्चे कृष्ण के जीवन और लीलाओं को दशार्ने वाले नाटक प्रस्तुत करेंगे।

इस्कॉन द्वारका के उपाध्यक्ष श्रीगौर प्रभु ने कहा, जन्माष्टमी के उत्सव को धूमधाम से मनाने के साथ-साथ लोगों के लिए यह जानना भी बेहद जरूरी है कि आखिर भगवान कृष्ण के क्या उपदेश हैं, उनकी शिक्षाएं क्या हैं। भगवद्गीता में स्वयं भगवान कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से हमें ये शिक्षाएं प्रदान की हैं, जो लाइफ मैनुअल के रूप में हम सबको अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक खुशहाल और संतोषजनक जीवन के लिए कृष्ण की शिक्षाओं को पढ़ना और समझना महत्वपूर्ण है।

काव्या की प्रस्तुति ने दर्शकों को कर दिया मंत्र मुग्ध

ग्रेटर नोएडा। छोटे-छोटे बच्चे जब बड़ा अभिनय कर जाते हैं तो हर कोई दांतों तले उंगली दबा जाता है। जन्माष्टमी पर बच्चे स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर भाग लेते हैं। ऐसे ही जन्माष्टमी पर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के फ्लोरेंस इंटरनेशनल स्कूल में नन्हीं बच्ची काव्या कसाना ने राधा-कृष्ण पर आधारित एक कार्यक्रम में राधा का रोल किया। छोटी सी उम्र में काव्या राधा के रोल समा गई और उनकी भाव भंगिमा और अभिनय को देखकर दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। नन्हीं काव्या के इस अभिनय की हर कोई तारीफ करता दिखा।

साफ-सफाई को दुरुस्त करने को लेकर सड़कों पर उतरे आरडब्ल्यूए मधु विहार के प्रधान

कुढ़े के डेढ़ को हटाने और उचित दिशा निर्देश देने के लिए नजबगढ़ नगर निगम को दिया ज्ञापन

नई दिल्ली। पालम विधानसभा स्थित एवं द्वारका सेक्टर तीन स्थित पॉकेट 16, आदर्श अपार्टमेंट से सटी पालम ड्रेन के बीच से निकलने वाली सड़क के किनारे कूड़े का ढेर इकठ्ठा करने का विरोध करते हुए आरडब्ल्यूए मधु विहार के प्रधान रणबीर सिंह सोलंकी ने उपायुक्त, दिल्ली नगर निगम, नजफगढ़ जोन को ज्ञापन दिया। इस ज्ञापन में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई है। ज्ञात हो कि स्थानीय लोगों एवम आरडब्ल्यूए मधु विहार के अथक प्रयास से पालम विधानसभा के सौंदर्यीकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए दिल्ली बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा लाइट के पोल लगाए गए है तथा उपरोक्त स्थान पर सुरक्षा के मद्देनजर दिल्ली पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए है लेकिन अभी तक कूड़ा फेकने का सिलसिला जारी है। इस संदर्भ में आरडब्ल्यूए मधु विहार के प्रधान तथा फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन रणबीर सिंह सोलंकी ने उपायुक्त, दिल्ली नगर निगम नजफगढ़ जोन को लिखित ज्ञापन दिया है कि सड़क के दोनो किनारे बोर्ड लगाया जाए जिसमे उपायुक्त के आदेश से कूड़ा डालते समय, सीसीटीवी के माध्यम से पकड़े जाने पर जुमार्ना या दंड या दोनो का प्रावधान लिखा हो तथा पकड़े जाने पर उचित करवाई की जाए और निगम कर्मी साफ सफाई का ध्यान रखते हुए यहां कूड़ा नहीं फेंके साथ ही प्रधान सोलंकी ने स्थानीय निवासियों से अनुरोध किया है कि यहां पर कूड़ा/मलबा/गंदगी न फैलाएं।

मदरसे में 7 साल के बच्चे की संदिग्ध हालत में मौत, गुस्साए लोगों ने किया हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयाल पुर इलाके में एक 7 साल के बच्चे की मदरसे में संदिग्ध मौत हो गई। मामला बाबू नगर का है। यहां बच्चे की मौत के बाद लोगों ने मदरसा के घर के बाहर हंगामा भी किया। पुलिस ने फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। आरोप है कि मदरसा के ही कुछ बच्चों ने मृतक बच्चे के साथ मारपीट की थी। जिसकी वजह से बच्चे की जान चली गई। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने मदरसा के बाहर हंगामा किया हंगामा की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक हाजी यूनुस मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझा कर हंगामा को शांत कराया। स्थानीय लोगों के मुताबिक बाबू नगर के गली नंबर 5 में तालीम उल कुरान नाम से एक मदरसे का संचालन तकरीबन 15 साल से चल रहा है। मदरसे में क्षेत्र के 200 से ज्यादा बच्चे पढ़ाई करने के लिए आते हैं। शुक्रवार शाम को 7 साल का एक बच्चा मदरसा में बेहोशी की हालत में मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही क्षेत्र के लोग मदरसे के बाहर पहुंच गए और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेजा गया। जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक हाजी यूनुस पहुंचे और उन्होंने लोगों को समझा बुझा कर हंगामा को शांत कराया। हाजी यूनुस ने बताया कि बच्चे की मौत हो गई है पुलिस इस पूरे मामले में जांच कर रही है अगर कोई दोषी होगा तो उस के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सोसाइटियों में धूमधाम से मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। ट्रांस हिंडन की सोसाइटियों में जन्माष्टमी की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। सोसाइटियों में कई तरह के आयोजन होंगे। इसके लिए राधा कृष्ण की रासलीला, गोपियों संग पुष्प की होली, सुदामा कृष्ण मित्रता प्रसंग, दही हांडी और ग्वालों की टोली संग कन्हैया की पालकी तक की तैयारियों में मंदिर समितियों के सदस्य जुट गए हैं। वहीं, कई जगह शोभायात्राएं भी निकाली जाएंगी। यहीं नहीं सोसाइटी में बच्चे मटकी फोड़ कार्यक्रम और महिलाएं सांस्कृतिक कार्यक्रम करेंगी। जन्माष्टमी से पहले सोसाइटियों की महिलाएं हर रोज डांडिया समेत अन्य कार्यक्रम की रिहर्सल भी कर रही हैं। मंदिरों में सामूहिक पूजा के लिए जन्माष्टमी से एक दिन पहले ही मंदिरों को सजा दिया जाएगा। वसुंधरा के लोगों ने भी कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के लिए डांडिया की रिहर्सल शुरू कर दी है। कृष्ण जन्मोत्सव समिति की सचिव ऋचा त्यागी ने बताया शाम चार बजे से छह बजे तक सभी महिलाएं रिहर्सल करती हैं। टीम में सांस्कृतिक सचिव इंदु , सविता , सरिता, नीता, ऋतु, मेनका, वंदना, उमा, श्वेता पूजा, अनीता, संगीता, हेमा, लक्षिकां आदि हैं। वहीं शिप्रा सनसिटी के फेस दो आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष सीपी बालियान ने बताया कि सोसाइटी में मटकी फोड़ कार्यक्रम के तहत 25 स्थानों पर मटकी लगाई जाएगी। ढोल बाजे, डीजे के साथ कृष्ण राधा बाल रूप में बच्चों का समूह के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शिप्रा सनसिटी, शिप्रा कृष्णा विष्टा, आम्रपाली रॉयल, लोटस पौंड्स, एआरसी, कृष्णा अपरा गार्डन, ओलिव काउंटी, वृदावन गार्डन आदि सोसाइटी में जन्माष्टमी पर सामूहिक आयोजन किए जाएंगे।

नेहरू युवा केंद्र की टीम ने 34 रन से जीत दर्ज की

जीएमएस ग्राउंड पर गाजियाबाद अंडर 17 कप खेला जा रहा

गाजियाबाद, एजेंसी। नेहरू युवा केंद्र की टीम ने जीएमएस ग्राउंड पर खेले गए मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीएमएससीए को 34 रन से हरा दिया। 50 रन की नाबाद पारी खेलने वाले शुभ को मैन ऑफ द मैच चुना गया। जीएमएस ग्राउंड पर गाजियाबाद अंडर 17 कप खेला जा रहा है। इसमें जवाहरलाल नेहरू युवा केंद्र की टीम और जीएमएससीए के बीच मुकाबला हुआ। मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए नेहरू युवा केंद्र ने छह विकेट पर 227 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शुभ ने 50 रन की पारी खेली। जीएमएससीए की ओर से आकाश वशिष्ठ ने दो विकेट झटके। 228 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीएमएससीए की टीम 193 रन ही बना सकी। वरुण कुमार ने सबसे ज्यादा 47 रनों का योगदान दिया।

आर्यदेव ने दो विकेट लिए। मैच में शानदार बल्लेबाजी करने के लिए शुभ को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत 13 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट के आरोपित बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत 13 सितंबर तक बढ़ा दी है। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास गौरव गोयल ने ये आदेश दिया।कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वो बिभव कुमार के खिलाफ दाखिल चार्जशीट के पेजों की नंबरिंग कर दे। दरअसल, बिभव की ओर से कहा गया था कि चार्जशीट पन्नों पर पेज नंबर नहीं दिया गया है। ऐसे में उन्हें सभी दस्तावेज पूरे हैं या नहीं, ये पता नहीं चल पा रहा है। उसके बाद कोर्ट ने पेजों पर नंबरिंग करने का आदेश दिया। आज बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। बिभव ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर कर रखी है, जो अभी लंबित है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 12 जुलाई को बिभव की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उसके पहले तीस हजारी कोर्ट ने कहा था कि इस मामले की जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और पीड़िता के दिलो-दिमाग में अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा है। स्वाति मालीवाल आम आदमी पार्टी की सांसद हैं और वो अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने गई थीं। कोर्ट ने कहा था कि इस बात की भी आशंका है कि अगर बिभव को जमानत दी जाती है तो वो गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

एक नजर

नोएडा में मेट्रो स्टेशन के पास नवजात बच्चा मिला

नोएडा, एजेंसी। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र स्थित सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास बने पिंक शौचालय के नजदीक पुलिस को एक नवजात बच्चा मिला है जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार की शाम थाना पुलिस को सूचना मिली कि सिटी सेंटर के पास स्थित पिंक शौचालय के नजदीक एक नवजात बच्चा लावारिस हालत पड़ा है जो रो रहा है। उन्होंने कहा कि सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को नोएडा के सेक्टर 30 स्थित ह्यचाइल्ड पीजीआईह्व अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही

दिल्ली में महिला और उसकी बेटी घर में मृत पाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नरेला में एक महिला और उसकी बेटी अपने घर में मृत मिली हैं और उनके शरीर पर चाकू से वार के निशान हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला का पति उससे अलग रहता था और शव बरामद होने से पहले घर पर आया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला के पति पर संदेह है, मामले की जांच की जा रही है।

70 से अधिक निजी बस जब्त

नोएडा, 24 अगस्त (वेब वार्ता)। परिवहन विभाग के प्रवर्तन टीम ने शनिवार को गौतमबुद्ध नगर के जीरो प्वांइट से लेकर जेवर टोल तक जांच अभियान चलाया। इसमें नियम और मानकों का उल्लंघन कर दौड़ रहीं निजी बसों के खिलाफ चालान और जब्त करने की कार्रवाई की गई। इस अभियान में अब तक 70 से अधिक बस के खिलाफ जब्त और चालान की कारवाई की जा चुकी है। यह अभियान 31 अगस्त तक चलेगा। आरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि अभियान के सकारात्मक परिणाम आए हैं। एक्सप्रेसवे पर चढ़ने वाली अनाधिकृत और बॉडी कोड का उल्लंघन कर रही बसों का संचालन कम हो गया है। बॉडी कोड का उल्लंघन कर रही दो बस के मालिकों और चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। इस अभियान में आरटीओ प्रवर्तन गाजियाबाद केडी सिंह भी मौजूद रहे।

शेयरों में निवेश पर भारी रिटर्न का लालच देकर ठगी करने वाले गैंग का पदार्फाश

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी के शेयरों/आईपीओ में निवेश के बदले भारी रिटर्न का लालच देकर ठगी करने वाले कंबोडिया से संचालित गैंग का दिल्ली पुलिस ने भंडाफोड़ करते किया है। उत्तर पूर्वी जिला की साइबर पुलिस ने इस गैंग में शामिल तीन ठगों को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंशु झाझरिया, प्रमोद कुमारऔर अंकित कुमार के तौर पर हुई है। तीनों राजस्थान के झुंझुनू के रहने वाले हैं।

डीसीपी ने बताया कि देवेंद्र कुमार नाम के युवक ने जून 2024 को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि कंपनी के शेयरों/आईपीओ में निवेश के बदले भारी रिटर्न का लालच देकर उसके साथ 12 लाख 50 हजार की ठगी की गई। इंस्टाग्राम पर बने एक दोस्त ने उसे चूना लगाया है। शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जिन अकाउंट में पैसा ट्रांसफर किया गया था। उनका डिटेल निकाला गया। जिसके आधार पर चीटिंग में शामिल तीन आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से चीटिंग में इस्तेमाल तीन मोबाइल और पासपोर्ट बरामद हुआ है। आरोपियों ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया और सिंडिकेट द्वारा धोखाधड़ी में अपनी संलिप्तता के बारे में खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वे अपनी कंपनी के शेयरों/आईपीओ में निवेश के बदले भारी रिटर्न का लालच देकर लोगों को ठगते थे। एक बार जब ठगी की गई राशि बैंक खातों में प्राप्त हो जाती थी, तो आरोपी प्रमोद कुमार बैंक से पूरी राशि नकद में निकाल लेता था।

तरणताल में मच्छर के लार्वा मिलने पर जुमार्ना

नोएडा, 24 अगस्त (वेब वार्ता)। मलेरिया विभाग ने सूरजपुर साइट सी स्थित शिवालिक होम्स सोसाइटी के तरणताल और बेसमेंट में मच्छर के लार्वा मिलने पर ढाई हजार का जुमार्ना लगाया। विभाग ने शनिवार को कई स्थानों का औचक निरीक्षण कर मच्छरों और लार्वा की स्थिति का जायजा लिया। शिवालिक होम्स का तरणताल कई महीनों से बंद बताया गया। लिहाजा वहां लार्वा के साथ ही काफी संख्या में मच्छर मिले। सोसाइटी के बेसमेंट की नालियों में भी पानी भरा हुआ था। मलेरिया विभाग की टीम ने यहां के आसपास के घरों का भी निरीक्षण किया। मलेरिया विभाग ने इस बार जिले में 13 संवेदनशील स्थान चिह्नित किए हैं। यहां भी टीम निरीक्षण के लिए जाएगी। विभाग ने शनिवार को डेंगू के एक मरीज की पुष्टि की। उसका इलाज चल रहा है। जिले में डेंगू के कुल मरीजों संख्या 12 हो गई है। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि सोसाइटी में स्वीमिंग पूल का पानी नियमित रूप से बदलना चाहिए। साथ ही, लोगों को बेसमेंट समेत घरों के सभी ऐसे स्थानों पर ध्यान देना चाहिए, जहां थोड़ा पानी भी ठहर सकता है। ऐसे स्थानों पर ही डेंगू के लार्वा पनपते हैं। जिले के सभी संवेदनशील स्थानों के साथ ही अन्य जगहों पर भी औचक निरीक्षण जारी रहेगा।

दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन पर तार चुराने की कोशिश के कारण सेवाएं प्रभावित : डीएमआरसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन पर शनिवार सुबह केबल चुराने की कोशिश के कारण दिलशाद गार्डन और शाहदरा के बीच सेवाओं में विलंब हुआ। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने यह जानकारी दी। दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन राष्ट्रीय राजधानी के रिठाला को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में न्यू बस अड्डा से जोड़ती है। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा,ह्यह्यदिलशाद गार्डन और शाहदरा के बीच सेवाएं प्रभावित हुईं। अन्य सभी लाइन पर सेवाएं सामान्य हैं।

डीएमआरसी के प्रमुख कार्यकारी निदेशक (कॉरपोरेट कम्युनिकेशन) अनुज दयाल ने कहा, इस खंड पर तड़के केबल चोरी के प्रयास के कारण सिग्नलिंग केबलों को नुकसान पहुंचने के कारण सेवा शुरू होने से लेकर अब तक दोनों स्टेशनों के बीच सेवाएं 25 किलोमीटर प्रति घंटे की प्रतिबंधित गति से चल रही हैं।

मोबाइल लूटकर खाते से 80 हजार निकाले

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-126 थानाक्षेत्र स्थित एचसीएल कंपनी के गेट नंबर एक के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति का मोबाइल लूट लिया। बदमाशों ने लूट के मोबाइल से यूपीआई से 80 हजार रुपये का भुगतान भी कर दिया। सेक्टर-126 थाने पुलिस से की शिकायत में जेपी अमन सोसाइटी निवासी आशीष साहू ने बताया कि 15 अगस्त को कंपनी से बाहर निकलते वक्त गेट पर बदमाशों ने उनका मोबाइल लूट लिया। वारदात के कुछ ही समय बाद मोबाइल से ही बदमाशों ने यूपीआई के जरिए खाते से 80 हजार रुपये भी निकाल लिए। घटना वाले दिन ही शिकायतकर्ता रक्षाबंधन के मौके पर अपने गृह जनपद जालौन चला गया। वहां से लौटने के बाद उसने मामले की शिकायत पुलिस से की। बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

संक्षिप्त खबरें

मायावती पर भाजपा विधायक के बयान पर बवाल; अखिलेश ने की केस दर्ज करने की मांग तो बसपा सुप्रीमो ने जताया आभार

लखनऊ भाजपा विधायक के बसपा सुप्रीमो मायावती पर की गई टिप्पणी को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा विधायक पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उत्तर प्रदेश के एक भाजपा विधायक द्वारा उप्र की एक भूतपूर्व महिला मुख्यमंत्री के प्रति कहे गये अभद्र शब्द दर्शाते हैं कि भाजपाइयों के मन में महिलाओं और खासतौर से वंचित-शोषित समाज से आनेवालों के प्रति कितनी कटुता भरी है। राजनीति में मतभेद अपनी जगह होते हैं लेकिन एक महिला के रूप में उनका मान-सम्मान खंडित करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। भाजपाई कह रहे हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर हमने गलती की थी, ये भी लोकतांत्रिक देश में जनमत का अपमान है और बिना किसी आधार के ये आरोप लगाना कि वो सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री थीं, बेहद आपत्तिजनक है। भाजपा के विधायक के ऊपर, सार्वजनिक रुप से दिये गये इस वक्तव्य के लिए मानहानि का मुकदमा होना चाहिए। भाजपा ऐसे विधायकों को प्रश्रय देकर महिलाओं के मान-सम्मान को गहरी ठेस पहुंचा रही है। अगर ऐसे लोगों के खिलाफ भाजपा तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करती है तो मान लेना चाहिए, ये किसी एक विधायक का व्यक्तिगत विचार नहीं है बल्कि पूरी भाजपा का है।

बता दें कि एक टीवी डिबेट के दौरान भाजपा विधायक राजेश चौधरी ने कहा था कि मायावती पहली बार भाजपा के समर्थन से ही मुख्यमंत्री बनी थीं। हमने उन्हें बनाया था। ये हमारी गलती थी। आगे उन्होंने कहा कि वो प्रदेश की अब तक की सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री रही हैं। इस पर अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई है। इस पर मायावती ने एक्स पर टिप्पणी कर अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया ने मथुरा के एक भाजपा विधायक को उनके गलत आरोपों का जवाब देकर बसपा प्रमुख के ईमानदार होने के बारे में सच्चाई को माना है, उसके लिए पार्टी आभारी है। पार्टी को भाजपा के इस विधायक के बारे में ऐसा लगता है कि उसकी अब भाजपा में कोई पूछ नहीं रही है। इसलिए वह बसपा प्रमुख के बारे में अनाप-शनाप बयानबाजी करके सुर्खियों में आना चाहता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे। यदि वह दिमागी तौर पर बीमार है तो उसका इलाज भी जरूर कराए। वरना इसके पीछे बीजेपी का कोई षडयंत्र है, यह कहना भी गलत नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा अपने विधायक के विरुद्ध कोई भी सख्त कार्रवाई नहीं करती है तो फिर इसका जवाब पार्टी के लोग अगले विधानसभा चुनाव में उसकी जमानत जब्त करा कर तथा वर्तमान में होने वाले 10 उपचुनावों में भी इस पार्टी को जरूर देंगे।

फिलहाल अखिलेश यादव के मायावती के समर्थन में उतरने और बसपा प्रमुख का उनके प्रति आभार जताने को उपचुनाव और भविष्य की राजनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

लाइनमैन ने भेजे अश्लील मैसेज, महिला ने किया विरोध तो घर का बिजली कनेक्शन काटा

बरेली बरेली में विद्युत निगम के लाइनमैन ने महिला को अश्लील मैसेज भेजे। महिला ने विरोध किया तो लाइनमैन ने उसके मकान का बिजली कनेक्शन काट दिया। पीड़िता ने एसएसपी समेत उच्च अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी लाइनमैन के खिलाफ इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इज्जतनगर क्षेत्र की रहने वाली महिला ने एसएसपी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसका पति से खर्चे को लेकर मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। पति उसके साथ नहीं रहता है। वह कहां रहता है, इसका पता नहीं है। बताया कि उसकी गली में लाइनमैन आता है, जिसने उससे बिजली मीटर का बिल अधिक होने की बात कही।

बहाने से लिया था फोन नंबर

महिला ने उससे बिल की मांग की, लेकिन उसने बिल नहीं दिया। महिला ने लाइनमैन से पूछा कि कोई ऐसा रास्ता है कि मकान का मीटर मेरे नाम हो जाए, जिससे हर माह बिल जमा कर सकूं। तब लाइनमैन ने बिजली कनेक्शन न कटने का आश्वासन देते हुए कहा कि उसके अधिकारियों से अच्छे संपर्क हैं। परेशान मत हो, कोई रास्ता निकालता हूं। लाइनमैन ने बहाने से उसका फोन नंबर ले लिया। इसके बाद वह उसे अश्लील मैसेज भेजने लगा।

महिला ने इसका विरोध किया तो फोन पर गालीगलौज करने लगा और धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि आरोपी लाइनमैन ने उसके ससुरालवालों से सांठगाठ कर उसके घर की बिजली काट दी है। परेशान होकर पीड़िता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हाईटेंशन लाइन से छूते ही चाइनीज मांझा में उतरा करंट, पतंग उड़ा रहा बच्चा झुलसा

बरेली बरेली में छत पर पतंग उड़ा रहा बच्चा करंट लगने से झुलस गया। वह हाथ से चाइनीज मांझा खींच रहा था। मांझा हाईटेंशन लाइन से छू गया, जिससे उसमें करंट उतर आया। करंट लगने से झुलसे बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर के संजय नगर निवासी जीतू ने बताया कि शनिवार सुबह उनका 11 वर्षीय बेटा सचिन छत पर पतंग उड़ा रहा था। पतंग में बंधा चाइनीज मांझा हाईटेंशन लाइन से छू गया। इससे मांझे में करंट उतर आया। हाई वोल्टेज करंट लगने से बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया। वह काफी देर तक अचेत अवस्था में छत पर पड़ा रहा। पड़ोस की छत पर पतंग उड़ा रहे दूसरे बच्चे ने घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी। सचिन को लेकर परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने गंभीर हालत में उसे अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती किया है। उसकी हालत नाजुक है।

इश्क की आड़ में ये कैसा खेल: टीचर को प्यार में फंसाया, पढ़वाई आयत-नमाज; साड़ी छोड़ वो पहनने लगी सिर्फ दो सूट

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कविनगर क्षेत्र में एक और धर्मातरण कराने का मामला सामने आया है। सहकर्मी ने शिक्षिका से नजदीकियां बढ़ाकर प्रेमजाल में फंसाया। इसके बाद आयत और नमाज पढ़ने के लिए प्रेरित कर धर्मांतरण करा दिया। शिक्षिका ने हिंदू रीति रिवाजों से दूरियां बना ली। परिवार के लोगों ने उनके व्यवहार में बदलाव देखा तो पुलिस से शिकायत की। पुलिस की जांच में धमातरण का मामला निकला तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी फैसल को गिरफ्तार किया है। डीसीपी नगर राजेश कुमार ने बताया कि पकड़ा गया आरोप फैसल खान मसूरी क्षेत्र के इंद्रगढ़ी का रहने वाला है। हाल में वह नोएडा के एक संस्थान में एचआर के पद पर कार्यरत है। पूछताछ में उसने बताया कि उसने जून 2023 में कविनगर क्षेत्र के स्कूल में नौकरी शुरू की। वहां उसकी मुलाकात एक शिक्षिका से हुई। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और नजदीकियां बढ़ गईं। इसी दौरान उसने उसे इस्लाम धर्म संबंधी जानकारी दी और धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया। इसके लिए उसने उसे एक मोबाइल व सिम भी दिया। जिस पर चोरी छिपे दोनों बातें करने लगे। डीसीपी ने बताया कि फैसल व शिक्षिका के मोबाइल से कई सबूत मिले हैं, जिसमें फैसल ने शिक्षिका को नमाज व आयत पढ़ने के लिए प्रेरित करने संबंधी मैसेज भेजे हैं।

जम्मू कश्मीर चुनावः सीएम योगी ने कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन पर उठाए सवाल, राहुल गांधी पर जमकर बरसे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस व नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन पर खूब बरसे। उन्होंने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए दोनों पार्टियों के गठबंधन पर सवाल उठाए। सीएम योगी ने कहा कि नफरत की फसल काटने वाली कांग्रेस व नेकां की सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो गई है। आतंकवाद और अलगाववाद का मुद्दा वहां चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है। सीएम योगी ने कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा करते हुए कई सवाल भी पूछे।

राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति आशंकित करता है नेकां का घोषणापत्र...सीएम योगी ने कहा कि हाल ही में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपना घोषणापत्र जारी किया है। इसमें अनेक ऐसे बिंदु हैं, जो भारत की एकता-अखंडता व राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति आशंकित करती है। कांग्रेस व नेकां का गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर अनेक बड़े सवाल खड़ा करता है और भारतीय संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा व निष्ठा रखने वाले हर व्यक्ति को चिंतित भी करता है।

सीएम योगी के निशाने पर राहुल गांधी, पूछे कई सवाल...कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सीएम योगी के निशाने पर

रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता से पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी पार्टी 'नेशनल कांफ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है? क्या राहुल गांधी व कांग्रेस अनुच्छेद 370 और आर्टिकल- 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के नेशनल कॉन्फ्रेंस की घोषणा का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके अलगाववादी ताकतों का फिर से समर्थन करती है? क्या कांग्रेस और राहुल गांधी पाकिस्तान के साथ एलओसी ट्रेड शुरू करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निर्णय और फिर से बॉर्डर पार से आतंकवाद व उसके इकोसिस्टम को पोषण करने का समर्थन करती है?

चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है आतंकवाद और अलगाव का मुद्दा...सीएम योगी ने कहा कि जम्मू कश्मीर को जागीर समझने वाले पाकिस्तान परस्त ठेकेदार व कथित लीडरशिप ने कभी सोचा नहीं कि नफरत की फसल काटने वाली उनकी सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो चुकी है।

कोई ऐसी सरकार भी आएगी जो अनुच्छेद 370 को समाप्त करेगी। यह इन लोगों को हजम नहीं हो रहा। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर की आबोहवा और मुद्दे बदल चुके हैं। आतंकवाद और अलगाव का मुद्दा चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है। अब यहां विकास, रोजगार और पहचान की बात हो रही है तो यह वोट के सौदागरों को कैसे अच्छा लग सकता है।

कांग्रेस की यह दुरुभि संधि हमें सवाल करने को मजबूर करती है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के सामने इन प्रश्नों का जवाब दें।

अब्दुल्ला एंड संस फैमिली प्रा. लि. की नेकां व कांग्रेस के गठबंधन ने राष्ट्रविरोधी मंसूबों को देश के सामने रख दिया

सीएम योगी ने कहा कि भारत के मुकुट जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 और 35ए का कलंक मिटाने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की थी। अब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तिथियां घोषित हो चुकी हैं। यह चुनाव न केवल वहां के लोगों, बल्कि लोकतंत्र में आस्था रखने वाले हर भारतीय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया भर की निगाह इस ओर लगी हुई है। ऐसे महत्वपूर्ण चुनाव में इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस ने अब्दुल्ला एंड संस फैमिली प्राइवेट लिमिटेड की नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से राष्ट्रविरोधी मंसूबों को देश के सामने रख दिया है।

आतंकवाद व दहशतगर्दी के दौर को फिर से लाने का समर्थन करती है कांग्रेस

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल उपद्रवियों के परिजनों को सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर से लाने का समर्थन करती है? सीएम योगी ने आरोप लगाया कि इस गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा देश के सामने आया है। क्या कांग्रेस दलितों, गुर्जरों, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेकां के वादे का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस चाहती है कि 'शंकराचार्य पर्वत' 'तख़्त-ए-सुलिमान' और 'हरि पर्वत' 'कोह-ए-मारन' के नाम से जाने जाएं। सीएम ने कहा कि क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को फिर से भ्रष्टाचार की आग में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने-चुने परिवारों के हाथों में सौंपने का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस और राहुल गांधी कश्मीर को ऑटोनॉमी देने की नेकां की विभाजनकारी सोच और नीतियों का समर्थन करते हैं?

नौजवानों को गुमराह करने वालों के लिए जम्मू-कश्मीर में जगह नहीं

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के कथित स्वयंभू भाग्यविधाता बन बैठे नेताओं ने नौजवानों को गुमराह कर अलगाववादी साजिश का मोहरा बनाया था। इन लोगों ने उनके हाथों में पत्थर और एके-47 पकड़ाई थी। पीएम मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के हाथों में टैबलेट और स्किल डेवलपमेंट से जोड़कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। नौजवानों को गुमराह करने वालों के लिए अब जम्मू-कश्मीर में जगह नहीं है। श्रद्धेय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने जम्मू-कश्मीर के लिए इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत का जो सपना देखा था, उन मूल्यों और सिद्धांतों से निकले सपने को पीएम मोदी ने साकार कर दिखाया है।

शहजाद को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

मौ० याकूब

बिजनौर। नगर पंचायत झालू के नगर पंचायत के झालू के निर्वतमान चेयरमैन शहजाद अहमद को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने डीएम के रिकवरी आदेश को स्थगित कर दिया है और उसपर रोक लगा दी है। निवर्तमान चेयरमैन शहजाद ने कहा कि विरोधी चाहे मेरे खिलाफ कितने भी षड्यंत्र रच लें लेकिन वह अपने नापाक मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होंगे।

उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देश पर डीएम ने पूर्व चेयरमैन शहजाद अहमद को नगर पंचायत की सीमा से बाहर सड़क बनाने के कारण 8 लाख रुपये से ज्यादा की रिकवरी के आदेश दिये थे। निवर्तमान चेयरमैन शहजाद अहमद ने मीडिया को जारी ब्यान में आरोपों को विरोधियों की साजिश बताया था। उन्होंने कहा था कि जिस सड़क का भुगतान अभी तक नहीं हुआ उसकी रिकवरी कैसी.? जो सड़क बनी थी वह गुणवत्तापूर्वक बनी थी। किसी तरह का कोई गबन नहीं हुआ था, कोई अनियमितता नहीं बरती गई थी। उन्होंने ये भी कहा था कि जिस सड़क की रिकवरी के आदेश हुये वह तो झालू की सीमा में ही बनी है। अभी जिसका भुगतान भी बकाया है। डीएम बिजनौर द्वारा जारी रिकवरी के आदेश खिलाफ निवर्तमान चेयरमैन शहजाद हाईकोर्ट गये। जहां उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है।

पूर्व चेयरमैन शहजाद अहमद ने बताया कि अल्लाह ताला के करम फज्ल व जनता की दुवाओं से हाईकोर्ट ने रिकवरी आदेश पर रोक लगा दी है। उन्होंन कहा कि मुझे न्याय पालिका पर पूरा भरोसा है।

चारा लेने गए किसान को गुलदार ने बना लिए अपना शिकार, दहशत में लोग

बिजनौर। जनपद के हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव जलालपुर भूड निवासी पीयूष पुत्र कुलबीर सिंह 47 वर्ष का खेत हल्दौर थाना क्षेत्र के जंगल में है । शुक्रवार को वह जंगल से पशुओं के लिए चारा लेने गया था । जंगल में काम करते समय गुलदार ने हमला कर दिया । गुलदार ने किसान की गर्दन दबोच ली. इससे मौके पर ही किसान की मौत हो गई. घटना के बाद से लोग दहशत में हैं। गुलदार पिछले एक माह में हीमपुर दीपा क्षेत्र में एक युवती व एक महिला को मौत के घाट उतार चुका है । शहर से लेकर गांव तक गुलदार का आतंक है। लोग इस कदर दहशतजदा हैं कि पशुओं के लिए चार लाने के लिए जंगल जाने से कतरा रहे हैं। किसान पीयूष की मौत से परिजनों व क्षेत्र के लोगों में वन विभाग के प्रति काफी रोज व्याप्त है । गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने अंबेडकर अम्मेहडा चौक पर जाम लगा दिया।ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग गुलदार को पकड़ने में नाकामयाब है। आए दिन घटनाएं हो रही हैं। गुलदार के हमले में अब तक कई लोगों की जान चली

गई है। समाचार लिखे जाने तक लोगों का जाम जारी था।

पिलाना में गुलदार ने युवती को उतारा मौत के घाट

हीमपुर थाना क्षेत्र के गांव पिलाना में 22 जुलाई को सलोनी 15 वर्ष पुत्री कोमल सिंह पर गुलदार ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया था।सलोनी अपनी मां बबली के साथ जंगल चारा लेने गई थी वहीं पास के ही गांव सिसौना में 14 अगस्त को गुलदार ने महिला सुमंत्रा 65 वर्ष पत्नी जौहरी पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

पिलाना में गुलदार ने महिला को उतारा मौत के घाट

हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव पिलाना निवासी संतोष देवी (55) पत्नी करन सिंह त्यागी छ दिन पूर्व कुंडियाल देवता के निकट पशुओं के लिए चारा लेने गई थी। गुलदार ने महिला पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। गांव में आदमखोर गुलदार की दूसरी घटना से लोगों में भय व्याप्त हो गया था और वन विभाग के प्रति आक्रोश था। गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रेन रोक दी और रेलवे ट्रैक पर जाम लगा दिया था।

20 माह में ले चुका 24 लोगों की जान

बिजनौर। बिजनौर जनपद में कोरोना काल के बाद जिले में उत्पन्न हुई गुलदार की समस्या अब विकराल हो गई है। जहां एक ओर वन विभाग, प्रशासन बैठक कर गुलदार की समस्या पर चर्चा कर रहा है, वहीं गुलदार लगातार इंसानों की जान ले रहा है। पिछले 20 माह में अब तक 24 इंसानों की जान गुलदार के हमलों में जा चुकी है। जिले का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहां गुलदार की मौजूदगी न हो।

बिजनौर जिले की भौगोलिक स्थिति पर नजर डालें तो अमानगढ़ से लेकर नजीबाबाद तक घना जंगल है। अमानगढ़ में जहां बाघ से लेकर गुलदार तक की मौजूदगी है, वहीं नजीबाबाद डिवीजन की अधिकांश रेंज में हाथी और गुलदार की मौजूदगी देखने को मिलती है। आरक्षित वन क्षेत्र से कई गुना गुलदार गन्ने के खेतों में घूम रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक जिले में गन्ने के खेतों में 500 से ज्यादा गुलदार हो सकते हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष अब तक 46 गुलदार और उनके शावकों को वन विभाग पकड़ चुका है।

राहुल गांधी बोले : भारत की आबादी के हिसाब से बनाई जाए नीति, देश की आधी आबादी ओबीसी

प्रयागराज लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का शनिवार को प्रयागराज में हैं। वह करीब पांच बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसके अलावा वह भगवतपुर, चकिया, महाराणा प्रताप चौराहा स्थित इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संविधान सम्मान समारोह को संबोधित करेंगे। रास्ते में जगह-जगह कांग्रेसी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए खड़े हैं। एयरपोर्ट से

लेकर एएमए कन्वेंशन सेंटर तक उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके भेंट किया। कांग्रेस जिंदाबाद और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए गए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की जो सच्चाई है जो हकीकत है। जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से पॉलिसी बनाई जानी चाहिए। यदि लोगों की आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जाती हैं तो जरूरतमंदों को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा और पॉलिसी बनाने का कोई मतलब नहीं है।सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त राहुल गांधी के कार्यक्रम के मद्देनजर स्टेनली रोड महाराणा प्रताप चौराहा स्थित एएमए कन्वेंशन सेंटर को पूरी तरह से सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। अंदर जाने वालों की कई स्तर पर चेकिंग की जा रही है। प्रतिभागियों के लिए अलग द्वार जबकि मुख्य अतिथि और चुनिंदा नेताओं के लिए अलग द्वार से प्रवेश की व्यवस्था की गई है। पूरा इलाका कांग्रेसी नेताओं से पट गया है। संविधान से संबंधित पंफलेट भी लोगों के बीच बांटे गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर रही भारी अव्यवस्था एएमए हाल पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है।

घर में न इन्वर्टर न वॉशिंग मशीन दो माह का बिजली बिल 6.44 लाख

बरेली बरेली में बिजली निगम का अजब कारनामा सामने आया है। किला थाना क्षेत्र के रानी साहब फाटक निवासी एक व्यक्ति के मकान का 6.44 लाख रुपये बिजली बिल आया है। बिल देखकर उसके होश उड़ गए। विद्युत निगम के एक्सईएन का कहना है कि कुछ बिलों में गड़बड़ी हुई है। इसकी जांच कराई जा रही है। किला थाना क्षेत्र के रानी साहब फाटक निवासी रजनीश शुक्ला सेल्समैन हैं। वह पत्नी और दो बेटियों के साथ मकान में रहते हैं। मकान भी ज्यादा बड़ा नहीं है। रजनीश के मुताबिक उनके घर में न इन्वर्टर है और न ही वाशिंग मशीन। कई-कई घंटे बिजली भी गुल रहती है। पहले महीने में चार से पांच सौ रुपये तक बिजली बिल आता था। बीते दिनों उनके मकान का बिजली बिल 20 हजार रुपये आया। इसे सही करवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। लेकिन सही होने की बजाय इस बार 6,44,799 रुपये बिल भेज दिया। उनका कहना है कि इतनी तो उनकी सालाना कमाई नहीं है, जितना इस बार बिल आया है। वह खुद हैरान हैं। उन्होंने शिकायत की है।

सिपाही भर्ती परीक्षा: बसों में सीटों के लिए मारामारी, रिजर्व बसें भी पड़ीं कम

मुरादाबाद। सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए उमड़ी अभ्यर्थियों की भीड़ के आगे परिवहन निगम के दावे फेल हो गए। मुरादाबाद और पीतलनगरी बस अड्डे पर बसों में सीटों के लिए मारामारी रही। बसों में सीट पाने के लिए अभ्यर्थियों को धक्कामुक्की करनी पड़ी। परिवहन विभाग की ओर से अभ्यर्थियों के लिए रिजर्व की गई बसें भी कम पड़ गईं।

परीक्षा देकर घर जाने वाले अभ्यर्थियों की भीड़ सबसे ज्यादा मुरादाबाद बस अड्डे पर थी। यहां पर बिजनौर, धामपुर और अमरोहा जाने वाले अभ्यर्थियों के लिए बसें कम पड़ गईं। शाम छह बजे तक अभ्यर्थियों की भीड़ ज्यादा बढ़ गई थी। आलम यह था कि जैसे ही कोई बस आती, अभ्यर्थियों की भीड़ उस तरफ दौड़ पड़ती।

कुछ अभ्यर्थी सीट पाने के लिए चालक के गेट व खिड़की से बसों में चढ़ते नजर आए तो तमाम

अभ्यर्थियों ने गेट पर लटककर सफर किया। मुरादाबाद और पीतलनगरी डिपो की 300 से अधिक बसों का संचालन किया गया।

1500 अभ्यर्थियों ने ई-बस में किया मुफ्त सफर...सिपाही भर्ती परीक्षा पर शहर में चलने वाली ई-बसों में शुक्रवार को 1500 अभ्यर्थियों ने मुफ्त सफर किया। ई-बसों का संचालन अपने निर्धारित रूट दलपतपुर से अगवानपुर, दलपतपुर से टीएमयू, मुरादाबाद से भोजपुर तक किया गया। इस दौरान बस परिचालकों ने अभ्यर्थियों को शून्य किराए पर टिकट दिया।

बरेली से पीतलनगरी बस अड्डे पर पहुंचे अभ्यर्थी कृष्णा शर्मा ने बताया कि ऑटो चालक चार-पांच किलोमीटर जाने के लिए 40 से 50 रुपये वसूल रहे हैं। सेंटर तक जाने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभ्यर्थी रवि मौर्या ने बताया कि बस में कोई दिक्कत नहीं है। बसों में मुफ्त में सफर तो किया लेकिन ऑटो वाले 10 किमी के 70 रुपये किराया मांग रहे हैं।

ट्रेन का इंतजार करते रह गए अभ्यर्थी...रेलवे ने अभ्यर्थियों के लिए मुरादाबाद स्टेशन पर ट्रेन का अतिरिक्त रैक तैयार रखा था, लेकिन चलाया नहीं गया। अधिकारियों ने कहा कि स्पेशल ट्रेन चलाने जितनी भीड़ स्टेशन पर नहीं जुटी। वहीं दूसरी ओर कई यात्री स्टेशन पर बरेली, शाहजहांपुर जाने वाली ट्रेनों का इंतजार करते नजर आए।

दोपहर 12 बजे पहली पाली की परीक्षा छूटने के बाद 12:30 बजे तक परीक्षार्थी रेलवे स्टेशन पहुंचने लगे थे। दोपहर दो बजे तक बरेली व शाहजहांपुर जाने के लिए उन्हें कोई ट्रेन नहीं मिली। केशव, जितेंद्र पाल, हरिओम विश्नोई व महिपाल आदि यात्रियों ने बताया कि पूछताछ केंद्र से पता करने पर दो बजे बरेली की ट्रेन की जानकारी मिली।

जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची तो तई युवा जनरल व स्लीपर बोगियों में चढ़ गए। अभ्यर्थियों की अच्छी संख्या के कारण ट्रेनों में भीड़ रही। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद व बरेली स्टेशनों पर अतिरिक्त रैक तैयार हैं। परीक्षा 23 से 25 व 30 और 31 अगस्त को होनी है। 30 व 31 को बरेली में उर्स भी है।

इसलिए दोनों दिन स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। 23 से 25 तक जिस दिन भी जरूरत पड़ेगी, स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। फिलहाल अमरोहा, रामपुर, हापुड़, बरेली, शाहजहांपुर आदि स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव बढ़ा दिए गए हैं।

ब्लॉक के कारण बीच रास्ते रुकी रहीं राजधानी समेत कई ट्रेनें... गजरौला-हापुड़ व गजरौला-बिजनौर रेलखंड में फुटओवर ब्रिज पर नए गार्डर लगाने के लिए रेलवे ने 29 अगस्त तक ब्लॉक लिया है। इसके कारण शुक्रवार को कई ट्रेनें रास्ते में रुकी रहीं। (20504) नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस सिंभावली के पास आधे घंटे से ज्यादा खड़ी रही।

(15909) डिब्रूगढ़-लालगढ़ अवध असम एक्सप्रेस भी रास्ते में 30 मिनट रोकी गई। 29 अगस्त तक यह परेशानी जारी रहेगी। (12583) लखनऊ-आनंद विहार डबल डेकर एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग मुरादाबाद-टपरी-गाजियाबाद होकर चलाया गया।

मुख्यमंत्री ने पूर्णिया के चूनापूर सैन्य हवाई अड्डा का किया निरीक्षण, समीक्षा बैठक

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बिहार के पूर्णिया में चूनापुर सैन्य हवाई हड्डा स्थित सभाकक्ष में हवाई अड्डा से संबंधित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से चूनापुर सैन्य हवाई अड्डा के प्रस्तावित सिविल एन्क्लेव के निर्माण हेतु अधिग्रहित की गई भूमि, रन-वे की लंबाई, रोड कनेक्टिविटी सहित अन्य विकास कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

समीक्षा बैठक के क्रम में एयर वाइस मार्शल श्री एस० के० माथुर एवं नागरिक उड्यन के जी०एम०, आर्किटेक्कर ने चूनापुर सैन्य हवाई अड्डा के विकास कार्यों के संबंध में अपने-अपने सुझाव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चूनापुर सैन्य हवाई अड्डा के विकास कार्यों में और अधिक तेजी लाकर इसे यथा शीघ्र पूर्ण कराएं। इस एयरपोर्ट के फंक्शनल हो जाने से आस-पास के दो-तीन प्रमंडल के लोगों को काफी सुविधा होगी। हवाई सफर के लिए लोगों को बागडोगरा नहीं जाना पड़ेगा। लोग यहीं से आवागमन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि चूनापुर सैन्य हवाई अड्डा तक यात्रियों के सुचारू आवागमन हेतु बेहतर सड़क-संपर्कता सुनिश्चित होनी चाहिए। यहां लोगों के बैठने एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। हम बराबर यहां आते रहे हैं और यहीं से आस-पास के इलाकों में लोगों से मिलने एवं विकास कार्यों को देखने का काम करते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक से पूर्व चूनापुर हवाई अड्डे का एरियल सर्वे किया।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने काझा गांव स्थित काझा कोठी में स्थापित भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व० भोला पासवान शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने काझा कोठी के जीर्णोद्धार कार्य एवं काझा कोठी झील का मुआयना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 19.20 करोड़ रुपये की लागत से पूर्णिया में नवनिर्मित मॉडल थाना भवन रूपौली, मॉडल थाना भवन चंपा नगर एवं क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन तथा 25.93 करोड़ रुपये की लागत से पूर्णिया जिला में निर्मित होने वाले 4 थाना भवनों का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने काझा कोठी प्रांगण में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, सतत जीविकोपार्जन योजना, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के लाभुकों को चेक एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने काझा कोठी के प्रांगण में पौधारोपण किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं ने मुख्यमंत्री को मखाना की बड़ी माला एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेसी सिंह, विधायक श्री विजय कुमार खेमका, पूर्व सांसद श्री संतोष कुशवाहा, पूर्व सांसद श्री दुलाल चंद्र गोस्वामी आदि भी थे।

'नीतीश जी कब तक?', सत्ता से बेदखल होने के बाद तेजस्वी ने पहली बार चाचा पर छोड़े 'तीर'

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में विपक्ष के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने राज्य मे बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, 'बिहार में व्याप्त इस रिकॉर्ड तोड़ महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, अपराध के जिम्मेदार कौन है?' तेजस्वी यादव ने शनिवार को महंगाई, बेरोजगारी और अपराध को लेकर 'डबल इंजन' की सरकार पर सवाल उठाए। पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा- 'महंगाई के मामले में देश भर में बिहार सबसे टॉप पर हैं। देश में सबसे अधिक गरीबी, बेरोजगारी और अपराध बिहार में है।'उन्होंने आगे कहा, 'नीति आयोग के सतत विकास सूचकांक में सबसे नीचे बिहार है तथा आमदनी गरीबी उन्मूलन में सबसे नीचे बिहार है। शून्य भूखमरी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और लैंगिक समानता में भी सबसे पीछे बिहार है।' उन्होंने सवाल पूछा

कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है। 15 वर्षों से अधिक बिहार में एनडीए की सरकार है और 10 वर्षों से केंद्र में इनकी डबल इंजन की सरकार है।

हमारे बीच के 17 महीनों के सेवाकाल में ही नौकरी-रोजगार, शिक्षा-स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में रिकॉर्ड तोड़ नियुक्तियां एवं अप्रत्याशित विकास कार्य हुए। तेजस्वी यादव ने आगे सवालिया लहजे में कहा कि 'लगभग दो दशक बाद भी आखिर कब तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा दूसरों के ऊपर दोष मढ़ अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। आखिर देश में सबसे अधिक बिहार में व्याप्त इस रिकॉर्ड तोड़ महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, अपराध के जिम्मेदार कौन है? उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक नीतीश कुमार अपनी सत्तालोलुप्ता, स्वार्थपूर्ति व अनैतिक असैद्धांतिक पलटा-पलटी का शिकार बिहार को बनाते रहेंगे?'

'IAS हो,परिस्थितियों को समझो, तुगलगी फरमान भेज देते हो'

शिक्षा विभाग को नसीहत देते टीचर का वीडियो वायरल

संवाददाता।

पटना/जमुई। बिहार के जमुई में एक टीचर का शिक्षा विभाग को नसीहत देते हुए का वीडियो वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, शिक्षक ने शिक्षा विभाग को नसीहत देते व खरी- खोटी सुनाते हुए वीडियो बना ली और इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर दिया। फिर क्या था यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर करंट की तरह दौड़ गई, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना है। वीडियो पर लोग तरह-तरह के कॉमेंट भी करने लगे हैं। वायरल वीडियो दो दिन पहले जमुई के मलयपुर रेलवे फाटक के पास का बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि इढरउ शिक्षक प्रभात रंजन लक्ष्मीपुर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय मेदनीपुर में कार्यरत है। प्रभात रंजन विद्यालय जाने के क्रम में मलयपुर रेलवे फाटक बंद रहने की वजह से रुके

थे। फाटक खुलने में थोड़ी देर होने की वजह से वे विभाग के प्रति आक्रोशित हो गए और खूब खरी-खोटी सुनाने लगे। वायरल वीडियो में शिक्षक कह रहे हैं कि ये देखिए रेलवे गेट पर खड़े है और आप कहोगे की समय पर स्कूल आओ। कैसे आ पाऊंगा बताओ।

अरे इन सब बातों का ध्यान क्यों नहीं रखते हो। आईएस हो... मैनेजमेंट अच्छा आता है तो परिस्थितियों को समझो और कम से कम 45 मिनट या 30 मिनट समय तो देना ही पड़ेगा।अगर नहीं देते हैं तो जहां घर है, वहां विद्यालय दे दो। एकदम समय से पहले पहुंचे रहेंगे। अब हमारा विद्यालय 20 किलोमीटर पर है। हर जगह पर बाधा ही बाधा है, कितने मिनट लगेंगे। 20 मिनट तो बाधाओं को पार करने में लगेंगे। हम कैसे समय से विद्यालय पहुंचेंगे? बस तुगलकी आदेश भेज देते हो...।

जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि जिला पदाधिकारी के द्वारा हम लोग को एक वीडियो दिया गया है। जिसमें एक शिक्षक के द्वारा वीडियो बनाकर विभाग के खिलाफ टिप्पणी किया जा रहा है। वीडियो में बोला जा रहा है कि उन्हें स्कूल पहुंचने में विलंब हो रही है। अगर विलंब हो रही है तो उन्हें स्कूल के पास ही अपना आवास रखना चाहिए, ना कि विभाग के खिलाफ इस तरह की हरकत करनी चाहिए। शिक्षा विभाग ने शिक्षक से स्पष्टीकरण की मांगा है। जवाब से विभाग संतुष्ट नहीं हुआ तो शिक्षक का निलंबित होना तय माना जा रहा है।

नीतीश कुमार ने एक झटके में 185 नेताओं को किया 'बेरोजगार'

अब जेडीयू में सियासी बवाल तय!

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/नई दिल्ली। बिहार की सियासत से बड़ी खबर सामने आई है। जेडीयू ने अपनी प्रदेश कमेटी में बड़ा फेरबदल करते हुए शनिवार को नई कमेटी का ऐलान किया। पार्टी ने करीब 15 महीने पहले ही 260 सदस्यों वाली बड़ी कमेटी बनाई थी, जिसे अब भंग करके छोटी कमेटी बनाई गई है। नई कमेटी में 10 उपाध्यक्ष, 49 महासचिव, 46 सचिव, 9 प्रवक्ता और एक कोषाध्यक्ष शामिल हैं। पार्टी ने करीब 185 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया है।

बता दें कि शनिवार सुबह जेडीयू ने अपनी पुरानी कमेटी को भंग करने की घोषणा की थी। साथ ही, नेताओं को राजनीतिक सलाह देने के लिए बनाई गई सलाहकार समिति को भी भंग कर दिया गया। कुछ ही घंटों बाद नई कमेटी की घोषणा कर दी गई, जिसमें पुराने

चेहरों की जगह नए चेहरों को मौका दिया गया है। बता दें कि 23 मार्च 2023 को जेडीयू ने 251 सदस्यों वाली प्रदेश कमेटी का गठन किया था। इसमें 20 उपाध्यक्ष, 105 महासचिव, 114 सचिव और 11 प्रवक्ता शामिल थे। बाद में कुछ और पदाधिकारियों को जोड़ा गया, जिससे कुल संख्या 260 हो गई। आमतौर पर प्रदेश कमेटी का कार्यकाल तीन साल का होता है, लेकिन 15 महीने बाद ही इसे भंग कर दिया गया।

नई कमेटी में पुराने चेहरों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है। पूर्व मंत्री रंजू गीता, लक्ष्मेश्वर राय, जय कुमार सिंह, खुर्शीद उर्फ फिरोज आलम, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, श्याम बिहारी प्रसाद, पूर्व विधायक अशोक कुमार, मुजाहिद आलम, लखन ठाकुर समेत 20 नेता उपाध्यक्ष पद से हटा दिए गए हैं। इसी तरह 105 महासचिवों में से ज्यादातर को हटा दिया गया है और अब सिर्फ 49 महासचिव हैं। पूर्व विधायक मंजीत सिंह जैसे नेताओं को महासचिव पद से हटा दिया गया है। नए उपाध्यक्षों में एमएलसी रविंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी, अजीत चौधरी, पूर्व सांसद महाबली सिंह, पूर्व एमएलसी हारूण रशीद, एमएलसी संजय सिंह, प्रमिला कुमार प्रजापति, अमर कुमार अग्रवाल, वैद्यनाथ सिंह विकल और कलाधर मंडल के नाम शामिल हैं। वहीं, राजद छोड़कर जेडीयू में शामिल हुए पूर्व विधायक रणधीर सिंह को महासचिव बनाया गया है। रणधीर सिंह बाहुबली पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के पुत्र हैं। लोकसभा चुनाव में राजद से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने जेडीयू का दामन थामा था।

कल्याणपुर: अंचल कार्यालय पर भाकपा माले का धरना सभा

दीपक तिवारी।

समस्तीपुर/कल्याणपुर। भाकपा माले के द्वारा 'हक दो-वादा निभाओ' अभियान के तहत प्रखंड सचिव दिनेश कुमार की अध्यक्षता में जिले के कल्याणपुर अंचल कार्यालय पर विभिन्न मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना दिया गया। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में दो लाख रुपये आर्थिक मदद के वास्ते 70 हजार रुपये से कम का आय प्रमाण पत्र के लिये चार सौ आवेदन अंचलाधिकारी को सौंपा गया।इस मामले कार्यवाई की मांग की गई। इस दौरान अंचलाधिकारी ने धरना स्थल पर स्वयं पहुंचकर एवं ग्यारह सूत्री मांगों पर अविलंब कारवाई करने का आश्वासन दिया। बतौर वक्ता सुखलाल यादव,रंजीत राम,विक्की साह राजेंद्र पासवान, दशरथ दास,राम प्रवेश कुशवाहा, बोएलाल सास,घुना साह ,बेचन कुमार आदि ने सभा को सम्बोधित किया।

इस दौरान भूमिहीनों को बास्तगीत पर्चा और आवास देने, दलित टोले में संपर्क सड़क बनाने, राजस्व कर्मचारीयों के मनमानी पर रोक लगाने, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा सेविकाओं से नजराना वसूली पर रोक लगाने आदि की मांग धरना के माध्यम से की गई।

शर्मनाक: बर्थ-डे पार्टी में गई छात्रा के साथ सहेली के बड़े भाई ने किया दुष्कर्म

संवाददाता।

मोतिहारी । जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में सहेली के बर्थ-डे में उसके घर गई 10 वीं की छात्रा (16 वर्ष) को कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। छात्रा जिस सहेली के बर्थ-डे में गई थी, उसी के बड़े भाई ने यह करतूत की। घटना को अंजाम देने के दौरान उसने अश्लील वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित भी कर दिया।

पांच दिन बाद गुरुवार को प्रसारित वीडियो जब छात्रा के पिता को मिला, तब पीड़िता के बयान पर महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने छात्रा का बयान लेने के बाद शुक्रवार को उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया है। एसपी ने महिला थानाध्यक्ष कीर्तिका कुमारी के नेतृत्व में आरोपित की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया है। टीम छापेमारी कर रही है। छात्रा ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसे गांव की ही एक सहेली ने अपने बर्थ-डे पार्टी में बुलाया था।

पार्टी में उसे कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर दे दिया। उसे पीने के बाद जब उसे चक्कर आने लगा तब उसकी सहेली ने उसे अपने कमरे में आराम करने के लिए पहुंचाया। जब छात्रा आराम करने लगी तभी सहेली के बड़े भाई ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

वीडियो बनाकर रख लिया। होश आने के बाद धमकी देने लगा कि अश्लील वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर देंगे। इस बीच जब प्रसारित वीडियो पीड़िता के स्वजन तक पहुंची तो प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मामले में छात्रा की सहेली व उसके भाई को नामजद किया गया है।

पीड़िता के बयान पर प्राथमिकी कर ली गई है। मामले में नामजद दोनों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोषी को स्पीडी ट्रायल के तहत सजा दिलाई जाएगी।

बन्दरा : भाकपा माले का जुलूस-प्रदर्शन के बाद धरना सभा आयोजित

मांगों का ज्ञापन सीआई को सौंपा,भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने 'हक दो-वादा निभाओ' अभियान के तहत अपने विभिन्न मांगों को लेकर शनिवार को जिले के बंदरा चौक से एक जुलूस निकाला। कार्यकर्ताओं का यह जुलूस प्रखंड मुख्यालय पर पहुंचा, जहां एक सभा में तब्दील हो गया। जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की तथा जोरदार प्रदर्शन भी किया। सभा की अध्यक्षता भाकपा माले प्रखंड सचिव रामबली मेहता ने की। संचालन संजय कुमार दास ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव रामबली मेहता ने कहा कि गरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की दिशा में सरकार के प्रयास नाकाफी हैं। सरकार ने आय प्रमाण पत्र का झमेला बना रखा है। प्रखंड प्रशासन के द्वारा 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण पत्र नहीं दिया

जा रहा है। इसका मतलब है कि जरूरतमंदों को सही अर्थों में इस योजना का लाभ नहीं देने की योजना है। प्रखंड में मनरेगा योजनाओं में बड़े पैमाने पर लूट-खसोट जारी है। क्षेत्र में चल रहे किसी भी एक योजना को जांच कराकर देखा जाए तो मनरेगा का हेराफेरी और भ्रष्टाचार खुद बखुद सामने आ जाएगा। प्रदर्शनकारियों की मांगों में 95 लाख महागरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि अविलंब देने, सबको पक्का मकान देने, 72 हजार से कम का आय प्रमाणपत्र देने,भूमिहीन परिवार को जमीन और पक्का मकान देने,गरीब को वास्कित पर्चा मिला हुआ है और जमीन पर कब्जा नही है, उस पर कब्जा दिलाने अदि की मांगे शामिल हैं। सभा के अंत में पार्टी के 4 सदस्यीय टीम ने सीओ के अनुपस्थिति में सी.आई.को मांग पत्र सौंपा ।

मौके पर प्रखंड सचिव रामबली मेहता, संजय कुमार दास, अजीत कुमार सिंह, गीता देवी, चंद्रकला देवी, विश्नदेव महतो, शुकुल महतो, रत्नेश कुमार, संतोष कुमार, रेणु देवी, चंदा देवी, किरण देवी, प्रमिला देवी, रवि पोद्दार, चिंता कुमारी, मो.इसराई, रसीदा खातून रत्नेश कुमार, प्रियंका कुमारी, जगरनाथ प्रसाद, राहुल कुमार, आदि भी थे।

अब झारखंड में सियासी हैसियत बढ़ाना चाहते हैं चिराग पासवान

एक बार फिर से सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना तय

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/रांची। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) अब झारखंड में भी अपनी सियासी हैसियत बढ़ाना चाहती है। पार्टी ने 25 अगस्त रविवार को रांची में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है। शहर के एक बड़े होटल में होने वाली इस बैठक में झारखंड में नवंबर-दिसंबर में संभावित विधानसभा चुनाव के साथ-साथ हरियाणा और अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव की रणनीति पर अहम फैसले लिए जाने की संभावना है।

लोजपा-आर की बैठक इस लिहाज से भी अहम मानी जा रही है कि इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है। यह तय है कि एक बार फिर चिराग पासवान को सर्वसम्मति से इस पद के लिए चुना जाएगा। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कई

पदाधिकारी और सदस्य बैठक में शिरकत करने के लिए शनिवार को ही रांची पहुंच रहे हैं। इस बैठक के पहले लोजपा (आर) की झारखंड इकाई ने राज्य में 28 विधानसभा सीटें चिह्नित की हैं और इनपर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भेजा है। बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी और इसके बाद तय होगा कि एनडीए फोल्डर के तहत कितनी और किन-किन सीटों पर दावेदारी पेश की जाए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान कहते हैं कि हम झारखंड विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ उतरने को तैयार हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्णयों और निदेर्शों के तहत हम आगे कदम बढ़ाएंगे। हालांकि झारखंड के सियासी इतिहास में लोजपा ने आज तक कभी किसी चुनाव में जीत दर्ज नहीं की है। यहां कभी पार्टी का सुव्यवस्थित या मजबूत संगठनात्मक ढांचा भी नहीं रहा है। ऐसे में चिराग पासवान और उनकी पार्टी एनडीए नेतृत्व पर सीटों के लिए कितनी मजबूती के साथ दावा कर पाएगी, यह कहना मुश्किल है।

हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए फोल्डर के तहत झारखंड में सिर्फ दो पार्टियां भाजपा और आजसू मैदान में थीं। अब विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जदयू और उसके बाद चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) की ओर से सीटों की दावेदारी पर फिलहाल एनडीए के सबसे बड़े घटक दल भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'तेजस्वी यादव मंदिर जाकर कसम खाएंगे'

ट्रांसफर-पोस्टिंग विवाद पर रामकृपाल यादव का बड़ा खुलासा

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बीजेपी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है, उसे मेरे ख्याल से भ्रष्टाचार पर बोलने का कोई नैतिक हक नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भ्रष्टाचार में शुरू से ही लिप्त रहा हो और जिसके कार्यकाल में शुरू से ही भ्रष्टाचार रहा हो ऐसा व्यक्ति अगर अपराध और भ्रष्टाचार की बात करे, तो इससे ज्यादा शर्म की बात और कुछ नहीं हो सकती है। अपराध और शर्म भी अपने आप में शर्मसार हो रहा है।

बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने भी तेजस्वी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने दो दिन पहले ट्रांसफर पोस्टिंग पर अपनी राय दी थी। अपना नैतिक पतन करते हुए उन्होंने नीतीश कुमार के संबंध में

एक या दो नहीं, बल्कि अनेक बातें कही। इसके बाद मैंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से सवाल किया था कि मेरे साथ किसी मंदिर में चलकर भगवान की कसम खाएं कि वो भ्रष्टाचारी हैं या नहीं। अगर वो मेरे साथ चलकर कसम खा लेंगे तो मैं उनकी हर बात का जवाब दूंगा।

उन्होंने आगे कहा कि अगर तेजस्वी यादव मेरे साथ मंदिर जाकर कसम खाने की हिम्मत नहीं रखते हैं, तो उन्हें भ्रष्टाचार के संबंध में कोई भी बात कहने का नैतिक हक नहीं है। इस बीच, उन्होंने पत्रकारों से आग्रहपूर्वक कहा कि आप मेरा जवाब मुझे दिलवा दीजिए। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें (तेजस्वी) यह बात भगवान को साक्षी मानकर मंदिर में कहनी होगी। उन्हें इस पर बोलने का कोई नैतिक हक नहीं और न ही हिम्मत है।

तेजस्वी यादव खुद को जानते हैं कि वो कितने पानी में हैं। उन्होंने तेजस्वी को चुनौती देते हुए कहा कि मेरी यह छोटी-सी शर्त है। अगर वो मेरी शर्त को मान लेंगे, तो मैं उनकी हर बात का जवाब दूंगा।

उन्होंने कहा कि मैं अंदर की पूरी हकीकत के बारे में विस्तार पूर्वक बताऊंगा कि आखिर जमीनी हकीकत क्या है, लेकिन शायद उन्हें यह नहीं पता कि मुझे उनकी पूरी हकीकत के बारे में जानकारी है। एक भ्रष्टाचारी आदमी कुछ नहीं कर सकता, न ही वो अपने लोगों के लिए कुछ कर सकता है, न ही समाज के लिए और न ही अपने देश या प्रदेश के लिए।

उल्लेखनीय है कि तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि आज बिहार की स्थिति राक्षस जैसी है। नीतीश कुमार के आसपास मौजूद उनके चेले अपनी राजनीतिक शक्तियों का दुरुपयोग कर डीआईजी की पोस्टिंग को भी रुकवा दे रहे हैं। ये लोग पैसा लेकर डीआईजी सहित अन्य पदों पर पोस्टिंग कर रहे हैं।

मुजफ्फरपुर: जीविका समूह की दीदियों ने की राशि गबन की शिकायत

जांच एवं कार्यवाई की मांग,दीदियों में नाराजगी

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखंड के पीरापुर पंचायत में जीविका समूह की राशि बड़े पैमाने पर गवन करने के मामले में जीविका दीदीयों ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि वे लोग जीविका समूह की दीदियां हैं, जो प्रखंड के पीरापुर पंचायत के रत्नमनिया गांव की हैं। उन दिदियों के स्वयं सहायता समूह में जुड़कर बड़ी मेहनत एवं कठिनाई से साप्ताहिक 10रुपया बचत कर खाते में जमा करते थे। बैंक लिंकेज की राशि उन लोगों को रोजगार एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए आजीविका शुरू करने के लिए समूह द्वारा आवश्यकता अनुसार दिया जाता है। यह राशि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के रूप में लाखों रुपए में उपलब्ध कराई जाती है। जिस राशि

को जीविका मित्र एवं बैंक मित्र की मिली भगत से 10 समूह से लगभग 30 से 35 लख रुपए का गवन किया गया है ।

जिसमें दीदियों के द्वारा बचत की राशि और जमा की गई राशि, मूलधन एवं ब्याज की राशि,जीविका संगठन सम्मान ऋण की राशि आदि शामिल है। मामले की शिकायत प्रखण्ड जीविका से संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी से की गई, लेकिन इस पर कोई जांच एवं कार्रवाई नहीं हो सकी है। जिससे दीदियों में नाराजगी है। इस फर्जी निकासी के मामले में जांच एवं कार्रवाई की मांग की गई है। मामले से संबंधित आवेदन प्रखंड से प्रदेश स्तर के विभिन्न अधिकारियों से की गई है और आवश्यक जांच एवं कार्रवाई की मांग की गई है। दिए गए आवेदन पर सुमित्रा देवी, ललिता देवी ,अमृता देवी, मुन्नी देवी, किरण देवी, गीता देवी,सुमित्रा देवी, ललिता देवी, सकीना खातून,जायदा, मुन्नी बेगम, गुलशन, शबाना खातून, जलेश्वर देवी, शिव कुमारी देवी,रेहाना खातून, रिंकू देवी आदि दर्जनों महिलाओं के हस्ताक्षर एवं निशान अंकित है। आवेदन में कहा गया है कि 8 से 10 समूहों के महिलाओं की राशि निकासी किया गया है।

शुक्रवार को गांव की इन आक्रोशित महिलाओं ने बताया कि यदि 8 से 15 दिन के अंदर इन मामले में जांच एवं कार्रवाई नहीं हुई तो वे लोग प्रखंड मुख्यालय पर आमरण अनशन की रणनीति बना रहे हैं। इस बीच मामले की शिकायत मुख्यमंत्री के जनता दरबार में भी करने की रणनीति बनाई जा रही है।जीविका के प्रभारी बीपीएम राजीव रंजन ने बताया कि मामले की जांच एवं आवश्यक कार्यवाई की प्रक्रिया की जा रही है।

चरण सिंह

विचार

राजनीतिक दलों में परिवारवाद और वंशवाद का विरोध करने का समय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश में एक लाख परिवारवाद और वंशवाद से अलग हटकर नेता तैयार करने के बयान के बाद देश में इस मुद्दे पर बहस शुरू हो जानी चाहिए थी। पर नहीं हुई। क्यों नहीं हुई ? इसका बड़ा कारण यह है कि देश के लगभग सभी राजनीतिक दलों को वंश वादियों ने कब्जा रखा है। अधिकतर दलों में राष्ट्रीय अध्यक्ष ऐसे बनते हैं जैसे कि प्राइवेट कंपनी में सीईओ बनते हैं। मतलन कंपनियों की तरह ही राजनीतिक दलों की बागडोर भी उनके बेटे-बेटियां या फिर पत्नियां पार्टी संभाल रही हैं। सपा पर परिवारवादी पार्टी होने का आरोप लगाने वाली मायावती ने भी अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बना दिया है। अब 27 अगस्त को लखनऊ में होने वाली बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उत्तर प्रदेश उप चुनाव के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर भी चर्चा हो सकती है। ऐसे में खबरें आ रही हैं कि इस बैठक में भी मायावती या तो खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी रह सकती हैं या फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती हैं।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या बसपा में मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के अलावा कोई नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने लायक नहीं है ? यदि नहीं है तो फिर मायावती ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने लायक दलित नेतृत्व तैयार क्यों ही नहीं किया ? या फिर आकाश आनंद में ऐसी क्या राजनीतिक योग्यता है कि उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाए। आज यदि देश में विचारधारा और जमीनी राजनीति का घोर अभाव है इसका बड़ा कारण परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति का हावी होना है। इसमें दो राय नहीं कि देश में जमीनी मुद्दे उठाने के लिए जमीनी नेतृत्व चाहिए और जमीनी नेतृत्व इन परिवारवादियों और वंशवादियों के बस की बात नहीं। ऐसे में विभिन्न दलों में कार्यकताओं को ही वंशवाद और परिवारवाद का विरोध करना होगा। कार्यकताओं को लंबे संघर्ष करने के लिए तैयार रहना होगा। क्योंकि ये वंशवादी अपना विरोध पचा नहीं पाएंगे ऐसे में इन कार्यकताओं का पार्टियों से निष्कासन होता है तो फिर वंशवाद के विरोध में एक बड़ा आंदोलन छेड़ना होगा। कार्यकताओं को भी स्वार्थ और गुलामी से बाहर निकलकर जमीनी संघर्ष करना होगा। समर्पण की राजनीति से ही देश को धारदार नेतृत्व दिया जा सकता है।

जहां तक बसपा की बात है तो बसपा के संस्थापक कांशीराम के स्वास्थ्य खराब होने के बाद २००३ में मायावती पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी थीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अभी तक मायावती ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी हुई हैं। २०१९ में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ था, जिसमें मायावती को ही अध्यक्ष बनाया गया था। मतलब बसपा में भी परिवारवाद और वंशवाद हावी हो गया है। यदि कांशीराम परिवारवाद और वंशवाद करते तो क्या मायावती बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकती थीं ? ऐसे ही मुलायम सिंह यादव के लिए प्रख्यात समाजवादी नत्थू सिंह ने अपनी विधानसभा सीट छोड़ी थी। यदि वह परिवारवाद करते तो तो क्या मुलायम सिंह यादव आगे बढ़ते ?

ऐसे ही चाहे रामविलास पासवान रहे हों, लालू प्रसाद रहे हो इन नेताओं को समाजवादियों ने आगे बढ़ाया। देश को मायावती, मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद यादव, रामविलास पासवान, शरद यादव, शरद पवार जैसा नेतृत्व इसलिए मिला क्योंकि डॉ. राम मनोहर लोहिया, लोक नायक जयप्रकाश, कपूर्री ठाकुर और कांशीराम जैसे जमीनी नेताओं ने परिवारवाद और वंशवाद को दरकिनार कर मेहनती कार्यकताओं को आगे बढ़ाया। चाहे लालू प्रसाद हों, मुलायम सिंह, राम विलास पासवान हों, शरद पवार हों, चरण सिंह हों, शिबू सोरेन हों, बाल ठाकरे हों, राजनाथ सिंह हों, इन सभी नेताओं ने अपने कर्तव्य को भूलकर वंशवाद को बढ़ावा दिया।

दलित वोटों की लड़ाई में सपा-बसपा आमने-सामने

-अजय कुमार-

मोदी सरकार ने उच्च पदों पर नौकरियों में सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का अपना एक फैसला क्या वापस लिया, विपक्ष ने इसे मोदी को घेरने का हथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोंक रहा है। पीठ ठोंकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धुरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है।

वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि परस्पर विरोधी बसपा और सपा नेताओं के सुर एक जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भी देखने को मिले थे, जब बसपा ने बंद का समर्थन किया तो अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रख दियस। बात यहीं तक सीमित नहीं है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर मायावती और अखिलेश लगातार आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के बीच एक रेस लगी हुई है कि दलितों और पिछड़ों का ज्यादा हितैषी कौन है? आखिर इस मुद्दे के जरिए मायावती और अखिलेश कौन-सी राजनीति साध रहे हैं?

इस तमाम सवालों का जवाब समझने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से पहले की स्थितियों और नतीजों पर गौर करना जरूरी है। यूं तो संविधान और आरक्षण बसपा का कोर मुद्दा रहे हैं लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का जो नारा और इंडिया गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया था, उसका फायदा जब इंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमों को अपना राजनैतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दांव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कांग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोटबैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुद्दे उठा रही हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर अपना मत दिया, तो मायावती की उम्मीद को पंख लग गये। मायावती ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए। सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई। इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा-कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी घेरना शुरू कर दिया। वह संसद में संविधान संशोधन लाने की मांग पर अड़ गईं। इस मुद्दे पर उन्होंने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सोशल मीडिया के जरिए कई बयान दिए।

-राम पुनियानी-

राहुल गांधी ने केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई थी। उन्होंने 'हलवा' का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग के लोग हैं। जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी की हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। मौजूदा सत्ता जिस विचारधारा की है, वह सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है।

जाति जनगणना की जरूरत क्यों?

हाल के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया था। अन्य कारकों के अलावा इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया था। भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालांकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गांधी ने केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई थी। उन्होंने 'हलवा' का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग के लोग हैं। जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी की हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। मौजूदा सत्ता जिस विचारधारा की है, वह सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है। यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी, मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है। भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है।

इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवा पाना आसान नहीं है। दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है। इस दिशा में पहला प्रयास ज्योतिबा फुले ने किया था। उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है। चूंकि दलितों को पढ़ने-लिखने नहीं दिया जाता था, इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले। जातिगत पदक्रम को बनाए रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है, अतः सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले। जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किए गए थे। अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी, जिसे महाराष्ट्र में शेठजी-भट्टजी कहा जाता है, उनकी सबसे बड़ी पीडक है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना, जो मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के स्वर्णिम अतीत के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीरे-धीरे समाज पर पड़ने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को सरकारी दामाद कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन् 1981 में गुजरात में दलित विरोधी हिंसा भडक गयी। अध्येता अच्युत याग्निक लिखते हैं, ह्यशिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया।

सन् 1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित विरोधी हिंसा हुई। इसी समय, विश्व हिन्दू परिषद ने राममंदिर आन्दोलन को बढ़ावा देना शुरू किया और लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की। वीपी सिंह, जिनकी सरकार एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर वामपंथी दलों के समर्थन से चल रही थी, ने अपनी गद्दी बचाने की खातिर मंडल आयोग की रपट को लागू कर दिया और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), जो आबादी का 55 प्रतिशत हैं, को 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ऊंची जातियां मंडल आयोग के खिलाफ थीं, मगर चुनावी कारणों से भाजपा मंडल का सीधे विरोध नहीं कर सकती थी। उसने रथयात्रा को सफल बनाने में पूरा जोर लगा दिया। इस यात्रा को मंडल विरोधी उच्च जातियों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ। मंडल का विरोध करने के लिए यूथ फॉर इक्वालिटी जैसी संस्थाएं उभर आईं। मंडल राजनीति से शरद यादव, लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता उभरे।

भाजपा के शीर्ष नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा, 'वे मंडल लाए तो हम बदले में कमंडल लाए। भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है और अपने इस विरोध को उसने मुस्लिम विरोध का जामा पहनाया है। भाजपा का उद्देश्य है जातिगत ऊंच-नीच को बनाए रखते हुए हिंदुओं को एक करना। मंडल पार्टियां कई मामलों में सफल रहीं, मगर उनमें से कुछ ने अपने संकीर्ण हितों की खातिर मनु की राजनीति से समझौता कर लिया। इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दल मंडल के विरोधी रहे हैं, मगर अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान आम लोगों की स्थिति देखने के बाद राहुल गांधी जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए हैं। विभिन्न जातियों की आबादी, आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण करने का सबसे बेहतर आधार है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण कोटे के उप-विभाजन के सम्बन्ध में निर्णय स्वागतयोग्य है। जो जातियां आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाई हैं, उन्हें इसका लाभ दिलवाना सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक है। जहां इंडिया गठबंधन जाति जनगणना की मांग का खुलकर समर्थन कर रहा है, वहीं एनडीए का मुख्य घटक दल भाजपा इस मांग की पूर्ति की राह में हरसंभव रोड़ा अटकाएगा। इस मांग के समर्थन में प्रदर्शन, सभाएं आदि कर इस मांग की पूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है। दलित जातियों को न्याय दिलाने के लिए जाति जनगणना करना जरूरी है और उसी हिसाब से कोटा तय हो।

(स्वतंत्र लेखक)

दीपक कुमार तिवारी

मायके से 5 घंटे में ससुराल पहुंचेगी सीता जी की तीज खिचड़ी

बन रहा 448 किमी. लंबा राम जानकी पथ, यूपी-बिहार के जिलों को होगा फायदा

भगवान राम की जन्मभूमि से लेकर सीता के प्रकट्य स्थल तक प्रस्तावित राम जानकी पथ पर आखिरकार काम शुरू हो गया है. बिहार में यह सड़क तीन चरणों में बनेगी, जबकि आखिरी चरण में उत्तर प्रदेश की सीमा में सड़क का काम पूरा होगा. 448 किमी लंबी इस सड़क का 12 किमी हिस्सा नेपाल में भी है.

श्रीराम जन्मभूमि से शुरू होकर माता सीता के प्रकट्य स्थल जनकपुर तक के लिए प्रस्तावित राम जानकी पथ को अब केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी है. 448 किमी लंबी इस सड़क के निर्माण के लिए एनएचएआई ने काम शुरू कर दिया है. फिलहाल इस 4 लेन सड़क को चार चरणों में बांटकर डीपीआर बनाई जा रही है. इस डीपीआर में ही सड़क की डिजाइन तैयार होगी और इसी के हिसाब से अनुमानित लागत निकाला जाएगा. संभावना है कि इसी वित्त वर्ष में डीपीआर तैयार कर केंद्र सरकार को भेज दिया जाएगा.

इस वित्त वर्ष में डीपीआर को मंजूरी के साथ ही टेंडर आवंटित करने की भी योजना है. एनएचएआई की योजना के मुताबिक प्रस्तावित सड़क का 436 किमी हिस्सा भारत में होगा. यह सड़क उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से होकर निकलेगी और फिर नेपाल सीमा पार करने के बाद 12 किमी अंदर उस स्थान तक जाएगी, जहां माता सीता प्रकट हुई थी. उत्तर प्रदेश में यह सड़क अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि से शुरू होगी और आजमगढ़-मऊ और देवरिया के रास्ते मेहरौना पुल

पाकर बिहार में प्रवेश करेगी.

यहां से सीवान, छपरा, मशरख होते हुए शिवहर और सीतामढ़ी के रास्ते भिट्टा मोड़ से नेपाल सीमा में प्रवेश करेगी.मेहरौना पुल से भिट्टा मोड़ तक बिहार में इस सड़क की कुल लंबाई 237 किमी होगी. एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक पहले चरण में सीवान से मशरख तक 50 किमी लंबे फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा. इस सड़क के निर्माण के लिए एनएचएआई ने ट्रेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसी प्रकार मशरख से चकिया तक 48 किमी का दूसरा और चकिया से भिट्टामोड़ तक 103 किमी लंबा तीसरा पैकेज होगा. इन तीनों पैकेज के लिए पहले डीपीआर तैयार कर लिया गया है.

एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक चौथे पैकेज में काम उत्तर प्रदेश के हिस्से में होगा. इस सड़क के बनने से उत्तर प्रदेश से बिहार और नेपाल तक व्यापारिक और व्यवसायिक गतिविधियों में तेजी तो आएगी ही, अयोध्या और जनकपुर के बीच सीधा कनेक्शन होने से धार्मिक पर्यटन में भी इजाफा होगा. एनएचएआई के एक्सईएन प्रतीक कुमार के मुताबिक इस सड़क के लिए डीपीआर का काम अंतिम दौर में है. जल्द ही इसे तैयार कर मंजूरी के बाद काम शुरू कर दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि डीपीआर की मंजूरी के बाद स्वायल टेस्टिंग शुरू होगी.

आंध्र प्रदेश हादसा : भीषण अग्निकांड का जिम्मेवार कौन?

-नरेन्द्र भारती-

आंध्र प्रदेश के आनाकापल्ले जिले की एक फार्मा कम्पनी में 21अगस्त बुधवार को करीब 2 बजे आग लग गई जिसमें 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए यहाँ 381 कर्मचारी काम करते हैं जब आग की घटना हुई तब ज्यादातर कर्मचारी लंच करने गए थे अन्यथा मरने वालों की संख्या बहुत होती' केपिस्टर रियेक्टर में ब्लास्ट होने से यह हादसा हुआ है' 23 मई को भी महाराष्ट्र के ठाणे में केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और साठ लोग घायल हो गए थे'

देश में हर वर्ष मजदूर दबकर व जलकर मारे जा रहे हैं। ताजा दर्दनाक अग्निकांड 21अगस्त 2024 को आंध्र प्रदेश के आनाकापल्ले जिले की एक फार्मा कम्पनी में 21अगस्त बुधवार को करीब 2 बजे आग लग गई जिसमें 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए यहाँ 381 कर्मचारी काम करते हैं जब आग की घटना हुई तब ज्यादातर कर्मचारी लंच करने गए थे अन्यथा मरने वालों की संख्या बहुत होती' केपिस्टर रियेक्टर में ब्लास्ट होने से यह हादसा हुआ है' 23 मई को भी महाराष्ट्र के ठाणे में केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और साठ लोग घायल हो गए थे' 2 फरवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ था जहाँ 35 लोग झूलस गए थे और एक महिला की मौत हो गई थी' फैक्ट्री के प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया था आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली थी इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक पर लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिए' वर्ष 2019 में राजघानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे। एडीआरएफ की टीम ने 56 लोगों की जान बचा ली थी। यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी। आग लगने का कारण शार्टसर्किट था। भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंर्तगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है। पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी। लाशों के ढेर लग गए थे। चीखो पुकार मच गई थी। मजदूर खाक ह गए थे। कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। 2024 में भी उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं। गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।

मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा। पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है। लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था। आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके। दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए। यह बहुत ही दुखद है। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे। 500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टॉसफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था। इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुट्टी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती। नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा। मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे। सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें। यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है। एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए। इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में एक निमार्णाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से अधिक लोगों की इमारत के भितर दब गए थे। यह हादसा कनाकोना शहर में घटित हुआ था जो राजधानी पणजी से 80 किलोमीटर दूर था। यह हादसा दोपहर तीन बजे के करीब हुआ जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

हरियाणा के सीएम नायब सैनी बोले: हुड्डा से किए 19 सवाल आज तक नहीं दे पाए जवाब, अब हमसे मांग रहे हिसाब

कुरुक्षेत्र। भाजपा सरकार ने पोर्टल व ऑनलाइन व्यवस्था लागू कर कांग्रेस के समय से चल रही भ्रष्टाचार की लीकेज को बंद कर दिया है। अब बिना भ्रष्टाचार के ही लोगों के घर बैठे काम हो रहे हैं। इससे कांग्रेस व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का पेट खराब हो रहा है। भ्रष्टाचार बंद होने से उन्हें ही सबसे ज्यादा पीड़ा होने लगी है और इसलिए ही कहते घूम रहे हैं कि उनकी सरकार आई तो सबसे पहले पोर्टल बंद करेंगे। लेकिन प्रदेश की जनता उन्हें ऐसा करने का मौका देने वाली नहीं है।

चुटकी लेते हुए ये विचार मुख्यमंत्री नायब सैनी ने व्यक्त किए। वे अनाजमंडी में भारतीय मजदूर संघ के 70वें प्रदेश स्तरीय स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम को बंद कर इसमें लगे कर्मियों को बेरोजगार करते हुए घर बैठाने का हुड्डा का सपना भी कभी पूरा होने वाला नहीं है, क्योंकि प्रदेश सरकार ने इस निगम के अंतर्गत लगे कर्मियों का रोजगार सुरक्षित करने का फैसला मंत्रिमंडल में अध्यादेश पारित कर लिया है। अब इन कर्मियों को कोई खतरा नहीं है लेकिन वे एक अक्तूबर को हुड्डा को जरूर घर भेज देंगे।

नायब सैनी ने कहा कि उन्होंने भूपेंद्र हुड्डा से उनके कार्यकाल से जुड़े पहले पांच सवाल किए थे, जिनका उन्होंने 10 दिन इंतजार किया लेकिन हुड्डा कोई जवाब नहीं दे पाए। फिर उन्होंने 14 सवाल किए, जिनका भी वे आज तक कोई जवाब नहीं दे सके और ऐसे में उनका बेटा प्रदेश सरकार से हिसाब मांग रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस व हुड्डा के पास अपने 10 साल के शासन का एक भी काम जनता के बीच बताने योग्य नहीं है और अब वे केवल झूठ का सहारा लेकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं जबकि हर नागरिक सब कुछ जानता है। सम्मेलन को राज्यमंत्री सुभाष सुधा, संघ के प्रदेशाध्यक्ष अशोक कुमार व क्षेत्रिय संगठन मंत्री पवन कुमार ने भी संबोधित किया।

हुड्डा खा गए अधिकतर मलाई, सैलजा-सुरजेवाला को कम मिली तो लड़ रहे

नायब सैनी अपने पूरे संबोधन के दौरान चुटिले अंदाज में दिखाई दिए। उन्होंने हुड्डा के साथ-साथ कुमारी सैलजा व सुरजेवाला पर भी निशाना साधा और कहा कि जिन सवालों का हुड्डा जवाब नहीं दे पाए उनका ये दोनों जवाब दे दें, क्योंकि ये तो उनके साथ सत्ता में थे। सैनी ने कहा कि हुड्डा व सैलजा-सुरजेवाला के बीच लड़ाई सत्ता में मलाई खाने की रही है। अपने समय में सत्ता की अधिकतर मलाई तो हुड्डा खा गए और इनके हाथ कम लगी, जिसकी वजह से ही ये लड़ रहे हैं।

हाल-ए-पंजाब: लुधियाना के आप विधायक गुरप्रीत गोगी ने खुद के नाम का नींव पत्थर तोड़ा

लुधियाना। लुधियाना में आम आदमी पार्टी के हलका पश्चिमी से विधायक अपनी ही सरकार के अधिकारियों से इतने परेशान हो गए कि उन्होंने कुछ समय पहले अपना नाम लिखे नींव पत्थर को खुद ही तोड़ डाला। औजारों के साथ हैबोवाल बुड्ढा दरिया किनारे पहुंचे आप विधायक गुरप्रीत गोगी बस्सी ने अपनी सरकार के अधिकारियों पर कई गंभीर आरोप जड़ दिए और कहा कि अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते। इतना ही नहीं, अधिकारी सरकार को गलत रिपोर्ट भेज रहे हैं। विधायक गोगी ने कहा कि बुड्ढा नाला साफ करने को लेकर करोड़ों रुपये ले लिए गए, लेकिन अभी तक बुड्ढा नाला साफ नहीं हुआ। बुड्ढा नाला साफ करने को लेकर आप सरकार काम कर रही है, लेकिन अधिकारी उनकी सरकार को बदनाम करने पर तुले हैं।

गुरप्रीत गोगी बस्सी ने बताया कि बुड्ढा नाला साफ करने का प्रोजेक्ट कोरोना काल में टेंडर लाया गया था और इसे एक कंपनी को साढ़े छह सौ करोड़ रुपये में कांट्रेक्ट दे दिया। हैरानी की बात यह है कि नाला साफ करने वाली कंपनी अभी तक 588 करोड़ रुपये ले जा चुकी है। अधिकारियों ने 34 करोड़ रुपये कंपनी को एएमसी के भी दे दिए। जब उन्होंने कुछ समय पहले हुई विधानसभा कमेटी की मीटिंग में उक्त मुद्दा उठाया तो अधिकारी कोई जवाब नहीं दे सके।

विधायक गोगी ने आरोप लगाया कि नगर निगम के अधिकारी जमीनी स्तर पर बिल्कुल काम नहीं कर रहे। विधायकों की अधिकारी सुनवाई नहीं करते, जिस कारण बुड्ढा दरिया का काम नहीं किया जा रहा। आज हालात ये बने हैं कि लोग दूषित पानी पीने को मजबूर है। कैंसर की बीमारियों से लोग ग्रसित हो रहे हैं। गोगी ने कहा कि आने वाले दिनों में उन्हें अनशन करना पड़ा तो वह करेंगे। आप विधायक गोगी ने बताया कि बुड्ढा दरिया की सफाई करने में पॉल्यूशन बोर्ड और सीवरेज बोर्ड के अधिकारी बुरी तरह नाकाम है। गोगी ने कहा कि आज यह नींव पत्थर इसलिए तोड़ा गया है क्योंकि यह पत्थर उनके नाम को कलंकित कर रहा है। बुड्ढा दरिया साफ ही नहीं हो रहा तो वह अपना नाम पत्थर पर क्यों लिखवाए।

अधिकारी सरकार को बदनाम करने के लिए गलत काम कर रहे हैं और गलत रिपोर्ट सरकार को भेज रहे हैं। आप सरकार लोगों की है और लोगों के पैसों को गलत जगह इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा। वह इस बारे में मंत्री से भी बात करेंगे, ताकि इस पर कोई एक्शन हो सके।

आम आदमी पार्टी में कुछ ठीक नहीं चल रहा : रजनीश धीमान...इस मामले में जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने कहा कि आप विधायक द्वारा खुद का नींव पत्थर तोड़ने से साबित हो गया कि आम आदमी पार्टी में कुछ ठीक नहीं चल रहा। आम आदमी पार्टी में विधायकों की कोई सुनवाई नहीं हो रही।

अगर विधायकों का सरकार में कोई कार्य नहीं हो रहा तो आम आदमी की तो कोई बिसात ही क्या है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व अमृतसर में भी मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा एक स्कूल का नींव पत्थर रखा गया था, परंतु उस समय उनकी सरकार के अपने विधायक द्वारा इस बात को लेकर आपत्ति जताई गई थी। विधायक ने कहा था कि ये स्कूल आम आदमी पार्टी के सता में आने से पहले बना था। परंतु मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दोबारा फिर भी उस स्कूल का नींव पत्थर रखा, जिससे साफ जाहिर हो गया कि आम आदमी पार्टी की सरकार दिखावे की सरकार है।

फर्जी नींव पत्थर तोड़ना सराहनीय : बिक्रम मजीठिया...पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि बुड्ढा दरिया की सफाई के लिए फर्जी नींव का पत्थर तोड़ना सराहनीय कदम है। आम आदमी पार्टी के नेताओं को अब यह एहसास होने लगा है कि उनकी सरकार केवल लोगों को मूर्ख बनाने के लिए राजनीति का सहारा ले रही है।

पंजाबी पहले से ही आप सरकार द्वार ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, जो केवल झूठ और फर्जी दावों का सहारा ले रही है और झूठे विज्ञापनों पर सालाना एक हजार करोड़ रुपये अधिक खर्च कर रही है, जबकि इन पर कुछ भी नही किया गया है।

मतदान के दौरान लंबी छुट्टियों से भाजपा की बढ़ी चिंता, चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदान की तारीख ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। राज्य में एक अक्तूबर को चुनाव होने हैं। मतदान की तारीख के आगे और पीछे छुट्टियां पड़ रही हैं। एक साथ कई छुट्टी होने की वजह से लोग बाहर घूमने जा सकते हैं, जिसका असर मतदान पर पड़ सकता है।

ऐसे में भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भारत निर्वाचन आयोग और हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिख मतदान की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की है। मुख्य चुनाव अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि उन्हें भाजपा का पत्र मिल चुका है, जिस पर उपयुक्त फैसला लेने के लिए निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया है। आयोग को लिखे पत्र में भाजपा ने दलील दी है कि 28 व 29 सितंबर को शनिवार व रविवार है। एक अक्तूबर को मतदान होने की वजह से छुट्टी है। दो अक्तूबर को गांधी जयंती और तीन को अग्रसेन जयंती है। 30 की छुट्टी लेकर छह दिन का लंबा वीकेंड पड़ रहा है। ऐसे में लोग छुट्टियां मनाने प्रदेश के बाहर जा सकते हैं जिससे मतदान प्रतिशत प्रभावित हो सकता है।

बिश्नोई समाज के धार्मिक अनुष्ठान का भी हवाला...भाजपा ने अपने पत्र में यह भी तर्क दिया है कि दो अक्तूबर को आसोज की अमावस्या होने के कारण बीकानेर के मुकाम गांव में बिश्नोई समाज का धार्मिक अनुष्ठान है। इसके लिए बिश्नोई समाज के काफी लोग एक अक्तूबर को ही पहुंच जाते हैं। इसका भी मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। भाजपा ने आयोग से मतदान की निर्धारित तारीख को बदलने का अनुरोध किया है। साथ ही यह भी कहा है कि अगली तारीख रखते हुए यह ध्यान रखा जाए कि मतदान की तिथि से एक दिन पहले और मतदान के अगले दिन अवकाश न हो। ऐसा होने से ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान में हिस्सा ले सकेंगे।

चुनाव आयोग ने बीते हफ्ते चुनाव की तारीख की घोषणा की थी। इसके मुताबिक पांच सितंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी होनी है। एक अक्तूबर को मतदान और चार को परिणाम घोषित किए जाने हैं।

पंजाब विधानसभा चुनाव की तारीख बदली गई थी...चुनाव आयोग इससे पहले भी तारीख में बदलाव कर चुका है। साल 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव की तारीख 14 फरवरी निर्धारित की गई थी। इसके दो दिन बाद रविदास जयंती थी। पंजाब के काफी लोग रविदास जयंती मनाने उत्तर प्रदेश के वाराणसी जाते हैं। पंजाब के राजनीतिक दलों के अनुरोध के बाद चुनाव आयोग ने मतदान की तारीख में परिवर्तन कर दिया था।

लोकसभा चुनाव में गर्मी की वजह से कम हुआ था मतदान...इस बार लोकसभा चुनाव में गर्मी की वजह से मतदान प्रतिशत में करीब पांच फीसदी की गिरावट आई थी। 25 मई को भीषण गर्मी थी और लोग घरों से मतदान के लिए नहीं निकले। 2019 में करीब 70 फीसदी मतदान हुआ था। जबकि बीते मई को 65 फीसदी मतदान दर्ज किया गया था।

जमीनी विवाद में महिला पर फायरिंग करके जानलेवा हमला करने के मामला

रेवाड़ी। धारूहेड़ा पुलिस ने गांव मामड़िया अहीर में जमीनी विवाद में एक महिला पर फायरिंग करने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जिला झज्जर के गांव अकेहड़ी मदनपुर निवासी साहिल व अंकुश के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस ने बताया की 5 जून को गांव मामड़िया अहीर निवासी एक महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि 5 जून को उसका पति पिकअप गाड़ी को लेकर कोसली गया था।

उसका बेटा और पुत्रवधु भी ड्यूटी पर गए हुए थे। वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान एक स्कूटी और तीन बाइकों पर कुछ युवक उसके घर के पास आए। उनके साथ उनके गांव का सचिन भी था। सचिन के साथ उनका जमीनी विवाद चल रहा है।

इसको लेकर सचिन और उसके साथियों ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसको जान से मारने की नियत से गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बाद में सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस आरोपियों के खिलाफ थाना खोल में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में 6 आरोपी नितिन, सचिन, सुधीर, सुनील, अर्जुन उर्फ बवानिया व संदीप उर्फ बदमाश को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में पुलिस ने दो और आरोपी जिला झज्जर के गांव अकेहड़ी मदनपुर निवासी साहिल व अंकुश को भी गिरफ्तार कर लिया है।

भ्रष्टाचार पर एक्शन: बिजली मंत्री ने पैसे मांगने वाले जेई को बैठक में ही किया बर्खास्त

चंडीगढ़। पंजाब के बिजली एवं लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ने मोगा में विकास कार्यों और लोक कल्याण योजनाओं की प्रगति कार्यों की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसी दौरान मंत्री ने काम के बदले कथित तौर पर पैसे की मांग करने वाले पीएसपीसीएल के जेई (सब डिवीजन बिलासपुर) को मौके पर ही निलंबित कर दिया।

इसके अलावा पीएसपीसीएल के साथ काम करने वाली एक कंपनी के कर्मचारी को भ्रष्टाचार के आरोप में मौके पर ही नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। विभाग के 13 अफसरों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। मंत्री ने बताया कि बैठक के दौरान बिलासपुर गांव के एक निवासी ने आरोप लगाया कि बिजली का खंभा लगाने के लिए आरोपी जेई ने निजी कंपनी के कर्मचारी के माध्यम से 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। इस पर कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मौके पर ही जेई को निलंबित करने और निजी कंपनी के कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त करने का आदेश दिया।

सरकारी स्कूलों में पढ़ाई और अनुशासन व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उन्होंने डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल से कहा कि वह सभी एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से सभी स्कूलों की औचक जांच करवाएं। जहां भी कोई कमी पाए जाए, वहां आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस दौरान बैठक में विधायक मोगा अमनदीप कौर अरोड़ा, विधायक निहाल सिंह वाला मनजीत सिंह बिलासपुर, विधायक बाघापुराना अमृतपाल सिंह सुखानंद, विधायक धर्मकोट दविंदरजीत सिंह लाडी ढोंस, डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल, जिला पुलिस प्रमुख डॉक्टर अंकुर गुप्ता, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर जगविंदरजीत सिंह ग्रेवाल व चारुमिता, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन हरमनदीप सिंह, नगर सुधार ट्रस्ट मोगा के चेयरमैन दीपक अरोड़ा, नगर निगम के मेयर बलजीत सिंह चानी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सभी स्कूलों, अस्पतालों और आयुष अस्पताल की इमारतों में सौर ऊर्जा की व्यवस्था हो...बैठक के दौरान मंत्री हरभजन सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है, उन्हें जल्द से जल्द शुरू किया जाए। अधिकतम योग्य व्यक्तियों के लिए श्रमिक कार्ड बनाए जाएं। पटवारियों की रेशनेलाइजेशन की जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी स्कूलों, अस्पतालों और आयुष अस्पताल की इमारतों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाए। ह्यआप दी सरकार, आप दे दुआरह्न अभियान के तहत चल रहे कैंपों का अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिया जाए। उन्होंने पंजाब रोडवेज के जनरल मैनेजर से कहा कि जरूरत के अनुसार सरकारी बस सेवा को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए।

हरियाणा के सीएम पद की राह मुश्किल, सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा ने पेश की दावेदारी

हिसार। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करते हुए शुक्रवार को कहा कि हर समुदाय या व्यक्ति की महत्वाकांक्षा होती है और (उनकी) क्यों नहीं हो सकती। उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा का भी संकेत दिया और कहा कि वह राज्य में काम करने की इच्छुक हैं, लेकिन इस बारे में अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान को करना है।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष और सिरसा से लोकसभा सदस्य ने राज्य में कांग्रेस के भीतर गुटबाजी को लेकर कहा कि हर संगठन में लोगों की महत्वाकांक्षा और व्यक्तिगत स्थान के लिए जद्दोजहद होती है, लेकिन टिकट वितरण के साथ ही सभी जमीन पर उतरकर पार्टी के लिए काम करते हैं।कांग्रेस की तरफ से दलित समुदाय के किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद का मौका मिलना चाहिए इस सवाल पर सैलजा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आए। हमें विश्वास है कि विधानसभा चुनाव में बहुत अच्छे नतीजे आएंगे और (कांग्रेस की) सरकार बनेगी। हमारे देश में जाति एक वास्तविकता है। सबकी उम्मीदें भी होती हैं, चाहे व्यक्तिगत रूप से हों या सामुदायिक रूप से, यह होता है। सैलजा ने कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय का अधिकतर वोट कांग्रेस की तरफ गया है और यह समुदाय कांग्रेस का आधार रहा है।

सैलजा ने कहा कि उम्मीदें होती हैं। अगर कोई समुदाय या कोई भी, अपने आपको मुख्यमंत्री के रूप में पेश करता है और उम्मीद करता है, तो आज के दिन जागरूकता बढ़ चुकी है, एससी समुदाय क्यों नहीं? इतना विश्वास होना चाहिए कि हम भी खड़े होकर कहें कि हम क्यों नहीं? क्या मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जैसा कि मैंने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर और समुदाय के स्तर पर लोगों की महत्वाकांक्षाएं होती हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री पद के चेहरे से जुड़े सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गत 13 अगस्त को कहा था कि वह न तो ह्यटायर्ड हैं और न ही रिटायर्ड हैं, लेकिन पार्टी को बहुमत मिलने पर आलाकमान मुख्यमंत्री के बारे में फैसला करेगा। इस सवाल पर कि क्या वह विधानसभा चुनाव लड़ेंगी, सैलजा ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भी मैंने कहा था कि केंद्र की राजनीति काफी कर ली है, तो इस बार राज्य में जाकर काम करें। एक सच्चाई है कि लोगों के काम राज्य से ज्यादा संबंधित रहते हैं। राज्य में जाकर काम करना है, यह मेरी इच्छा है। अंतिम फैसला आलाकमान ही करेगा, लेकिन इच्छा है।

किसान की सिर में लाठी से हमला कर हत्या गाड़ी साइड में लगाने को लेकर हुआ था झगड़ा

सोनीपत सोनीपत के गांव बोहला में खेत के पड़ोसी ने गाड़ी हटाने के विवाद में किसान पर लाठी से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देकर हमलावर भाग निकला। परिजनों ने किसान को खानपुर मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना के बाद पहुंची मोहाना थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी हे। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांव बोहला निवासी जसमेर ने मोहाना थाना पुलिस को बताया कि वह एक निजी विवि में चालक है। वह शुक्रवार देर शाम अपने बड़े भाई भगवान देव (53) के साथ पानी की डिग्गी वाले खेत में काम करने गए थे। उन्होंने गांव के ही सुनील के खेत को पट्टे पर ले रखा है। दोनों भाई गाड़ी लेकर खेत में गए थे। खेत में पहुंचने के बाद गाड़ी को रास्ते में एक तरफ खड़ा कर दिया। इसी दौरान सुनील का भाई कप्तान आकर उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। वह गाड़ी हटाने को लेकर गालियां दे रहा था। साथ ही धमकी देने लगा कि उन्होंने उसके भाई की जमीन पट्टे पर किसलिए ली है। वह उन्हें मजा चखाने की धमकी देने लगा।

इसी बीच आरोपी कप्तान ने हाथ में ली लाठी से उनके भाई के सिर पर वार कर दिया। उसने उनके भाई के सिर के साथ ही कमर व अन्य हिस्सों पर कई वार कर दिए। जब वह अपने भाई पर हमला होता देखकर उन्हें बचाने को भागे तो कप्तान उन्हें देखकर वहां से भाग गया। वह अपने परिजनों की मदद से भाई भगवान देव को लेकर खानपुर मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में पहुंचे।

कपड़ा मार्केट में अचानक हुआ धमाका, महिला बुरी तरह झुलसी

अंबाला। अंबाला सिटी की प्रतिष्ठित कपड़ा मार्केट के पास एक खाली स्थान पर धमाका हो गया। जिसमें एक महिला झुलस गई। महिला को यहां से स्थानीय लोगों ने शहर के नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां से हालत गंभीर देखते हुए महिला को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई जो मामले की पड़ताल में जुटी हुई है। स्थानीय लागों ने बताया कि कपड़ा मार्केट के पास जिस जगह धमाका हुआ है वहां पर अक्सर कचरा पड़ा रहता है। 35 वर्षीय महिला सुबह 10 बजे करीब यहां पर किसी कार्य से आई थी। तब धमाके की आवाज आई। जब स्थानीय लोगों ने जाकर देखा तो महिला के शरीर में आग लगी हुई थी। आग को बुझाने के बाद महिला को एंबुलेंस बुलाकर नागरिक अस्पताल भेजा गया। वहीं पुलिस को घटना की जानकारी दी है। बताया जाता है कि महिला शहर के स्वामीया मोहल्ला की रहने वाली है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और पता लगा रही है कि किस प्रकार से घटना घटित हुई। महिला को चंडीगढ़ पीजीआई उपचार के लिए भेज दिया गया है। चिकित्सकों की मानें तो महिला लगभग 80 प्रतिशत झुलस गई है।

30 अप्रैल के बाद बिना सेल डीड के अवैध निर्माण ढहाएगी सरकार

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य में अवैध कॉलोनियों के बढ़ते दायरे को रोकने के लिए सख्त कदम उठाया है। सरकार ने प्रदेश में अप्रैल 2024 के बाद बिना सेल डीड के हुए अवैध निर्माण को तोड़ने के आदेश जारी किए हैं। पंजाब हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट ने प्रदेश के स्थानीय निकायों को 30 अप्रैल के बाद नए अवैध निमार्णों को तोड़ने के लिए गूगल के पुख्ता इमेजेस का डाटा भी खंगालने के लिए कहा है।

विभाग के अनुसार इस अवधि में प्रदेश में 250 के करीब अवैध निर्माण हुए हैं। इनको गिराने के लिए विभाग जल्द ही विशेष अभियान चलाएगा। अप्रैल 2024 से पहले प्रदेशभर में बिना सेल डीड के जो भी अवैध निर्माण हुए हैं, उन्हें रेगुलराइज किए जाने या कोई समाधान निकालने के लिए एक प्रस्ताव 'द पंजाब लॉज (स्पेशल प्रोविजन फॉर रेगुलराइजेशन ऑफ अनअथॉराइज्ड कॉलोनीज) एक्ट'-2018 के तहत सरकार के पास विचाराधीन है। इस पर सरकार के स्तर पर फैसला होगा।पंजाब हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट के सचिव राहुल तिवारी ने पटियाला, बठिंडा, लुधियाना, जालंधर और अमृतसर जोन के चीफ एडमिनिस्ट्रेटरों और जिला अधिकारियों को आदेश भेज दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जहां भी नया अवैध निर्माण हो रहा है उसको ढहाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके अलावा पुरानी अवैध कॉलोनियों में जहां भी बीते तीन महीनों में बिना सेल डीड के (मई से 31 जुलाई 2024 तक) निर्माण हुए हैं, उनके ऊपर भी कार्रवाई की जाए।

सेल डीड से जुड़े दस्तावेजों का सत्यापन करेगा विभाग...31 जुलाई 2024 से पहले जिन अवैध कॉलोनियों में प्रॉपर्टी को लेकर सेल डीड हुई है, उनके रिकॉर्ड और दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए पंजाब हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट ने स्थानीय निकाय विभाग से भी दस्तावेजों के सत्यापन में मदद मांगी है। पुराने सेल डीड का रिकॉर्ड हर जिला में निकायों के पास भी उपलब्ध है।

प्रदेश में कई ऐसी कॉलोनी है, जिनकी सेल डीड 19 मार्च 2018 से पहले हुई है, ऐसे में इनके रिकॉर्ड की वेरिफिकेशन में विभाग को एक बड़े स्तर पर अटकलों का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि पुराने रिकॉर्ड को खंगालना और उनकी वेरिफिकेशन एक बड़ी चुनौती है। जहां प्रदेश में 15 हजार अवैध कॉलोनी से जब जुड़ा मामला हो।

आरोपियों ने घर में घुसकर बच्चों के सामने मारी गोली, हाथ जोड़ते रहे मासूम

अमृतसर अमृतसर के गांव दबुर्जी में एनआरआई पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह सात बजे दो आरोपी घर में घुसे और एनआरआई सुखचैन सिंह की बुजुर्ग मां और बच्चों के सामने उस पर फायरिंग कर दी। सुखचैन को दो गोलियां लगी हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

इस दौरान मासूम बच्चे हमलावरों के सामने हाथ जोड़ते रहे। सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। घायल एनआरआई एक माह पहले ही अमेरिका से लौटा था।

आरोपियों ने मांगे थे कार के दस्तावेज....जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह एनआरआई सुखचैन सिंह अपने घर पर थे। आरोपी बाइक पर आए थे। उन्होंने सुखचैन सिंह से कार के दस्तावेज दिखाने को कहा जिसका उसने विरोध किया। इसके बाद आरोपियों ने पिस्तौल निकाल कर उस पर गोली चला दी।

परिवार वालों ने घायल सुखचैन सिंह को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वारदात की सूचना मिलने पर एडीसीपी हरपाल सिंह मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। घर के बाहर लगे सीसीटीवी में आरोपियों के चेहरे साफ दिखाई दे रहे हैं।

वहीं इस मामले में डीजीपी गौरव यादव ने अमृतसर पुलिस कमिश्नर को सख्त कार्रवाई के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। जांच में स्पेशल डीजीपी राजेंद्र ढोके की भी जिम्मेदारी लगाई गई है। आज शाम को राजेंद्र ढोके अमृतसर पहुंचेंगे।

पहली पत्नी ने की थी आत्महत्या...एडीसीपी हरपाल सिंह ने बताया कि सुखचैन सिंह की पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी। इसी बात को लेकर उनका अपने ससुराल पक्ष के साथ विवाद चल रहा है। करीब पांच महीने पहले सुखचैन सिंह को जान से मारने की धमकी भी मिली थी।

'संप्रभुता-क्षेत्रीय अखंडता पर भारत का समर्थन यूक्रेन के लिए अहम', PM मोदी की यात्रा पर जेलेंस्की

कीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से कीव में मुलाकात की। यह मुलाकात युद्धग्रस्त देश की ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा थी। इस मुलाकात के बाद जेलेंस्की गदगद हैं। उन्होंने पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा को सराहा। साथ ही कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति प्रतिबद्ध है और कीव की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करता है।

भारत-यूक्रेन संबंधों का इतिहास... भारत ने सोवियत संघ के विघटन के बाद दिसंबर 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता को मान्यता दी। इसके बाद 17 जनवरी 1992 को दोनों देशों के बीच औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित हुए। भारत ने 1992 में कीव में अपना दूतावास खोला, जबकि यूक्रेन ने 1993 में नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला। सन् 1992 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से यह प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन की पहली यात्रा है।

भारतीय पीएम ने युद्ध में मारे गए बच्चों को दिया सम्मान: जेलेंस्की... यूक्रेन के राष्ट्रपति ने युद्ध में मारे गए यूक्रेन के बच्चों की स्मृति को सम्मान देकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई उनकी यात्रा की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि वह इस युद्ध के दौरान भारत द्वारा प्रदान किए गए मानवीय सहायता पैकेजों के लिए आभारी हैं। बता दें, पीएम मोदी शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रीय इतिहास संग्रहालय में युद्ध में मारे गए बच्चों पर मल्टीमीडिया शहीद प्रदर्शनी को देखने पहुंचे थे। उन्होंने संघर्ष में मारे गए बच्चों की मौत पर दुख व्यक्त किया था।

सहायता पैकेजों के लिए हम आभारी... जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन का दौरा किया, जो भारत और स्वतंत्र यूक्रेन के बीच संबंधों की स्थापना के बाद से इस तरह की पहली यात्रा है।

हमारे बीच हुई बातचीत व्यापक थीं, जिनमें यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध और न्यायपूर्ण शांति का मुद्दा शामिल था। हम दिल से सराहना करते हैं कि प्रधानमंत्री ने रूस के हमले में मारे गए यूक्रेनी बच्चों की स्मृति का सम्मान करते हुए अपनी यात्रा शुरू की। मैं इस पूरे युद्ध के दौरान भारत द्वारा प्रदान किए गए मानवीय सहायता पैकेजों के लिए आभारी हूं।'

दुनिया भर के नेता स्पष्ट रुख व्यक्त करें... उन्होंने आगे कहा कि यह जरूरी है कि अधिक से अधिक वैश्विक नेता स्पष्ट रूप से अपना रुख व्यक्त करें और ठोस शब्दों में अपना समर्थन प्रदर्शित करने के लिए यूक्रेन का दौरा करें। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, ''हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति प्रतिबद्ध है और हमारी संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के मूल सिद्धांतों का समर्थन करता है। भारत शांति फामूर्ले पर हमारे कार्य में भी शामिल है, जिसका शांति शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधित्व किया गया है और संबंधित समूहों में भाग लिया गया है। यह सब हमें उम्मीद देता है और यह महत्वपूर्ण है कि जितना संभव हो उतने वैश्विक नेता अंतरराष्ट्रीय कानून के मूलभूत मानदंडों पर अपना रुख स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और अपना समर्थन दिखाने के लिए यूक्रेन का दौरा करें।'

पाकिस्तान में हालात बदतर: शिक्षा के मानकों पर खरे नहीं उतरते देश के 134 जिले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के योजना आयोग की तरफ से जारी की गई एक रिपोर्ट ने देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। दरअसल, हाल ही में जारी की गई पाकिस्तान की जिला शिक्षा प्रदर्शन सूचकांक रिपोर्ट 2023 में सामने आया है कि पाकिस्तान की शिक्षा वितरण प्रणाली अब पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। इसके चलते लोगों को या तो बिना शिक्षा हासिल किए या फिर कम से कम पढ़ाई के साथ नौकरी करनी पड़ रही है।

इस रिपोर्ट के पाकिस्तान में ब्रिटेन के उच्चायुक्त द्वारा लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल भी मौजूद रहे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इस्लामाबाद को छोड़कर पाकिस्तान के सभी 134 जिले शिक्षा के अलग-अलग मानकों पर खरे नहीं उतरते। इनमें शिक्षण संस्थानों-छात्रों के

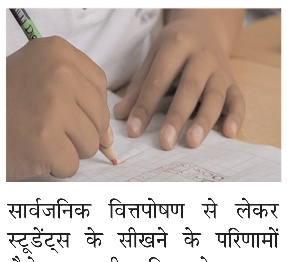

सार्वजनिक वित्तपोषण से लेकर स्टूडेंट्स के सीखने के परिणामों जैसे मानक भी शामिल रहे।

किसी भी जिले को उच्च-प्रदर्शन की रेटिंग नहीं... रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान का नक्शा इन दोनों मानकों पर पूरी तरह लाल रंग से रंगा है यानी इन दोनों मानकों पर एक भी जिले की हालत ठीक नहीं है। कई लोगों के लिए यह मुद्दा आर्थिक संकट जितना ही खतरनाक है। लगभग सभी जिलों को या तो मध्यम या निचले प्रदर्शन के वर्ग में रखा गया। कोई भी जिला प्रभावी नतीजे हासिल करने वाले जिले में शामिल नहीं हो पाया। पाकिस्तान में जिलों के यह हाल वहां खराब शासन, शिक्षण व्यवस्था में भारी कमी और शैक्षणिक कामों के लिए कम बजट को भी दशार्ती हैं। देश के 134 में से किसी भी जिले को उच्च-प्रदर्शन की रेटिंग नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल न जाने वाले 80 फीसदी बच्चों ने तो कभी स्कूल की शक्ल तक नहीं देखी। इसमें शिक्षा के उन क्षेत्रों के बारे में भी बताया गया है, जहां सुधार किए जाने की सबसे ज्यादा जरूरत है। खासकर इंटरनेट कनेक्टिविटी, अंकों और पढ़ने की क्षमता, शिक्षा बजट में बढ़ोतरी, स्कूलों की मौजूदगी और इसकी व्यवस्थाओं में सुधार की जरूरत बताई गई। पाकिस्तान में सबसे खराब शिक्षा व्यवस्था वाले अधिकतर जिले बलूचिस्तान और सिंध में मौजूद हैं। जहां सिंध के 33 जिले तो वहीं बलूचिस्तान के 22 जिलों में शिक्षा व्यवस्था बेहद खराब पाई गई।

मुजफ्फरपुर: 3 साल की बच्ची का सूटकेस में शव मिलने से हड़कंप, मां भी लापता

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 3 साल की बच्ची का शव सूटकेस में मिलने से हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, बच्ची अपनी मां के साथ अपनी मौसी की बर्थडे पार्टी में गई थी। मामला निराला निकेतन मार्ग का है। यहां 3 साल की बच्ची का शव सूटकेस में बंद मिला। बच्ची अपनी मां के साथ मौसी की बर्थडे पार्टी में गई थी। आशंका जताई जा रही है कि बच्ची की हत्या करने के बाद शव को सूटकेस में बंद करके फेंका गया है। हैरानी की बात ये भी है कि बच्ची की मां लापता है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

बच्ची की पहचान मिस्टी के रूप में हुई है। बच्ची की मां काजल अभी तक लापता है। स्थानीय लोगों ने घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी। शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल की छानबीन की।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है।

शव मिलने के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। बताया जाता है कि काजल घर से अपनी पुत्री मिस्टी को लेकर अपने बहन के घर शुक्रवार को बर्थडे पार्टी के लिए निकली थी। शनिवार को स्थानीय लोगों ने झाड़ी में लाल रंग के सूटकेस को देखा। नजदीक से देखने पर बच्ची का शव दिखा। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सूटकेस को खोलकर देखा तो दंग रह गए।

सूटकेस के अंदर बच्ची का शव था। शव की सूचना पर बच्ची के पिता ने मौके पर पहुंचकर पहचान की। परिजनों ने आशंका जताई है कि बच्ची की हत्या कर शव को फेंका गया है। बच्ची के पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। वार्ड पार्षद इकबाल हुसैन ने बताया की एक बच्ची का सूटकेस में बंद शव मिलने की सूचना मिली है।

मां का मोबाइल बंद है और गायब है। पिता ने गायब मां के लिए लिखित आवेदन दिया था। पुलिस जांच कर ही रही थी कि शव झाड़ी में लाल रंग के सूटकेस में बंद मिला।

दक्षिण फ्रांस में यहूदियों के धार्मिक स्थल पर आगजनी का प्रयास, एक पुलिसकर्मी घायल, जांच जारी

पेरिस। फ्रांस के दक्षिण शहर ला ग्रांडे-मॉटे में शनिवार सुबह एक बड़ी घटना घटी। यहां एक सिनेगॉग पर आगजनी का प्रयास किया गया, जिससे एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। यह हमला तब हुआ जब स्थानीय यहूदी समुदाय के लोग धार्मिक उत्सव सब्बाथ के लिए सिनेगॉग में इकट्ठा हुए थे। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सिनेगॉग पर हमले की जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। सिनेगॉग का अंदर से दरवाजा बंद था, जिसे तोड़कर पुलिस ने घायल अधिकारी को बाहर निकाला और उसे मेडिकल सहायता प्रदान की। घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए आतंकवाद निरोधक अधिकारियों की एक टीम गठित की गई।

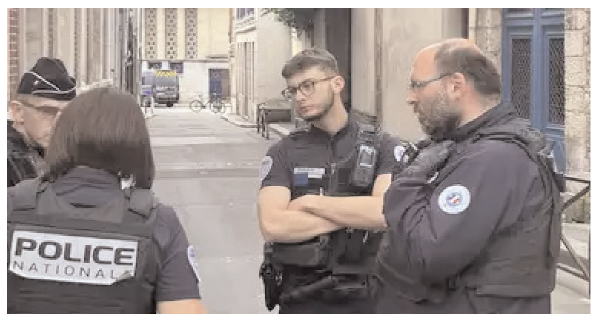

प्रधानमंत्री अट्टाल ने घटना पर क्या कहा... फ्रांस के प्रधानमंत्री गेब्रियल अट्टाल ने इस हमले की निंदा की और इसे 'एंटी सेमिटिक' (यहूदी विरोधी भावना से प्रेरित) हमला बताया।

उन्होंने कहा कि यह हमला यहूदी समुदाय को निशाना बनाने के लिए किया गया। अट्टाल ने यह भी बताया कि जांच की जिम्मेदारी राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक अभियोजक कार्यालय को सौंप दी गई है।प्रधानमंत्री अट्टाल ने कहा कि वे और गेराल्ड डारमेनिन (फ्रांस के गृह मंत्री) आज दोपहर घटनास्थल पर जाएंगे और यहूदियों के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि यह हमला यहूद समुदाय के खिलाफ एक घिनौनी कोशिश है और इस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, गेराल्ड डारमेनिन ने कहा कि आगजनी का प्रयास एक हमला था। उन्होंने यहूदी नागरिकों और नगरपालिकाओं को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। डारमेनिन ने कहा कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निर्देश पर सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि हमलावर को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

सात अक्तूबर के बाद यहूदियों के खिलाफ बढ़ी हिंसा... फ्रांस में यहूदी समुदाय हाल के दिनों में मुश्किल दौर का सामना कर रहा है। सात अक्तूबर को हमास ने इस्राइल पर हमला किया था और इस के बाद गाजा में युद्ध छिड़ गया था। इसके चलते फ्रांस में भी यहूदी समुदाय के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं।

पापा मैं दारोगा बन गया...इतना सुनते ही रोने लगा सब्जी बेचने वाला बाप!

संवाददाता।

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी के कचोर गांव के रहने वाले सेराजुल राइन ने बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की परीक्षा पास कर सब-इंस्पेक्टर बनकर सबको चौंका दिया है। गरीब परिवार से आने वाले सेराजुल ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उनके पिता बुधन राइन सब्जी बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सेराजुल की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि इससे पहले उनका चयन रेलवे के ग्रुप डी में भी हुआ था। लेकिन सेराजुल के मन में कुछ बड़ा करने की चाहत थी और उन्होंने हार नहीं मानी। वे लगातार मेहनत करते रहे और आखिरकार सब-इंस्पेक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर लिया। सेराजुल की सफलता की कहानी उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा है जो गरीबी और संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते। सेराजुल ने दिखा दिया है कि अगर मन में कुछ कर गुजरने की चाहत हो तो हर मुश्किल आसान हो जाती है। सेराजुल के पिता बुधन राइन ने बताया कि उन्हें अपने बेटे पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा कि सेराजुल ने हमेशा पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कभी भी अपनी गरीबी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

सेराजुल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और बड़े भाई मेराजुल को दिया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सेराजुल ने बताया कि उन्होंने अपनी पढ़ाई सेल्फ स्टडी करके की है। उन्होंने बताया कि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लक्ष्य के प्राप्ति को लेकर परिश्रम करने से जरूर सफलता मिलती है। कहा कि संसाधन बिना भी आप बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं। शारीरिक परीक्षा की तैयारी उन्होंने पटना के हज भवन में की। सेराजुल की सफलता पर उनके गांव में खुशी का माहौल है। उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। सभी लोग उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं।

मोतिहारी: गण्डक नदी का पुछरिया मलाही टोला के समीप हो रहा कटाव

कटाव नही रुका तो पांच हजार की आबादी हो सकती प्रभावित

संवाददाता।

मोतिहारी । जिले में गण्डक नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही पुछरिया के मलाही टोला गांव पर एक बार फिर से गण्डक नदी से कटाव शुरू हो गया हैं। जिसके कारण पुछरिया मलाही टोला के का अस्तिव मिटने के कगार पर पहुच गया हैं। ग्रामीण अरुण तिवारी ,राघव सिंह,रविरंजन सिंह, रामचन्द्र सिंह, नवल सिंह, सूरज यादव,विनोद सहनी ,बुनिलाल सहनी, चन्द्रकिशोर सहनी आदि बताया की कटाव तेजी से जारी हैं। लेकिन जल संसाधन विभाग केवल जाएजा ले रहा है।

अगर समय रहते कटावरोधी कार्य नही हुआ तो कटाव स्थल से महज पांच से दस मीटर की दूरी से

गांव शुरू हैं इसे नहीं रोका गया तो रातों रात कई आवासीय गण्डक नदी में समाहित हो सकता हैं।जिसमें लगभग पांच से दस हजार की आबादी प्रभावित हो सकती हैं । पूर्व में ग्रामीणों की मांग थी कि बोरी में ईंट के टुकड़ा भर पक्का कटावरोधी कार्य कराया जाय लेकिन विभाग एक माह पूर्व बोरी में बालू भर कर हाथी पाव विधि से कटावरोधी कार्य किया जो किसी काम का नहीं रहा और कटाव रोकने के लिए संवेदको द्वारा डाली गई बोरी नदी में समाहित हो चुका हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यदि समय रहते गांव को नहीं बचाने की कवायद विभागीय स्तर से शुरू नहीं जाता हैं तो गांव को बचाने के लिए ग्रामीणों को मजबूरन सड़क पर। उतर कर आंदोलन शुरू करना पड़ेगा।प्रमुख सुनीता देवी के प्रतिनिधि नितेश कुमार ने जल्द से जल्द कटावरोधी कार्य कराने की मांग किया हैं ताकि तत्काल गांव को किसी तरह बचाया जा सके।अगर जल संसाधन विभाग देरी करता हैं कटाव नही रुका तो पुछरिया गांव दस हजार की आबादी का जिम्मेदार कौन होगा।

चीन में आसमान से बरसी आफत भारी बारिश-भूस्खलन से 11 की मौत

बीजिंग। चीन के लियाओनिंग प्रांत में हुई मूसलाधार बारिश से भारी तबाही हुई है। इस तबाही ने 11 लोगों की जान ले ली है और 14 अन्य अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। भारी बारिश की वजह से आधारभूत ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लियाओनिंग प्रांत के हुलुदाओ इलाके में भारी बारिश के चलते सड़कें, पुल, कम्युनिकेशन नेटवर्क और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। एक अनुमान के मुताबिक करीब 1.44 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

11 लोगों की गई जान... इस तबाही में जियानचांग काउंटी और सुइझोंग काउंटी को सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ा है। बारिश के चलते हुए भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदाओं में 11 लोगों की जान गई है और 14 अन्य लापता हैं। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। साथ ही प्रभावित इलाकों में ऊर्जा ढांचे और संचार ढांचे को बहाल करने की कोशिश की जा रही है। बारिश की वजह से 9 राष्ट्रीय राजमार्ग और प्रांतीय सड़कें तबाह हुई हैं। वहीं 210 सड़कें ग्रामीण इलाकों में तबाह हुई हैं। चीन के नेशनल कमीशन फॉर डिजास्टर प्रिवेंशन, रिडक्शन एंड रिलीफ ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। हाल के दिनों में लियाओनिंग प्रांत में भारी बारिश से काफी परेशानी हुई है। हालात को देखते हुए चीन की सरकार ने आपदा प्रभावित इलाकों में संचार के लिए सैटेलाइट और ड्रोन्स तैनात कर दिए हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों के लिए करीब 700 लोगों और विशेषज्ञों को भेजा गया है।

शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, ढाका के प्राचीन मंदिर को बचाने के लिए साथ आए हिंदू-मुस्लिम

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद अराजकता का माहौल था। कट्टरपंथियों द्वारा अल्पसंख्यक हिंदुओं और अन्य समुदायों को निशाना बनाया गया। हिंदू समुदाय ढाका में स्थित प्राचीन ढाकेश्वरी मंदिर की सुरक्षा के लिए भी चिंतित था, लेकिन इस मंदिर की सुरक्षा के लिए हिंदू-मुस्लिम साथ आए। मंदिर के एक पुजारी ने यह जानकारी दी है। ढाका का ढाकेश्वरी मंदिर शक्ति पीठों में से एक है और बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू समुदाय के प्रमुख मंदिरों में से एक है।

विभिन्न धर्मों के लोग मंदिर आते हैं... मंदिर के एक पुजारी ने बांग्लादेश में हिंसा के दौर में जारी हालातों पर बात की। पुजारी असीम मैत्रो ने बताया कि विभिन्न धर्मों के लोग यहां प्रार्थन करने आते हैं। मां सभी इंसानों की मां हैं फिर चाहे वो हिंदू हो, मुस्लिम, ईसाई या बौद्ध। लोग यहां शांति, समृद्धि का आशीर्वाद लेने आते हैं। मैत्रो ने बताया कि वह बीते 15 वर्षों से इसं मंदिर में पुजारी हैं। यह मंदिर सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है। मंदिर के आसपास कई मस्जिदें हैं। मस्जिदों में मगरीब की नमाज के आधे घंटे बाद यानी करीब सात बजे ढाकेश्वरी मंदिर में आरती होती है।

हिंदू मुस्लिम समुदाय ने साथ मिलकर की थी मंदिर की सुरक्षा... पुजारी ने बताया कि जब 5 अगस्त को हिंसा हो रही थी और शेख हसीना इस्तीफा देकर निकल गईं थी तो उस वक्त वह मंदिर परिसर में ही मौजूद थे। उन्होंने बताया कि उन्हें उस वक्त अपनी चिंता नहीं थी, लेकिन इस प्राचीन मंदिर और यहां के देवी-देवताओं की मूर्तियों की चिंता थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने हमारी मदद की।

मुस्लिम, हिंदू और अन्य धर्मों के लोग मंदिर की सुरक्षा के लिए साथ आए ताकि कोई भी मंदिर को नुकसान न पहुंचा सकें। मंदिर में कोई भी अप्रिय घटना नहीं घटी है। मंदिर में लगातार पूजा हो रही है और सामान्य दिनों की तरह मां को भोग भी लगाया जाता है।

धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हालात... बांग्लादेश में जब हिंसा हो रही थी तो डर के मारे कम लोग ही मंदिर आ पाते थे, लेकिन अब जैसे जैसे हालात सामान्य हो रहे हैं तो लोग फिर से वापस मंदिर आ रहे हैं। पुलिस की मौजूदगी भी बढ़ गई है। गौरतलब है कि अंतरिम सरकार के गठन के बाद सरकार के प्रमुख नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने भी ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया था और यहां हिंदू समुदाय के लोगों से मुलाकात की थी।

मोहम्मद यूनुस ने अल्पसंख्यक समुदाय को सुरक्षा का भरोसा दिया। पुजारी ने बताया कि अब हालात सामान्य हो रहे हैं। हर साल यहां दुर्गा पूजा और अन्य त्योहार मनाए जाते हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के सलाहकार और कानूनी सलाहकार आसिफ नजरूल और सूचना सलाहकार नाहिद इस्लाम भी ढाकेश्वरी मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हो सकते हैं।

'तेल' ने रोका बन्दरा पीएचसी के एम्बुलेंस का 'चक्का',प्रसव पीड़ित महिला की मौत

- मृतक के परिजनों में नाराजगी
- लापरवाही का आरोप
- चिकित्सा प्रभारी बोले-विभाग को कराया जा चुका है अवगत

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखंड स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव पीड़ित महिला की मौत का मामला सामने आया है। मृतक महिला प्रखंड के बन्दरा पंचायत के गोविंदपुर छपरा की बताई गई है । परिजनों का बताना है कि प्रसव पीड़ित महिला को बन्दरा पीएचसी में लाया गया। जहां उचित इलाज नहीं हो सकी और प्रसव पीड़ित महिला की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों में गहरी नाराजगी है।परिजन पीएचसी प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। वहीं इस मामले में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नौशाद अहमद ने शुक्रवार की शाम बताया कि प्रसव पीड़ित महिला की मौत का मामला सही है, लेकिन यह मौत बन्दरा पीएचसी में नहीं हुई है, बल्कि यहां से प्राइवेट अस्पताल ले जाने के बाद हुई है। उन्होंने बताया कि प्रसव पीड़ित एक महिला की गंभीर स्थिति थी। उसकी 7वीं प्रसव थी। गंभीर स्थिति में उसे मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया था, लेकिन एंबुलेंस में तेल नहीं थी, इसलिए पीएचसी का दोनों एंबुलेंस का परिचालन बंद है। परिजन प्राइवेट गाड़ी से उसे शहर नहीं ले जाना चाह रहे थे। बाद में यहां से उसे स्थानीय प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया।बाद में उसकी मौत की सूचना मिली।

2महीने से एम्बुलेंस में तेल नहीं,हो रही परेशानी: उन्होंने बताया कि एंबुलेंस में तेल नहीं होने की वजह से अक्सर एंबुलेंस का परिचालन बाधित रह रहा है। ऐसी स्थिति पिछले तकरीबन 2 महीने से हैं।तेल आवंटन एवं तेल के अभाव में एंबुलेंस परिचालन की स्थिति को लेकर पहले भी वरीय अधिकारियों को लिखा जा चुका है, लेकिन अब तक इस मामले में कार्रवाई नहीं हो सकी है।लिहाजा पीएचसी का एंबुलेंस कभी चल रहा है तो कभी नहीं भी चल पा रहा है। उन्होंने बताया कि मामले से वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया है।

जब कीव पहुंचे पीएम मोदी तो अटकी SPG कमांडो की सांसें, सात घंटे तक बने रहे ढाल

कीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्ध ग्रस्त यूक्रेन का शुक्रवार को सात घंटे का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन में भारत विरोधी भावनाओं को देखते हुए विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के कमांडो ने सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पीएम मोदी जब यूक्रेन की राजधानी कीव में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे, तब एसपीजी कमांडो ने बुलेटप्रूफ शील्ड का इस्तेमाल किया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि यूक्रेन में कुछ लोगों द्वारा भारत के रूस के साथ नजदीकी को लेकर विरोध जताया जा रहा था। यहां तक कि बैठक के दौरान पीएम मोदी को भारतीय प्रवासियों ने बताया था कि यूक्रेन में भारतीयों को कठिन समय का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि यहां के लोगों का मानना है कि भारत पुतिन और रूस के पक्ष में है।

बुलेटप्रूफ शील्ड से पीएम की सुरक्षा... भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम को यूक्रेन में भारत विरोधी भावनाओं के बारे में पहले ही आगाह कर दिया था। चेतावनी को देखते हुए एसपीजी के 60 जवानों को प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात किया गया था। बता दें, एसपीजी के डायरेक्टर आलोक शर्मा खुद इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे।

सात घंटे तक एसपीजी टीम रही अलर्ट... यह पता चला है कि पीएम की सात घंटे की कीव यात्रा के दौरान भारतीय एसपीजी टीम पूरी तरह से अलर्ट पर थी। प्रधानमंत्री मोदी जब पीस पार्क में घूम रहे थे, तब स्नाइपर हमले से बचने के लिए बुलेटप्रूफ शील्ड का इस्तेमाल किया गया। न्यूज चैनलों पर जारी वीडियो में साफ दिख रहा था कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पूरा इलाका सुरक्षाकर्मियों से घिरा हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी जब पोलैंड के लिए रवाना हुए, तब जाकर एसपीजी टीम ने राहत की सांस ली।

पीएम मोदी ने की जेलेंस्की से मुलाकात... पीएम मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूक्रेन और रूस को जल्द से जल्द बातचीत करनी चाहिए और इस युद्ध को खत्म करने का रास्ता निकालना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि हम (भारत) तटस्थ नहीं हैं। हमने शुरू से ही एक पक्ष चुना है और हमने शांति का पक्ष चुना है। हम बुद्ध की धरती से आए हैं जहां युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत यूक्रेन में शांति बहाली के हर संभव प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वह इस संघर्ष को खत्म करने में व्यक्तिगत रूप से भी योगदान देना चाहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में चीन से भी आगे निकला भारत, क्या कहते हैं जुलाई के आंकड़े?

नई दिल्ली। भारत रूस से कच्चा तेल आयात करने के मामले में जुलाई महीने में चीन से भी आगे निकल गया। आरटी डॉट कॉम ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। नई दिल्ली मास्को की ओर से दी गई छूट के कारण कच्चे तेल की खरीद बढ़ा रही है क्योंकि रूस पर यूक्रेन से संबंधित प्रतिबंधों के कारण पश्चिमी देशों को खुले तौर पर ऊर्जा निर्यात नहीं कर पा रहा है। व्यापार और उद्योग स्रोतों से जुटाए गए भारतीय शिपमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई महीने में भारत के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल का 44% हिस्सा रहा। भारत प्रति दिन 2.07 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात कर रहा है, जो जून की तुलना में 4.2% अधिक है और एक साल पहले की तुलना में 12% अधिक है। जुलाई में पाइपलाइनों और शिपमेंट के माध्यम से रूस ने चीन को कुल 1.76 मिलियन बीपीडी कच्चे तेल का निर्यात किया। चीनी सीमा शुल्क के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि चीनी रिफाइनरों द्वारा खरीद में यह गिरावट ईंधन के उत्पादन से कम लाभ मार्जिन के कारण दर्ज की गई है। पश्चिमी देशों की ओर से मॉस्को पर प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन में संघर्ष के जवाब में अपने ऊर्जा आयात में कटौती करने के बाद भारतीय रिफाइनर फरवरी 2022 से रियायती रूसी तेल की खरीद बढ़ा रहे हैं।

एक भारतीय रिफाइनिंग सूत्र ने रॉयटर्स को बताया, "रूसी तेल के लिए भारत की जरूरत तब तक बढ़ने वाली है जब तक कि प्रतिबंधों को और कड़ा नहीं किया जाता है।" भारत की बढ़ती खरीद रूसी ईएसपीओ (पूर्वी साइबेरिया-प्रशांत महासागर तेल पाइपलाइन) के प्रवाह को बदल रही है। पारंपरिक चीनी खरीदारों के साथ रूस अब दक्षिण एशिया के कच्चे तेल के बाजार पर भी फोकस कर रहा है।

शिपिंग डेटा के मुताबिक, भारत में ईएसपीओ आयात जुलाई में 188,000 बीपीडी तक पहुंच गया क्योंकि बड़े सुएजमैक्स जहाजों का उपयोग किया गया था। इराक पिछले महीने भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा, इसके बाद सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्थान रहा। आंकड़ों से पता चला है कि मध्य पूर्व से भारत की कच्चे तेल की खरीद जुलाई में 4% बढ़ी, जिससे जून में भारत की कुल तेल खरीदारी में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 38% से बढ़कर 40% हो गई।

ऑस्ट्रेलिया में अब काम के घंटों के बाद बॉस की अनदेखी का अधिकार, लागू होगा 'राइट टू डिस्कनेक्ट'

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में सोमवार से श्रमिकों को काम के घंटों के बाद अपने बॉस की अनदेखा करने का अधिकार होगा। उनके इस अधिकार (राइट टू डिस्कनेक्ट) को एक कानून के जरिए संरक्षण दिया जाएगा। यह कानून फरवरी महीने में ही पास किया गया था।

इस नए कानून के तहत श्रमिकों को काम के तय घंटों के बाद अपने नियोक्ताओं की मॉनिटरिंग के बाहर रहने और उनके संदेशों की अनदेखी करने का अधिकार मिलेगा। इस कानून के बाद कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद अपने नियोक्ताओं को काम करने से मना करने का अधिकार होगा बशर्ते की उनका ऐसा करना अनुचित ना हो। आधिकारिक कानून में कहा गया है कि यह अधिकार किसी कर्मचारी के काम के घंटों के बाद उससे संपर्क करने के प्रयास को भी कवर करता है। हालांकि, कानून में आगे कहा गया है कि अगर इनकार को अनुचित माना जाता है तो कॉल के लिए कई कारकों जैसे कारण, संपर्क का तरीका आदि पर विचार किया जाएगा। श्रमिकों को कानून बनाकर इस तरह की सुविधा देने वाला ऑस्ट्रेलिया पहला देश नहीं है, फ्रांस और जर्मनी सहित कई यूरोपीय संघ के देशों में भी पहले से ऐसे कानून मौजूद हैं। इस तरह के कानून कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद अपने मोबाइल फोन को बंद रखने की अनुमति देते हैं। साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई संसद से पारित होने के दौरान इस कानून को बड़ी कंपनियों के विरोध का सामना करना पड़ा था। कानून का विरोध करने वालों इसे जल्दबाजी में लाया गया और त्रुटिपूर्ण करार दिया था।

IAMAI का दावा: 2025 तक गांवों में होंगे 50 करोड़ इंटरनेट यूजर्स; शहरों में 39 करोड़ ग्राहक का अनुमान

नई दिल्ली ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट की पहुंच बढ़ने से देश में डिजिटल साक्षरता तेजी से बढ़ रही है। 2025 तक गांवों में इंटरनेट यूजर्स की संख्या बढ़कर 50.4 करोड़ पहुंचने की उम्मीद है।?शहरों में यह 39 करोड़ तक पहुंच सकती है।देश में स्मार्टफोन ग्राहकों की संख्या 2025 तक 100 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। इससे डिजिटल उद्योग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक भारत में सभी नए इंटरनेट यूजर्स में से करीब 56 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों का योगदान होगा। यह डिजिटल परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व होगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र नए इंटरनेट यूजर्स का प्रमुख स्रोत बन गए हैं। 2025 तक नए इंटरनेट यूजर्स में 65 फीसदी महिलाओं के होने की उम्मीद है।?यह डिजिटल जुड़ाव में लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, गांवों में नए?इंटरनेट यूजर्स में 2025 तक 26 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।?शहरी इलाकों में 10 फीसदी की मामूली वृद्धि हो सकती है।?

80 करोड़ से ज्यादा हैं इंटरनेट यूजर्स

देश में 80 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं। शहरों के मुकाबले गांवों में इनकी संख्या ज्यादा है। यह विकास देश के डिजिटल तंत्र में ग्रामीण क्षेत्रों के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। 65 फीसदी इंटरनेट यूजर्स अब एप, वेबसाइट, सोशल मीडिया पोस्ट, मैसेज फॉरवर्ड और यूट्यूब सहित विभिन्न डिजिटल मंचों के जरिये समाचार प्राप्त कर रहे हैं।

भारत को विकसित बनाने के लिए कार्यबल में और 40 करोड़ महिलाओं को जोड़ने की जरूरत

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में 14 ट्रिलियन (14 लाख करोड़) अमेरिकी डॉलर का योगदान देने के लिए कार्यबल में अतिरिक्त 40 करोड़ महिलाओं को जोड़ने की जरूरत है। इसके लिए वित्त वर्ष 2047 तक मौजूदा महिला श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) को लगभग दोगुना करके 37 प्रतिशत से 70 प्रतिशत करना पड़ेगा। गैर-लाभकारी संगठन द नज इंस्टीट्यूट ने भारत के आर्थिक भविष्य से जुड़े इस तथ्य के बारे में बताते हुए नई रिपोर्ट, 'लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन डिस्टिलेशन रिपोर्ट' प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट रिपोर्ट पिछले कुछ वर्षों के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) पर आधारित है।

2020 में लगभग आधी महिलाएं कार्यबल से हो गई बाहर...रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 तक, 2019 में कार्यरत लगभग आधी महिलाएं कार्यबल से बाहर हो गई थीं। महिलाएं मुख्य रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों में काम करती हैं, जैसे कृषि और विनिर्माण, जहां उन्हें सीमित वृद्धि मिल पाती है। कोविड महामारी के कारण ये मुद्दे और बढ़े। कई ग्रामीण महिलाओं को आय में कमी या परिवार में मुख्य रूप से कमाने वाले व्यक्ति की नौकरी छूटने के कारण फिर से काम पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यह महिला रोजगार की नाजुकता को सामने लाता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, रिपोर्ट में महिला श्रम शक्ति भागीदारी बढ़ाने के लिए तीन रास्ते बताए गए हैं।

महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाने की जरूरत...सबसे पहले, प्लेटफॉर्म जॉब्स और डिजिटल माइक्रोवर्क के माध्यम से काम को फिर से परिभाषित करना महिलाओं के बीच रोजगार की संभावनाओं को बढ़ा सकता है। दूसरा, डिजिटल कॉमर्स इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाया जा सकता है। तीसरा, गतिशीलता और डिजिटल पहुंच जैसी बाधाओं को दूर कर श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी को बेहतर बनाया जा सकता है। द नज प्राइज के निदेशक और प्रमुख कनिष्क चटर्जी ने कहा, "भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश और 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिए बिना साकार नहीं हो सकते।" रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था में आई प्रगति को स्वीकार किया गया है लेकिन आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने के लिए तत्काल और निरंतर कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया है। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए, नज प्राइज टीम ने विभिन्न क्षेत्रों के पीएलएफएस डेटा का गहनता से अध्ययन किया।

भारत ने 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का रखा है लक्ष्य

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का लक्ष्य 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, ऐसे में इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए इसे अपनी महिला श्रम बल भागीदारी में पर्याप्त वृद्धि करने की जरूरत है। भारत ने 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का लक्ष्य हासिल कर खुद को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2047 तक भारत को अपनी वर्तमान महिला श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) को 37 प्रतिशत से लगभग दोगुना करके 70 प्रतिशत तक पहुंचाना होगा। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार तब तक केवल 11 करोड़ महिलाओं के महिलाओं के श्रम बल में शामिल होने का अनुमान है। ऐसे में अर्थव्यवस्था से जुड़े लक्ष्य को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 14.5 करोड़ महिलाओं को कार्यबल से जोड़ने की जरूरत है। रिपोर्ट में पुरुषों और महिलाओं के बीच नौकरी की सुरक्षा के मामले में भारी असमानता का पता चलता है। इसके अनुसार कार्यबल से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं के अपनी नौकरी खोने की आशंका सात गुना अधिक है। दूसरी ओर नौकरी छूटने पर उस स्थिति से फिर से नहीं उबर पाने की उबरने की आशंका महिलाओं में पुरुषों की तुलना में ग्यारह गुना अधिक है।

अगले तीन सालों में 6जी पेटेंट में 10 फीसदी शेयर हासिल करना का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय टेलीकॉम खिलाड़ियों का लक्ष्य है कि अगले तीन सालों के दौरान 6जी पेटेंट में 10 फीसदी शेयर को हासिल किया जा सके। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह बताया गया है कि अगले तीन सालों के दौरान वैश्विक स्टैंडर्ड में छह में से एक हिस्से पर कब्जा किया जाए।

टेलीकॉम उद्योग ने की बैठक...टेलीकॉम उद्योग के खिलाड़ियों ने एक सिस्टम के तहत एक प्रस्ताव पर रिसर्च अलाइन की गई है। इसमें वाइब्रेंट और स्टैंडर्ड कम्युनिटी प्रस्ताव को शनिवार को दूसरी बैठक में एसएसी यानी स्टेकहोल्डर्स एडवाइजरी कमिटी ने लिया है। टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर यानी टीएसपी जो कि केंद्रीय टेलीकॉम मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में शुक्रवार को हुई थी।

वैश्विक स्तर पर रखा गया यह टारगेट...टेलीकॉम उद्योग के लीडर्स ने यह लक्ष्य रखा है कि ग्लोबल स्तर पर 6जी के सभी पेटेंट में 10 फीसदी हिस्सेदारी आने वाले तीन सालों के दौरान हासिल की जाए। टेलीकॉम ऑपरेटर्स पहली एसएसी में अपने बयान में कहा है कि हमने कुछ एरिया की पहचान की है। अंतर्राष्ट्रीय और भारत के हिसाब से शेयर को स्टैंडर्ड एसेंशियल पेटेंट यानी एसईपी और कनेक्टिविटी में आ रहे गैप की भी पहचान की है। इसके साथ ही टेलीकॉम सर्विस की गुणवत्ता जैसे विषयों के बारे में बैठक में चर्चा की गई।

इन विषयों पर भी चर्चा...यह भी बताया गया कि कुछ पहल को शुरू किया जा चुका है। इसमें भारत 6जी विजन और भारत 6जी अलायंस का लॉन्च शामिल है। इसके साथ ही पेटेंट और आईपीआर सपोर्ट फ्रेमवर्क और टेस्टबड्स कमिशनिंग आदि शामिल है। भारत को वैश्वक स्तर के छठे हिस्से को अपने पास लाना है। एसएसी ने प्रस्ताव रखते हुए अगले तीन साल का रोडमैप रखा। इसके साथ ही आधिकारिक बयान में कहा कि भारत एक गहरा टेक लीडर बन सकता है। भारत वायरलाइन और इंटेलीजेंस वायरलैस ब्रॉडबैंड नेटवर्क में आगे आ सकता है।

ऐसे में मंत्री सिंधिया ने एसएसी सदस्यों से इस मुश्किल रास्ते के बारे में पूछ और इस संबंध में अलग-अलग स्टैगहोल्डर्स से चर्चा की। आधिकारिक बयान में कहा गया कि देश के सभी नागरिकों को बेहतर टेलीकॉम सर्विस मिले।

पाकिस्तान में चलेंगे पॉलिमर प्लास्टिक से बने नए नोट

नई दिल्ली पाकिस्तान का केंद्रीय बैंक इस वर्ष के अंत में प्रयोग करते हुए एक नए पॉलिमर प्लास्टिक मुद्रा बैंक नोट लाएगा। केंद्रीय बैंक इसके साथ ही बेहतर सुरक्षा और होलोग्राम सुविधाओं के लिए सभी मौजूदा बैंक नोटों को फिर से डिजायन करेगा।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने इस्लामाबाद में बैंकिंग और वित्त पर सीनेट समिति को बताया कि इस साल दिसंबर तक सभी मौजूदा कागजी मुद्रा नोटों को नई सुरक्षा विशेषताओं के साथ फिर से डिजायन किया जा रहा है।

अहमद ने कहा कि 10, 50, 100, 500, 1000 और 5000 रुपये के मूल्यवर्ग में नए डिजाइन वाले बैंक नोट दिसंबर में जारी किए जाएंगे। एक सूत्र ने कहा, हुपुराने नोट पांच साल तक प्रचलन में रहेंगे और केंद्रीय बैंक उन्हें बाजार से हटा देगा।ङ्क

स्टेट बैंक के गवर्नर ने सीनेट समिति को बताया कि जनता के लिए एक मूल्यवर्ग में नया पॉलिमर प्लास्टिक बैंक नोट जारी किया जाएगा, तथा यदि इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली तो अन्य मूल्यवर्गों में भी प्लास्टिक मुद्रा जारी की जाएगी। वर्तमान में लगभग 40 देश पॉलिमर प्लास्टिक बैंक नोटों का उपयोग करते हैं, जिनकी नकल करना कठिन है और इनमें होलोग्राम और पारदर्शी खिड़की जैसी अधिक उन्नत सुरक्षा विशेषताएं हैं। ऑस्ट्रेलिया 1998 में पॉलिमर बैंक नोट शुरू करने वाला पहला देश था।अहमद ने यह भी पुष्टि की कि केंद्रीय बैंक की 5,000 रुपये के नोट को बंद करने की कोई योजना नहीं है। हालांकि एक सदस्य मोहसिन अजीज ने जोर देकर कहा कि इससे भ्रष्ट लोगों के लिए अपना कारोबार करना आसान हो जाएगा।

42 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ कभी दुनिया के छठे अमीर कारोबारी थे अनिल

नई दिल्ली। रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह यानी एडीएजी के चेयरमैन अनिल अंबानी की मुश्किलें खत्म नहीं हो रही हैं।?42 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ?कभी दुनिया के छठे सबसे अमीर कारोबारी रहे अनिल आज दिवालिया हो गएहैं। उनके पास न तो वह रुतबा है और न ही कर्जदारों से पीछा छुड़ाने के लिए फंड। अब पूंजी बाजार नियामक सेबी ने धोखाधड़ी के मामले में अनिल समेत 25 लोगों पर 624 करोड़ रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। शायद भारतीय कारोबारी क्षेत्र में यह पहला मौका है, जब इतना बड़ा जुर्माना बाजार नियामक ने लगाया हो। दरअसल, अनिल अपनी कंपनी रिलायंस होम फाइनेंस लि. (आरएचएफएल है) से धन की हेराफेरी को लेकर चर्चा में हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान 3,742 करोड़ रुपये का कर्ज दिखाया। अगले ही वित्त वर्ष यानी 2018-19 में यह बढ़कर 8,670 करोड़ रुपये हो गया। सेबी के मुताबिक, अब भी इस कंपनी से 6,930 करोड़ रुपये लेने हैं। अनिल की वित्तीय परेशानियां नई नहीं हैं। फरवरी, 2020 में कानूनी और वित्तीय चुनौतियों के बीच यूके की एक अदालत ने उन्हें दिवालिया घोषित कर दिया था।

2008 में 42 अरब डॉलर की दौलत के मालिक रहे अनिल की संपत्तियों में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से गिरावट देखने को मिली है।?उनकी कारोबारी यात्रा उल्लेखनीय ऊंचाइयों और विनाशकारी स्थितियों से होकर गुजरी है।

1980 के दशक में शुरू हुआ उत्थान...कारोबारी दुनिया में अनिल का उत्थान 1980 के दशक में शुरू हुआ, जब उनके पिता धीरूभाई अंबानी ने 1986 में स्ट्रोक पड़ा।?अनिल ने रिलायंस के वित्तीय लेनदेन का रोजाना का प्रबंधन संभाला। 2002 में धीरूभाई की मृत्यु के बाद अनिल और उनके बड़े भाई मुकेश अंबानी ने संयुक्त रूप से रिलायंस समूह का नेतृत्व किया। 2005 में नियंत्रण को लेकर विवादों के कारण भाइयों के बीच विभाजन हो गया। मुकेश ने तेल और पेट्रोकेमिकल व्यवसायों पर नियंत्रण बरकरार रखा। अनिल ने दूरसंचार, बिजली उत्पादन और वित्तीय सेवाओं सहित नए उद्यमों को संभाला।

इन्फ्रा, रक्षा व मनोरंजन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनिल के प्रयासों को सीमित सफलता मिली। यूपी के दादरी में गैस-आधारित बिजली परियोजना स्थापित करने के उनके प्रयास को तब झटका लगा, जब 2009 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भूमि अधिग्रहण को रद्द कर दिया।

550 करोड़ देकर मुकेश ने जेल जाने से बचाया...वित्तीय संकट तब गहरा गया, जब उनकी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) पर भारी कर्ज जमा होने लगा। 2019 में कंपनी को दिवालिया कार्यवाही में धकेल दिया गया था। उसी वर्ष आरकॉम के एरिक्सन एबी की भारतीय इकाई को 550 करोड़ रुपये के भुगतान में विफल रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अनिल को जेल में डालने की धमकी दी। मुकेश अंबानी ने भाई को जेल जाने से बचाने के लिए मां कोकिलाबेन अंबानी की अपील पर 550 करोड़ की मदद की।

बढ़ती गई चुनौतियां चीनी बैंकों ने किया केस...कानूनी चुनौतियां तब पैदा हुईं, जब तीन चीनी बैंकों ने 68 करोड़ डॉलर के कर्ज डिफॉल्ट पर लंदन की कोर्ट में अनिल पर केस किया। 2021 में रिलायंस कैपिटल ने 24,000 करोड़ के बॉन्ड पर चूक के बाद दिवालिया प्रक्रिया के लिए याचिका दायर की। मुंबई की पहली मेट्रो लाइन के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने वाली रिलायंस इन्फ्रा को भी वित्तीय तनाव झेलना पड़ा।

सबसे बड़ा आईपीओ ला मचाया था धमाल...अनिल ने जनवरी, 2008 में रिलायंस पावर का 11,563 करोड़ का सबसे बड़ा आईपीओ लाकर धमाल मचाया था।405 से 450 रुपये के भाव पर आईपीओ को निवेशकों ने हाथों हाथ लिया। यह कुल 73 गुना भरा। इसमें खुदरा निवेशकों ने 15 गुना ज्यादा पैसा लगाया। लिस्टिंग पर यह 547 रुपये पर खुला था। पर, यहीं से अनिल की किस्मत भी पलटी खाने लगी।

QCO से घटिया वस्तुओं का आयात कम करने में मिलेगी मदद, एमएसएमई पर ये बोले केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। सरकार की ओर से गुणवत्ता को नियंत्रित करने से जुड़े आदेश एमएसएमई को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए हैं। इससे उन्हें घटिया सामानों के आयात में कटौती करने में मदद मिलेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि इन आदेशों के जरिए सरकार छोटे और मंझोले उद्योगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम एमएसएमई को क्यूसीडी की जरूरतों को पूरा करने के लिए समय दे रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुणवत्ता को नियंत्रित करने से जुड़े आदेशों से छोटे व मंझोले उद्योगों को फायदा मिलेगा। ये आदेश उन्हें देश के बाहर से गलत कीमत पर कम गुणवत्ता वाली वस्तुओं के आयात से रोकते हैं। इस तरह ये आदेश एमएसएमई सेक्टर को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने साथ में यह भी कहा कि एमएसएमई को केवल एक छोटे उद्यम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।गोयल ने कहा कि बड़े उद्योगों और व्यवसायों के आसपास के पूरे इकोसिस्टम में हजारों एमएसएमई काम कर रहे हैं। उनके बिना ये बड़े उद्योग सफल नहीं हो सकते। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एमएसएमई बड़े उद्योगों और व्यवसायों के लिए आपूर्तिकर्ता और ग्राहक भूमिका में कार्य करते हैं। एमएसएमई देश के पर्यटन और

आधारभूत संरचना क्षेत्र के विकास में भी अहम भूमिका में हैं। देश के निर्यात में भी उनका बड़ा हिस्सा है। उन्होंने कहा आज कई एसएमई ने अपने व्यवसायों को बीएसई पर पंजीकृत कराया है।

दउद जरिए सरकार ऐसे वस्तुओं के उत्पादन, बिक्री, व्यापार, आयात और भंडारण पर पाबंदी लगाती है, जिनके पास भारतीय मानक ब्यूरो (इक्र) मार्क ना हो। ये आदेश स्मार्ट मीटर, नट, बोल्ट और फास्टनर के लिए जारी किए गए हैं। दउद को जारी करने का मकसद कम गुणवत्तापूर्ण वाले उत्पादों के आयात में कटौती करना है, ताकि ग्राहकों और पर्यावरण का कल्याण व सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

दोगुना हो सकता है चांदी आयात, मांग में बढ़ोतरी से 7000 टन आयात का है अनुमान

बंगलूरू। सौर पैनल व इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माताओं की बढ़ती मांग के कारण कैलेंडर वर्ष 2024 में देश का चांदी आयात बढ़कर दोगुना हो सकता है। एक बड़े आयातक आम्रपाली समूह के सीईओ चिराग ठक्कर ने शुक्रवार को कहा, औद्योगिक मांग में बढ़ोतरी के कारण इस वर्ष चांदी का आयात 6,500 से 7,000 टन तक पहुंच सकता है। 2023 के दौरान कुल 3,625 टन चांदी का आयात किया गया था।

इंडिया गोल्ड कान्फ्रेंस से अलग बातचीत में ठक्कर ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े चांदी उपभोक्ता भारत के अधिक आयात से वैश्विक कीमतों को समर्थन मिल सकता है।?वैश्विक स्तर पर इस चांदी की कीमतें अपने एक दशक के उच्चतम स्तर के करीब हैं। उन्होंने कहा, आभूषणों की पारंपरिक मांग बनी हुई है। 2024-25 के बजट में सीमा शुल्क को 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी करने के बाद चांदी का मूल्य काफी किफायती हो गया है। उधर, वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 की पहली छमाही में चांदी का आयात बढ़कर 4,554 टन के स्तर पर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में आयात 560 टन रहा था।

निवेश के लिए भी चांदी की भारी मांग...ठक्कर ने कहा, सोने के मुकाबले ज्यादा रिटर्न की उम्मीद में भी निवेश के लिए लोगों में चांदी की भारी मांग देखने को मिल रही है।?चालू कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली छमाही के दौरान निवेश मांग अभूतपूर्व रही है।घरेलू बाजार में चांदी का वायदा भाव मई में बढ़कर 96,493 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।?चांदी ने इस साल अब तक निवेशकों को करीब 14 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि सोने में निवेश करने पर इस दौरान 13 फीसदी का मुनाफा हुआहै।

अमेरिका पहली छमाही में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार, चीन के साथ सर्वाधिक 41.6 अरब डॉलर का घाटा

नई दिल्ली। अमेरिका चालू कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है। इस अवधि में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 41.6 अरब डॉलर पहुंच गया। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच जनवरी-जून में कारोबार सालाना आधार पर 5.3 फीसदी बढ़कर 62.5 अरब डॉलर पहुंच गया। भारत ने अमेरिका को

सबसे ज्यादा 41.6 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह जनवरी-जून, 2023 के 37.7 अरब डॉलर से 10.5 फीसदी अधिक है। इस अवधि में भारत ने चीन से सर्वाधिक 50.1 अरब डॉलर का आयात और 8.5 अरब डॉलर का निर्यात किया। रिकॉर्ड 849 अरब डॉलर का विदेशी व्यापार : देश का विदेशी व्यापार (निर्यात-आयात) जनवरी-जून में 5.8 फीसदी बढ़कर 849 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।औद्योगिक उत्पादों का निर्यात 61.1 फीसदी बढ़कर 140.79 अरब डॉलर पहुंच गया। बासमती चावल निर्यात 24.3 फीसदी बढ़कर 3.42 अरब डॉलर पहुंच गया।

126 देशों को बढ़ा निर्यात...जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, जनवरी-जून में देश का व्यापारिक निर्यात 5.4 फीसदी बढ़कर 230.5 अरब डॉलर पहुंच गया। भारत 239 देशों को निर्यात करता है, जिनमें 126 में निर्यात बढ़ा है और 98 देशों में गिरावट आई है।

इंजीनियरिंग निर्यात 3.6 फीसदी बढ़ा...वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जुलाई में 3.6 फीसदी बढ़कर 9.04 अरब डॉलर पहुंच गया।?ईईपीसी के मुताबिक, जुलाई, 2023 में यह 8.72 अरब डॉलर था।

आज की आवश्यकता सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग–सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग–सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी

भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योद्धक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

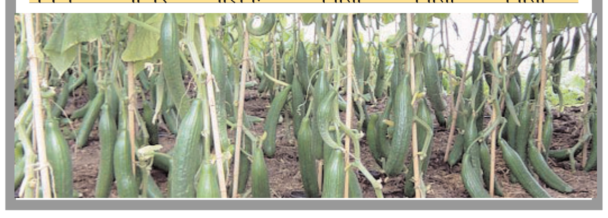

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योंकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है । दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्र + थायरम 50त्र के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग –

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग –

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारंभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्र की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे –- पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

शिखर धवन ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के मशहूर क्रिकेटरों में से एक शिखर धवन ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से संन्यास की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक भावनात्मक बयान में धवन ने अपने पूरे करियर में मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा, जैसे ही मैं अपनी क्रिकेट यात्रा के इस अध्याय को समाप्त कर रहा हूं, मैं अपने साथ अनगिनत यादें और कृतज्ञता लेकर जा रहा हूं। प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद।

धवन को अक्सर उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली के लिए गब्बर कहा जाता है। वह एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान में आईसीसी टूनामेंटों में कई मैच जीतने वाले प्रदर्शन शामिल हैं, जहां वह अक्सर अग्रणी रन-स्कोरर थे। शीर्ष क्रम में उनकी साझेदारी, विशेषकर एकदिवसीय क्रिकेट में कई बार भारत को जीत दिलायी है।

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने 2010 में पदार्पण किया और जल्द ही खुद को खेल के सभी प्रारूपों में एक भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में स्थापित कर लिया। इन वर्षों में, धवन अपनी निरंतरता, शांत व्यवहार और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

प्रशंसकों, साथी क्रिकेटरों और टिप्पणीकारों ने धवन के शानदार करियर और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान का जश्न मनाते हुए सोशल मीडिया पर बाढ़ ला दी है। धवन अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो क्रिकेटरों की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उनके खेल की आक्रामक शैली, उनकी खेल भावना और समर्पण के साथ, दुनिया भर के प्रशंसकों द्वारा याद किया जाएगा।

शुक्रिया गब्बर: क्रिकेट जगत ने संन्यास लेने वाले धवन के करियर के कसीदे गढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की जिसके बाद क्रिकेट जगत ने उनके सकारात्मक रवैये और टीम भावना की सराहना की जबकि भावुक प्रशंसकों को उनके मैदान पर जश्न मनाने के अनोखे तरीके की कमी खलेगी।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली के युग के बाद शीर्ष क्रम टीम को शानदार योगदान देने वाले धवन ने देश के लिए अपना आखिरी एकदिवसीय मैच दो साल पहले खेला था। उन्होंने अपने करियर मे भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले।

धवन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम में सहवाग की जगह ली थी और नजफगढ़ का नवाब एक्स पर उन्हें सबसे पहले बधाई देने वालों में शामिल था। सहवाग ने लिखा, बधाई हो शिखर। जब से आपने मोहाली में मेरी जगह ली, आपने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पिछले कुछ वर्षों में कुछ शानदार प्रदर्शन किये। आप मौज-मस्ती करते रहें और जिंदगी को पूरी तरह से जिएं। आपको हमेशा के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं।

भारतीय टीम के उनके पूर्व साथी और वर्तमान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी उन्हें संन्यास लेने पर बधाई दी। गंभीर ने लिखा, शानदार करियर के लिए बधाई शिखर। मुझे पता है कि आप भविष्य में जो कुछ भी करेंगे उसके जरिए वही खुशी फैलाएंगे।

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और श्रेयस अय्यर ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। हार्दिक पंड्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, आपके लिए सिर्फ शुभकामनाएं शिखर पा। शानदार करियर के लिए बधाई।

श्रेयस ने धवन को टैग करते हुए लिखा, बधाई हो शिखर पा। भविष्य में आपके साथ जो भी हो उसके लिए शुभकामनाएं।

भारत के पूर्व महान स्पिनर और कोच अनिल कुंबले ने लिखा, शानदार करियर के लिए बधाई, शिखर धवन, आपको अगले अध्याय के लिए शुभकामनाएं। आपका संन्यास का जीवन शुभ हो।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी बाएं हाथ के बल्लेबाज को बधाई देते हुए लिखा, शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं, हम उन्हें आगे के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

भारत के पूर्व बल्लेबाज और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि धवन न सिर्फ एक महान क्रिकेटर रहे है बल्कि मैदान के बाहर भी एक अच्छे इंसान है। उन्होंने लिखा, शानदार करियर के लिए शिखर को बहुत-बहुत बधाई। मुझे शिखर के बारे में जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह थी कि वह एक शानदार क्रिकेटर है, इसके अलावा वह एक ऐसे व्यक्ति है जो हमेशा मिलनसार रहे हैं और हर स्थिति में सकारात्मक चीजों को देखते थे। आपको आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं।

धवन 2004 में भारत की आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जीत में टूनार्मेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। उन्होंने अपने खेल में लगातार प्रगति की और 2010 में एकदिवसीय में पदार्पण किया।

पिंडली में खिंचाव के कारण स्कॉटलैंड टी20 सीरीज से बाहर हुए जोश हेजलवुड

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पिछले सप्ताह प्रशिक्षण के दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण अगले महीने स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

अपने आखिरी पांच टी20 मैच 2021 में खेलने वाले रिले मेरेडिथ को टीम में शामिल किया गया है। हेजलवुड की चोट को मामूली बताया गया है और उम्मीद है कि वह सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, हालांकि चयनकर्ता व्यस्त घरेलू गर्मियों से पहले सतर्क रुख अपना सकते हैं जिसमें भारत के खिलाफ पांच टेस्ट शामिल हैं।

मेरेडिथ इंग्लिश सीजन के दौरान व्हाइट-बॉल क्रिकेट में समरसेट के लिए खेले हैं। उन्होंने टी20 ब्लास्ट में 22.78 की औसत से 14 विकेट लिए और तीन वन-डे कप खेलों में छह विकेट लिए, जिसमें लॉर्ड्स में मिडलसेक्स के खिलाफ 27 रन देकर 4 विकेट शामिल हैं, जहाँ समरसेट फाइनल में पहुँच गया है। उन्होंने तीन साल पहले न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए आठ टी20आई विकेट लिए हैं। हेजलवुड दूसरे तेज गेंदबाज हैं जिन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि स्पेंसर जॉनसन को हंड्रेड में खेलते हुए साइड स्ट्रेन हुआ था।

स्कॉटलैंड सीरीज के लिए तेज गेंदबाजी में अब मेरेडिथ, जेवियर बार्टलेट, सीन एबॉट और नाथन एलिस के साथ-साथ ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी और मार्कस स्टोइनिस और संभावित कप्तान मिशेल मार्श शामिल होंगे। स्पिन की जिम्मेदारी एडम जम्पा और अनकैप्ड कूपर कोनोली संभालेंगे। ऑस्ट्रेलिया सोमवार को स्कॉटलैंड के लिए उड़ान भरेगा, जिसका पहला टी20 मैच 4 सितंबर को एडिनबर्ग में होगा।

स्कॉटलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम इस प्रकार है-

मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), रिले मेरेडिथ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

पुरानी दिल्ली 6 के प्रिंस यादव ने डीपीएल में पहली बार हैट्रिक लेकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। यहां के श्री अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के पहले संस्करण में पुरानी दिल्ली 6 के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया है।

डीपीएल के फॉर्मेट में ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज हैं। उन्होंने यह उपलब्धि शुक्रवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच में हासिल की। मैच के 18वें ओवर में, जब सेंट्रल दिल्ली किंग्स एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी, तब प्रिंस ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पहले केशव डबास को डीप में कैच आउट करवाया फिर अगली ही गेंद पर दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने सुमित कुमार को स्टंप के सामने फंसाया। इसके बाद तीसरी गेंद पर हरीश डागर को अपना शिकार बनाया, जो फुलटॉस चूक गए और गेंद स्टंप के सामने पैड पर जा लगी। अपनी उपलब्धि पर प्रिंस ने कहा, हैट्रिक लेना किसी भी गेंदबाज के एक बड़ी उपलब्धि है।

पैरालंपिक के लिए भारतीय निशानेबाजी दल पेरिस के लिए रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पिस्टल निशानेबाज मनीष नरवाल ने आगामी पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजी दल के तोक्यो पैरालंपिक में पदक तालिका को पार करने पर भरोसा जताते हुए शनिवार को कहा कि कड़े अभ्यास के बाद टीम अच्छी स्थिति में है।

राइफल निशानेबाज अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल और नरवाल सहित 10 सदस्यीय निशानेबाजी दल 30 अगस्त से पेरिस के पास शेटराउ में आयोजित होने वाले निशानेबाजी स्पधाओं में चुनौती पेश करेगी। भारत ने तोक्यो पैरालंपिक में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे।

तोक्यो में 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) में स्वर्ण पदक जीतने वाले नरवाल ने शनिवार को टीम के रवाना होने से पहले कहा, हमारी तैयारियां अच्छी हैं और हम पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। हमारा लक्ष्य अपने पिछले प्रदर्शन को पार करना और अधिक पदक घर लाना है।

नरवाल पेरिस खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नरवाल, अवनी और मोना के अलावा टीम के अन्य सदस्य अमीर अहमद भट, रुद्रांश खंडेलवाल, रुबीना फ्रांसिस, स्वरुप उनहालकर, सिद्धार्थ बाबू, श्रीहर्ष देवराड़ी और निहाल सिंह है। इन खेलों में भारत को पदक की सबसे ज्यादा उम्मीद अवनी से होगी। जो पिछले खेलों में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला निशानेबाज बनी थी।

रबजोत ने कहा, पेरिस में स्पर्धा से पहले मनु के साथ ट्रेनिंग करने का बमुश्किल ही मौका मिला

बेंगलुरू, एजेंसी। मनु भाकर के साथ मिलकर भारत को मिश्रित निशानेबाजी स्पर्धा में पहला ओलंपिक दिलाने वाले सरबजोत सिंह ने शनिवार को कहा कि उन्हें अपनी स्पर्धा से पहले एक साथ ट्रेनिंग करने का बमुश्किल ही मौका मिला था। मनु और सरबजोत ने पेरिस ओलंपिक की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। सरबजोत ने कहा, मेरी ट्रेनिंग नौ बजे होनी थी और उसकी 12 बजे। दोनों की ट्रेनिंग अलग अलग। मिश्रित ट्रेनिंग सत्र 30 मिनट तक रहा जिसके पहले वह अलग से ट्रेनिंग करती थीं और मैं अलग से।उन्होंने कहा, हमारी बातचीत आमतौर पर संक्षिप्त रही जिसमें बातें अपना शत प्रतिशत देना है बस यहीं तक सीमित रहती।सरबजोत ने याद करते हुए कहा, कभी कभी मैं उसका मजाक उड़ाता था तो कभी कभी वह मेरा मजाक उड़ाती थी। सरबजोत ने तुकी के निशोबाज यूसुफ डिकेच के मुरीद हैं। हरियाणा के धीन गांव के 22 वर्षीय सरबजोत ने प्यूमा इंडिया को लंबे समय के उनके प्रशंसक होने का खुलासा करते हुए कहा, मैं 2011 से उनके (यूसुफ के) वीडियो देख रहा हूं। वह हमेशा से ऐसे ही रहे हैं। अब वह 51 साल के हैं। मैंने कोशिश की। फिर भी मैं उनके परफेक्शन से मेल नहीं खा सका। अगर मुझे मौका मिलता तो मैं उनसे पूछता कि वह क्या खाते हैं? सरबजोत ने कहा कि उनकी पिस्टल पर एससिंह30 लिखा हुआ है, जिसमें उनके नाम के पहले अक्षर और उनकी यात्रा की एक महत्वपूर्ण तारीख शामिल है। उन्होंने कहा, मैंने इसे कोई नाम नहीं दिया। जब मैंने हांग्झोउ में 2022 एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया तो मैंने अपनी पिस्टल पर यह लिखवाया। यह मेरी सबसे अच्छी पिस्टल है क्योंकि मेरा पदक (स्वर्ण) 30 सितंबर को आया था और यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। अंत में इस ओलंपिक पदक विजेता ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए अपने लक्ष्य के बारे में बताया और अपने चमचमाते हुए कांस्य पदक की ओर इशारा करते हुए कहा, एलए 28 में, इसका रंग बदलना है।

जैमी स्मिथ की शतकीय पारी के बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने श्रीलंका पर कसा शिकंजा

मैनचेस्टर, एजेंसी। विकेटकीपर बल्लेबाज जैमी स्मिथ के टेस्ट करियर की पहली शतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड ने तीन मैचों श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को यहां श्रीलंका पर 122 रन की बढ़त बनाने के बाद चाय के विश्राम तक दूसरी पारी में 107 रन पर श्रीलंका के चार विकेट झटक कर मैच पर अपना शिकंजा कस दिया।

श्रीलंका की टीम अब भी इंग्लैंड से 15 रन पीछे है और शायद उसके पांच विकेट ही बचे है क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल को मार्क वुड की गेंद पर अंगूठा में चोट लगाने के बाद अस्पताल ले जाना पड़ा।

इंग्लैंड ने दिन की शुरूआत छह विकेट पर 259 रन से करते हुए स्मिथ की 111 रन की पारी के दम पर पहली पारी में 358 रन बनाये। श्रीलंका की पहली पारी 236 रन पर सिमटी थी।

श्रीलंका के दूसरी पारी में लंच से पहले छह रन तक दो विकेट गंवा दिये। क्रिस वोक्स ने सलामी बल्लेबाज निशान मदुशंका को खाता खोले बगैर बोल्ड किया जबकि कुसल मेंडिस भी बिना कोई योगदान दिये गट एटकिंसन की गेंद पर विकेट के पीछे स्मिथ को कैच थमा बैठे।

दिमुथ करुणारत्ने (27) और पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज की अर्धशतकीय साझेदारी को वुड ने दूसरे सत्र में अपनी स्पैल की पहली गेंद पर तोड़ा। हैरी ब्रुक्स ने स्लीप में उनका कैच पकड़ा।

वुड की गेंद इसके बाद चांदीमल (11 रन पर रिटायर्ड हर्ट) के अंगूठे पर लगी और वह दर्द से कराह उठे। मैदान पर उपचार के बाद उन्हें दर्द से राहत नहीं मिली और उन्हें एक्स-रे के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा।

मैथ्यूज (48) एक छोर पर डटे हुए है लेकिन दूसरे छोर पर उन्होंने अच्छा साथ देने वाले बल्लेबाज की जरूरत है। कप्तान धनंजय डिसिल्वा 10 रन बनाकर पगबाधा हो गये। मैथ्यू पोट्स की गेंद पर उन्होंने अंपायर के फैसले के खिलाफ रिव्यू लिया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

चाय के विश्राम के समय मैथ्यूज के साथ कामिंदु मेंडिस (छह) क्रीज पर मौजूद है।

बेन फॉक्स और जॉनी बेयरस्टो जैसे अनुभवी नामों की जगह टीम में जगह पाने वाले 24 साल के स्मिथ ने अपने चयन को सही साबित किया। उन्होंने विकेट के पीछे अपने काम से प्रभावित करने के साथ बल्ले से भी बेहतरीन योगदान दिया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले महीने टेस्ट श्रृंखला में 3-0 की जीत के दौरान 70 और 95 रन की पारी खेलने वाले स्मिथ ने अपने चौथे टेस्ट में इस प्रारूप का पहला शतक जड़ा। उन्होंने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ सूझबूझ दिखाते हुए टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने 148 गेंद की पारी में एक छक्का और आठ चौके लाये।

बीते दिन के नाबाद बल्लेबाज स्मिथ और एटकिंसन (20) ने सातवें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। मैथ्यू पॉट्स (17) और मार्क वुड (22) ने भी बल्ले से उपयोगी योगदान दिये। असिथा फर्नांडो श्रीलंका के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे, उन्होंने 103 रन देकर चार विकेट लिये।

एक नजर

नोसाका और सुन मॉन्टेरी ओपन फाइनल में

मॉन्टेरी (मैक्सिको), एजेंसी। चेक गणराज्य की छठी वरीय लिंडा नोस्कोवा ने शुक्रवार रात अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को 7-6 (7), 7-5 से हराकर मॉन्टेरी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अब 19 वर्षीय नोस्कोवा का सामना न्यूजीलैंड की लुलु सन से होगा। दोनों खिलाड़ी अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब हासिल करने की कोशिश करेंगी। सुन ने पहले सेमीफाइनल में रूस की इकैटरीना एलेक्सांद्रोवा को 7-5, 3-6, 7-6 (6) से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनायी। पिछले हफ्ते सुन ने सिनसिनाटी ओपन में नोस्कोवा को राउंड 64 में 6-4, 7-6 (4) से पराजित किया था।

मेस्सी ने अभ्यास शुरू किया, एमएलएस प्लेऑफ से पहले जुड़ सकते हैं इंटर मियामी से

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी ने इस हफ्ते मैदान पर व्यक्तिगत ट्रेनिंग शुरू कर दी है और वह एमएलएस के नियमित सत्र के खत्म होने से पहले इंटर मियामी में शामिल हो सकते हैं। मियामी के कोच गेरार्डो टाटा मार्टिनो ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अर्जेंटीना की 14 जुलाई को कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर जीत के बाद से 37 वर्षीय मेस्सी दायें टखने की चोट के कारण बाहर हैं। वह इस मैच के दूसरे हाफ में गिर गए थे। मेस्सी शनिवार को इंटर मियामी और एफसी सिनसिनाटी के बीच मुकाबले में नहीं खेलेंगे। उन्हें सितंबर के दो विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम से भी बाहर रखा गया है। वह एक जुलाई से इंटर मियामी के लिए नहीं खेले हैं लेकिन कोच मार्टिनो ने कहा कि वह जल्द ही टीम की पूर्ण ट्रेनिंग में शामिल हो सकते हैं। मार्टिनो ने कहा कि हालांकि मेस्सी की वापसी का कोई समय नहीं बताया जा सकता लेकिन यह अक्टूबर के अंत में शुरू होने वाले एमएलएस प्लेऑफ से पहले हो सकता है।

बुन्देसलीगा : सत्र के पहले मैच में लीवरकुसेन ने मोंचेनग्लैडबाक को 3-2 से हराया

बर्लिन, एजेंसी। फ्लोरियन विट्र्ज. के अंतिम क्षणों में किये गए गोल की मदद से बायर लीवरकुसेन ने शुक्रवार को बोरूसिया मोंचेनग्लैडबाक को 3-2 से हराकर 62वें बुन्देसलीगा सत्र का आगाज किया।

लीवरकुसेन ने मैच में शानदर शुरूआत की और 12वें मिनट में ग्रैनिट झाका ने 20 मीटर की दूरी से बेहतरीन गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 38वें मिनट में विट्र्ज. बहुत नजदीक से गोल कर लीवरकुसेन को 2-0 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक लीवरकुसेन की टीम 2-0 से आगे रही।

मध्यांतर के बाद मोंचेनग्लैडबाक ने बेहतरीन वापसी की और मैच के 59वें मिनट में निको एल्वेदी और 85वें मिनट में टिम क्लीन्डिएन्स्ट ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। लीवरकुसेन ने जीत के लिए जोर लगाया और को इटाकुरा द्वारा अमीन आदिल को क्षेत्र में गिराए जाने पर उन्हें अंतिम समय में पेनल्टी दी गई, जिसे विट्र्ज. ने गोल में बदलकर लीवरकुसेन को 3-2 से जीत दिला दी।

भारतीय अंडर-17 टीम बाली में इंडोनेशिया की चुनौती के लिए तैयारी में जुटी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष अंडर-17 फुटबॉल टीम रविवार और अगले मंगलवार को बाली में इंडोनेशिया के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलने के लिए तैयारी में जुटी है। शुक्रवार की रात को टीम ने स्थानीय टीम बाली यूनाइटेड एफसी अंडर-20 के खिलाफ अभ्यास मैच खेला जो 2-2 से ड्रा रहा। भारत के लिए मोहम्मद समी और मोहम्मद अरबाश ने गोल किए। कोच इश्फाक अहमद की भारतीय अंडर-17 टीम अगले महीने भूटान में होने वाली सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप और उसके बाद अक्टूबर में थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी में जुटी है। इंडोनेशिया जाने से पहले खिलाड़ी डेढ़ महीने से अधिक समय से श्रीनगर में ट्रेनिंग कर रहे थे। अहमद ने कहा, हमने कल के अभ्यास मैच में अपनी पूरी टीम को आजमाया और परखा।

पुणेरी पलटन की जीत में अयहिका ने विश्व नंबर 13 स्जोक्स को दी शिकस्त

चेन्नई, एजेंसी। अयहिका मुखर्जी ने दुनिया की 13वें नंबर की खिलाड़ी और तीन बार की ओलंपियन बनार्डेट स्जोक्स को शिकस्त दी जिससे पुणेरी पलटन ने शुक्रवार को यहां अहमदाबाद एसजी पाइपर्स पर 10-5 की शानदार जीत के साथ अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) में अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। इस साल की शुरूआत में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सुन यिंग्शा को हराने वाली अयहिका ने रोमानिया की खिलाड़ी पर दबाव बढ़ाते हुए 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने 11-7, 11-5, 11-6 से मुकाबला अपने नाम किया। प्रतियोगिता की शुरूआत दोनों टीमों के कप्तानों, जोआओ मोंटेइरो और मानुष शाह के बीच मुकाबले साथ हुई। पुरुष एकल के इस मैच को दुनिया के 92वें नंबर के खिलाड़ी मानुष ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए लगातार दो गेम में जीत के साथ अहमदाबाद की टीम को को अच्छी शुरूआत दिलायी। अयहिका ने इसके बाद स्जोक्स को हराकर पुणेरी पलटन की वापसी करायी। मुखर्जी और मोंटेइरो की जोड़ी हालांकि मिश्रित युगल मैच में मानुस और स्जोक्स की जोड़ी से 2-1 से हार गई। पुणेरी पलटन के 17 वर्षीय अंकुर भट्टाचार्जी ने फ्रांस के विश्व नंबर 90 लिलियन बार्डेट को 3-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इसके बाद नतालिया बाजोर ने रीथ रिशिया को 2-1 से हराकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने वेस्ट दिल्ली लायंस के मालिक राजन चोपड़ा से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। यहां के श्री अरूण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के पहले संस्करण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी को ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ मैच के दौरान वेस्ट दिल्ली लायंस को चीयर करते देखा गया। मनोज तिवारी ने वेस्ट दिल्ली लायंस के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली के साथ रोमांचक मैच का आनंद लिया। वेस्ट दिल्ली लायंस का सपोर्ट करने आए मनोज तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए टीम के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा ने कहा, मनोज तिवारी जी ने जिस तरफ से टीम का उत्साहवर्धन किया और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं उसके लिए मैं उन्हें दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के उद्घाटन संस्करण की शुरूआत से पहले, वेस्ट दिल्ली लायंस टीम ने शिक्षा राज्य मंत्री और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय जयंत चौधरी से भी मुलाकात की थी। जिस दौरान केंद्रीय मंत्री चौधरी ने टीम की जर्सी का अनावरण करते हुए पूरी टीम को डीपीएल के लिए शुभकामनाएं दी थीं।

मैच की बात करें तो शुक्रवार को खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग के 10वें मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 5 विकेट से हरा दिया।

वॉर 2 में कमांडो फाइट करती दिखेंगी कियारा आडवाणी?

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेत्री के पास कतार में कई फिल्में हैं, जिनमें से एक है अयान मुखर्जी की वॉर 2, जिसमें वे बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन और साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी पाने के लिए प्रशंसक काफी उत्साहित रहते हैं। वहीं, अब कियारा आडवाणी के किरदार को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है, जिसने फैंस के उत्साह को और बढ़ा दिया है।

ऋतिक-कियारा के एंट्री सीन्स की शूटिंग पूरी

रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा आडवाणी फिल्म में कमांडो फाइट सीक्वेंस में शामिल होंगी। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही वॉर 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग में तेजी से चल रही है। वहीं अब सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की भूमिका को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। दावा किया जा रहा है कि ऋतिक और कियारा ने हाल ही में अपने इंट्रोडक्शन सीन की शूटिंग की है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक जापानी दुश्मनों के साथ शाओलिन मंदिर के बैकग्राउंड में लड़ेंगे, वहीं कियारा एक लड़ाकू के रूप में शॉपिंग मॉल में उनके एंट्री सीन्स के लिए कमांडो फाइट करती नजर आएंगी। यह दृश्य मुंबई के मलाड स्थित इनफिनिटी मॉल में शूट किया गया था। शूटिंग वहां चार दिनों तक जारी रही।

वाईआरएफ की छठी स्पाई फिल्म

वॉर 2 वाईआरएफ द्वारा बनाई गई स्पाई दुनिया की छठी फिल्म होगी। इससे पहले आई फिल्मों में एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है , वॉर, पठान और टाइगर 3 शामिल हैं। यह फिल्म अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित है। फिल्म में जूनियर एनटीआर खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म भारत के स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है।

जान्हवी कपूर से जुड़ी इस बात से हैरान हैं गुलशन देवैया

गुलशन देवैया हाल में ही जान्हवी कपूर के साथ फिल्म उलझ में नजर आए थे। फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहा भी गया था। अभिनेता फिल्मों के अलावा अपने विचार बेबाकी से रखने के लिए भी जाने जाते हैं। हाल में ही उन्होंने इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने इस दौरान स्टार किड्स को लेकर दर्शकों की उत्सुकता पर भी बात की है। अभिनेता ने हाल में ही गैलाटा पल्स के साथ इंटरव्यू के दौरान इस पर अपनी राय जाहिर की है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं समझ आता कि जान्हवी कपूर को सोशल मीडिया पर क्यों ट्रोल किया जाता है। अभिनेता ने कहा कि हो सकता है कि रेडिट पर एक खराब आस्क मी एनिथिंग की वजह से ऐसा हुआ हो, जो योजना के अनुसार घटित नहीं हुआ। इसके बावजूद उनके लिए हो रही ट्रोलिंग के स्तर से वह काफी हैरान हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की नकारात्मकता का हकदार कोई नहीं हो सकता। स्टार किड्स को मिलने वाले विशेषाधिकारों के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, हो सकता है कि उनके पास कुछ फायदे हों, लेकिन कई मामलों में ये फायदे के रूप में काम नहीं करता। हां, हो सकता है कि इनमें से कुछ लोगों को अधिक अवसर मिलें, लेकिन वे असफल भी होते हैं। काफी असफल होते हैं, क्योंकि दर्शक शुरुआत में उनके लिए उत्साहित होते हैं, लेकिन 2-3 फिल्मों के बाद उतना उत्साह नहीं रह जाता। उनमें से कई तो ऐसे हैं, जो अब काम भी नहीं करते।

बताते चलें कि कुछ समय पहले गुलशन ने जान्हवी कपूर के साथ तालमेल न बैठने का बयान दे कर हलचल मचा दिया था। उन्होंने न्यूज 18 इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि उनकी जान्हवी के साथ तालमेल बहुत अच्छी नहीं रही थी। हालांकि, अभिनेता ने साफ कर दिया था कि इसका असर उनके काम पर नहीं पड़ा था। उन्होंने साफ करते हुए कहा था कि तालमेल की कमी की वजह से उन्हें किसी भी सीन को करते वक्त अभिनेत्री के साथ जुड़ाव की कमी महसूस नहीं हुई थी।

अल्फा में हुई ऋतिक रोशन की एंट्री!

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ जल्द ही यशराज की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में नजर आने वाली हैं। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियों को एक्शन अवतार में देखने का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का निर्देशन द रेलवे मेन जैसी शानदार वेब सीरीज बना चुके शिव रवैल कर रहे हैं। इस बीच अल्फा को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस फिल्म में ऋतिक रोशन की भी एंट्री हो गई है। आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म अल्फा में वह विशिष्ट भूमिका में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋतिक का किरदार इस स्पाई यूनिवर्स की अन्य कहानियों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करेगा। मेकर्स का यह दांव फिल्म को सुपरहिट बनाने में बड़ी मदद कर सकता है। यशराज की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म वॉर में ऋतिक को एजेंट कबीर की भूमिका में देखा गया था। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के किरदार खालिद के साथ उन्होंने ऐसा दमदार एक्शन दिखाया था कि दर्शक अपनी सीट से चिपके रहने पर मजबूर हो गए थे। अब अल्फा में उनके कैमियो के जरिए इस स्पाई यूनिवर्स की जोड़ने की उम्मीद जताई जा रही है। अल्फा में आलिया भट्ट और शरवरी के साथ बॉबी देओल और अनिल कपूर भी नजर आएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में ऋतिक की भूमिका को गुप्त रखने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, ऐसा कहा जा रहा है कि वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण क्षण में दिखाई देंगे, जो संभवतः इस यूनिवर्स की भविष्य की फिल्मों में एक बड़े क्रॉसओवर के लिए मंच तैयार करेगा। प्रशंसक ऋतिक के कबीर को फिर से एक्शन में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, भले ही यह सिर्फ एक कैमियो के लिए हो, क्योंकि उनका किरदार भारतीय सिनेमा की जासूसी शैली में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले किरदारों में से एक है।

राइफल क्लब से डेब्यू करने जा रहे हैं रैपर हनुमानकाइंड

इन दिनों इंटरनेट पर जो-जो नाम वायरल हो रहे हैं, उनमें एक नाम रैपर हनुमानकाइंड का भी हैं, जिनके गाने बिग डॉग्स ने धमाल मचा रखा है। अब खबर आ रही है कि हनुमानकाइंड जल्द ही अपने अभिनय करियर की भी शुरूआत करने जा रहे हैं। उनके लिए यह फिल्म काफी खास होने वाली हैं। रैपर हनुमानकाइंड, जिस फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रखेंगे, उसका नाम राइफल क्लब है। यह एक मलयालम फिल्म है, जिसका निर्देशन आशिक अबू ने किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से हनुमानकाइंड का लुक भी शेयर किया है। उनके किरदार का नाम भीरा होगा। राइफल क्लब के इस पोस्टर में भीरा के किरदार में हनुमानकाइंड को हाथ में बंदूक थामे देखा जा सकता है। उनका लुक काफी खतरनाक लग रहा है। इस फिल्म में निर्देशक अनुराग कश्यप ने भी अभिनय किया और हनुमानकाइंड उन्हीं के बेटे का किरदार अदा कर रहे हैं। बता दें कि राइफल क्लब के जरिए अनुराग कश्यप मलयालम सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। राइफल क्लब में अनुराग कश्यप और हनुमानकाइंड के साथ-साथ विनीत कुमार, सुरेश कृष्णा, दर्शना राजेंद्रन, सुरभि लक्ष्मी, रमजान मुहम्मद, रफी, उन्नीमाया प्रसाद और विजयराघवन ने भी अभिनय किया है।

यूनाइटेड किंगडम में काम करना चाहती हैं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा ने बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियों में अपनी जगह पक्की कर ली है। वह पिछले कुछ सालों में कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में अमर सिंह चमकीला में उनके अभिनय को दर्शकों से खूब सराहना मिली। इस बीच, अभिनेत्री, जो वर्तमान में यूके में अपनी छुट्टियां मना रही हैं, ने यूरोपीय राष्ट्र में काम के अवसरों को तलाशने की इच्छा भी जताई है।

हाल ही में ईस्टर्न आई के साथ बातचीत के दौरान, परिणीति चोपड़ा से पूछा गया कि उनकी बहुमुखी प्रतिभा को देखते हुए, क्या उन्होंने कभी भारतीय सिनेमा से दूर पश्चिम में काम करने के बारे में सोचा है। इस टिप्पणी से उत्साहित, अभिनेत्री ने तुरंत खुलासा किया कि वह काम के अवसरों के लिए तैयार हैं। उसने कहा, ओह, बहुत-बहुत धन्यवाद। क्यों नहीं? वास्तव में, मैं वास्तव में यूके में काम करना चाहती हूं और अवसरों की तलाश करना चाहती हूं। यह कुछ ऐसा है जिसमें मेरी बहुत दिलचस्पी होगी, शायद हॉलीवुड की तरह पश्चिम में नहीं। यूके में ही कुछ रचनात्मक। इसके अलावा, परी ने आगे जाने की अपनी योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपने करियर के उस चरण में हैं जहां वह मात्रा से अधिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देती हैं। उनके अनुसार, भले ही गुणवत्ता का मतलब सिर्फ एक और फिल्म करना हो, यह ठीक रहेगा क्योंकि एक प्रोजेक्ट को अमर सिंह चमकीला की तरह उन्हें अंदर से उत्साहित करना चाहिए। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए खुलासा किया कि उन्होंने दो साल पहले चमकीला में काम किया था, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि वह भूमिका करने के लिए उत्साहित थीं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी सबसे बड़ी सीख ऐसी भूमिकाएँ करना है जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से उत्साहित करती हैं, होमवर्क की आवश्यकता होती है और लोगों के दिलों को छूती हैं। उन्होंने कहा, यह अब वह अनुभव है जिसकी मुझे तलाश है। परिणीति इन दिनों लंदन, यूनाइटेड किंगडम में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अक्सर ब्रिटिश राजधानी में अपने सुखद समय की झलकियाँ साझा की हैं। इस बीच, काम के मोर्चे पर, परी को आखिरी बार इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में देखा गया था, जिसमें दिलजीत दोसांझ भी थे। यह बायोग्राफिकल ड्रामा पंजाब के दिग्गज गायक के जीवन पर आधारित था, जो रिकॉर्ड तोड़ने वाले गीतों के लिए जाने जाते थे। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई थी और इसे दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से अपार प्यार और सराहना मिली थी।

अच्छे को-स्टार्स के लिए जूझ रही हैं एक्ट्रेसेस

सशक्त महिला किरदारों के लिए मशहूर एक्ट्रेस तापसी पन्नू के अनुसार, नायिका प्रधान होने के कारण नामी हीरो उनकी फिल्में करने से कतराते हैं। देखा जाए तो तापसी बिल्कुल सही हैं। बॉलीवुड के ज्यादातर हीरो महिला केंद्रित फिल्मों से दूर ही दिखते हैं। हालांकि, हाल ही में आई जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ में गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू साथ खड़े नजर आए तो शरवरी वाघ स्टारर वेदा में जॉन अब्राहम खुद को उनका सारथी कहते दिखे।

मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की ठग्स ऑफ हिंदोस्तान में चार सीन और दो गाने करतीं कटरीना कैफ हों या फिर सलमान खान की बजरंगी भाईजान में चंद सीन में दिखतीं करीना कपूर खान, बॉलीवुड की हीरो सेंट्रिक फिल्मों में एक्ट्रेसेस अकसर साथी या सहयोगी की भूमिका में नजर आती रही हैं। मगर अब जरा ये रोल रिवर्स यानी हीरो ही जगह हीरोइन सेंट्रिक फिल्म करके देखिए, क्या दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, आलिया भट्ट या तापसी पन्नू की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्मों में आप शाहरुख, आमिर, सलमान छोड़िए, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, ऋतिक रोशन या वरुण धवन जैसे सितारों की कल्पना भी कर सकते हैं? नहीं ना, क्योंकि नायक प्रधान बॉलीवुड के ज्यादातर हीरो नायिका का साथी या सारथी बनने में अपनी तौहीन समझते हैं।

बॉलीवुड में एक अरसे से एक्ट्रेसेस पुरुष प्रधान फिल्मों का हिस्सा बनती रही हैं, फिर उनमें उनका रोल हीरो की गर्लफ्रेंड या सिर्फ ग्लैमर जोड़ने भर का क्यों ना रहा है। खास बात यह है कि ज्यादातर एक्ट्रेसेस उसमें भी अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। जबकि, वक्त बदलने के साथ अब जब नायिका प्रधान फिल्में भी काफी संख्या में बन रही हैं, हीरोज उनका हिस्सा बनने का साहस नहीं दिखा पाते। मसलन, रणवीर सिंह की गली बॉय में गर्लफ्रेंड सकीना के रोल में आलिया भट्ट दिख जाएंगी, लेकिन आलिया की गंगूबाई काठियावाड़ी या जिगरा में शांतनु माहेश्वरी या वेदांग रैना जैसे नए चेहरे ही नजर आते हैं। अक्षय कुमार की बेल बॉटम या जॉली एलएलबी 2 में हुमा कुरैशी आपको दिखेंगी, पर जब वह तरला बनती हैं, तो उनके पार्टनर के तौर पर शारिब हाशमी साथ खड़े दिखते हैं। मुल्क से लेकर थप्पड़, रश्मि रॉकेट, शाबाश मिथु, हसीन दिलरुबा तक अपनी हर फिल्म में दमदार भूमिकाएं निभाने वाली तापसी पन्नू ने कई मौकों पर यह खुलासा किया है कि उन्हें हर फिल्म में अच्छे मेल को-स्टार के लिए संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि उनकी फिल्मों में महिला किरदार ज्यादा सशक्त होता है। बकौल तापसी, हर बार जब मैं प्रोड्यूसर्स के साथ अपनी फिल्मों के लिए चुने गए टॉप पांच मेल एक्टर्स के नामों पर चर्चा करती हूं तो वो एक्टर्स वो होते हैं जिन्होंने सिर्फ एक या दो फिल्में की हैं और वो भी भूमिका नहीं चाहते हैं। कई मेल एक्टर्स ने ये बात खुद मुझसे कही है कि हम वो फिल्में नहीं कर सकते, जिनमें महिला किरदार बहुत स्ट्रॉन्ग हो।

मेल एक्टर्स में होती है असुरक्षा

तापसी के मुताबिक, ये स्टार अपने अभिनय को लेकर असुरक्षित हैं या उन्हें लगता है कि महिला प्रधान फिल्मों का छोटा हिस्सा बनने से उनका स्टार पावर कम हो जाएगा। तापसी के होम प्रॉडक्शन की पहली फिल्म ब्लर और हाल ही जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म उलझ में नजर आए एक्टर गुलशन देवैया भी एक हद तक ऐसी असुरक्षा पर सहमति जताते हैं। इस बारे में गुलशन कहते हैं, ऐसी इनसिक्योरिटीज होती हैं। पहले मेरे अंदर भी इस चीज को लेकर असुरक्षा की भावना थी। एक वक्त पर मुझे भी इन चीजों से फर्क पड़ता था कि पता नहीं करना चाहिए या नहीं, लेकिन मैंने तय किया कि मुझे इन इनसिक्योरिटीज से बाहर निकलना है। अब मैं वही काम करता हूं जो मुझे इंट्रेस्टिंग लगता है। अब मैं ये सब नहीं सोचता कि मेरे साथ कौन सीन में है, मुझे सीन में चमकने का मौका मिलेगा या नहीं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हीरो कौन है? मुझे फिल्म पसंद आ रही है तो मैं वो करूंगा।

वहीं, अपनी फिल्म हसीन दिलरुबा का सीक्वल फिर आई हसीन दिलरुबा लेकर आ रहीं राइटर-को प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लन कहती हैं, मेरा मानना है कि आप जिस एक्टर्स के पास कहानी लेकर जाएंगे, उसे जस्टिफाई करना पड़ेगा कि वह रोल उसके लायक है। जैसे, मनमर्जियां में तापसी के साथ अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल दोनों हैं और उसमें तीनों की कहानी अहम है, लेकिन रश्मि रॉकेट में मेन किरदार लड़की का ही है। ऐसे में, अगर मेल एक्टर को लगे कि उसके लिए कुछ करने को ही नहीं है तो वह जायज है। कोई फीमेल आर्टिस्ट भी यही सोचेगी कि मेरे लिए कुछ है या नहीं, जो वाजिब बात है।